04 - वैश्विक टकराव की आँच में भारत की मजबूती

05 - वो चले गए जो कभी अपने हुआ करते थे

A Daily News Magazine

इंदौर

गुरुवार, 08 जनवरी, 2026

06 - 20 केन्द्रों पर करीब 42 हजार मेट्रिक धान की खरीदी

07 - वाटर फिल्टर प्लांट का संयुक्त निरीक्षण, सीसीटीवी लगाने के...

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 11 अंक 99, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

संयुक्त राष्ट्र संघ की प्रासंगिकता पर उठने लगे सवाल

उमेश चतुर्वेदी

वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को अपदस्थ करके हथकड़ियों में उनके देश से उठाकर न्यूयॉर्क में लाने की घटना को लेकर भारत की संतुलित प्रतिक्रिया स्वाभाविक है। अमेरिका से व्यापारिक रिश्तों को लेकर जारी बातचीत के बीच अमेरिकी कार्रवाई की कड़ी आलोचना राष्ट्रीय कूटनीतिक लिहाज से सही नहीं कही जाएगी। वैसे भी ट्रंप जैसे राष्ट्राध्यक्ष के दौर में तो कड़ी प्रतिक्रिया अपने राष्ट्रीय हितों को संकट में डालने जैसा ही माना जाएगा। लेकिन जिस तरह भारत के लोगों ने इस कार्रवाई के विरोध में प्रतिक्रिया जताई है, उसे भी भारतीय लोक की स्वाभाविक प्रक्रिया का ही हिस्सा माना जाना चाहिए। भारतीय लोक स्वभाव से ही लोकतांत्रिक है और उसे लोकतांत्रिक सत्ताओं का सैनिक कार्रवाई के जरिए उखाड़ना पसंद नहीं उरहा है। भारतीय लोक का मानस कमजोर के पक्ष में खड़े होने का रहा है। इसलिए अधिसंख्य भारतीय प्रतिक्रियाएं निकोलस मादुरो के पक्ष और अमेरिका के विरोध में है।

अमेरिकी कार्रवाई ने दो तरह प्रस्थापनाएं की हैं। पहली यह कि ताकतवर के लिए कुछ भी करना संभव है। वह उसे नियमों और कानूनों की परिभाषा में बांध सकता है। दुनिया लाख चिल्लाती रहे कि किसी राष्ट्राध्यक्ष की सत्ता को उखाड़ फेंकना और उसे गिरफ्तार करके अपने कानूनों के दायरे में लाना अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन है, लेकिन इसका अमेरिका की सेहत पर फिलहाल कोई असर नहीं पड़ने जा रहा। अमेरिका ने एक तरह से इतिहास को ही दोहराया है। अमेरिका अपने हितों के खिलाफ जिस देश को सिर उठाते देखता है, उसके खिलाफ उसे सैनिक, कूटनीतिक और आर्थिक कार्रवाई करने में देर नहीं लगती। इस मौके पर जार्ज बुश सीनियर के दौर को याद किया जाना चाहिए। कुवैत में इराकी सेना की कार्रवाई के खिलाफ उन्होंने खाड़ी युद्ध छेड़ दिया था। बेशक इस युद्ध की आग में झुलसने के चलते वे सत्ता में दोबारा वापसी नहीं कर पाए। लेकिन उनके अधूरे कार्य को उनके बेटे जार्ज बुश जूनियर ने पूरा किया। बेशक इसके लिए मुस्लिम चरमपंथियों और ओसामा बिन लादेन के कुख्यात संगठन अलकायदा ने मौका मुहैया कराया।

इराकी राष्ट्रपति सद्दाम हुसैन की सत्ता को तहस-नहस करने के लिए तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति जार्ज बुश जूनियर और तत्कालीन ब्रिटिश प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर ने एक बहाना बनाया। संयुक्त राष्ट्र संघ की ओर से इराक भेजे गए वैज्ञानिकों और पर्यवेक्षकों ने कथित रूप से रिपोर्ट दी कि इराक के पास व्यापक जनसंहार के रासायनिक हथियार हैं। अमेरिका की नजर में सद्दाम तानाशाह थे, इस लिहाज से ये हथियार मानवता के लिए घातक हो सकते थे। फिर क्या था, संयुक्त राष्ट्रसंघ के प्रस्ताव की आड़ में अमेरिका और ब्रिटेन ने इराकी शासन के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी। अमेरिका की अगुआई वाली सेनाओं के हमले में इराक तहस-नहस हो गया। सद्दाम गिरफ्तार कर लिए गए, उनके खिलाफ मुकदमा चलाया गया और उन्हें व्यापक नरसंहार का दोषी ठहराते हुए फांसी पर लटका दिया गया। बाद के दिनों में बीबीसी ने रिपोर्ट दी कि जिन घातक रासायनिक हथियारों को खत्म करने के नाम पर इराक पर मित्र देशों की सेनाओं ने हमला किया, असलियत में ऐसे हथियार तो इराक के पास थे ही नहीं। बीबीसी को यह खबर लीक करने का शक हथियार जांचने पहुंचे अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों और वैज्ञानिकों की टीम के सदस्य रहे ब्रिटिश वैज्ञानिक विलियम केली पर किया गया। बीबीसी के कई अधिकारियों और पत्रकारों को इस खबर के लिए अपनी नौकरी गवांनी पड़ी। एक सुबह टहलने गए विलियम केली भी रास्ते में मृत पाए गए। इराक में अमेरिकी तर्ज का लोकतंत्र स्थापित तो हो गया है,लेकिन क्या वहां शांति आ पाई है? कुछ ऐसा ही यक्ष प्रश्न वेनेजुएला को लेकर उभरने वाला है। सवाल यह है कि क्या डोनाल्ड ट्रंप की कार्रवाई के बाद वेनेजुएला में जो सत्ता स्थापित हुई है, क्या वह सही मायने में लोकतंत्र स्थापित करके वहां नशा के कारोबार को रोक पाएगी। नशे के कारोबार की बात इसलिए की जा रही है, क्योंकि ट्रंप ने मादुरो पर बड़ा आरोप लगाया है कि वे नशे के कारोबार को बढ़ावा दे रहे थे, जिससे अमेरिकी हितों को चोट पहुंच रही थी। हालांकि उनके इस आरोप को अमेरिका की ही उपराष्ट्रपति रहीं कमला हैरिस ने नकारा है। उनका कहना है कि ट्रंप की कार्रवाई की मूल वजह के पीछे तेल का खेल है। वेनेजुएला के पास दुनिया के सबसे बड़ा कच्चे तेल का भंडार है। अनुमान है कि यह भंडार करीब 303 अरब बैरल है। लेकिन कच्चे तेल के उत्पादन में वह बहुत पीछे है। वैश्विक स्तर पर तेल उत्पादकों की जो सूची है, उसमें वेनेजुएला 21वें स्थान पर है। इसकी बड़ी वजह यह है कि उत्पादन के लिए वेनेजुएला के पास बुनियादी ढांचे की बेहद कमी है। इसके साथ ही मादुरो की सत्ता के चलते यहां लगातार अमेरिकी प्रतिबंध लगे हैं। इसकी वजह से वह उत्पादन नहीं कर पा रहा है। अमेरिकी प्रतिबंध के पहले तक भारत वेनेजुएला का दूसरे नंबर का तेल आयातक था। भारत की अमेरिकी कार्रवाई को लेकर संतुलित प्रतिक्रिया की एक बड़ी वजह भारतीय तेल कंपनियों का फंसा यहां पैसा है। कच्चे तेल के उत्पादन के लिए भारतीय तेल कंपनियों ने यहां निवेश कर रखा है। भारत के करीब 9 हजार करोड़ रूपए यहां फंसे हैं। उम्मीद की जा रही है कि बदली परिस्थितियों में भारत को यह रकम मिल सकती है या फिर तेल का आयात बढ़ सकता है। बहरहाल अमेरिका में भी एक बड़ा वर्ग ऐसा है, जिसका मानना है कि मादुरो की गिरफ्तारी के पीछे ट्रंप की कोशिश अपने परिवार के नियंत्रण वाली तेल कंपनियों को फायदा पहुंचाना है।

अमेरिकी कार्रवाई ने एक सवाल यह भी उठाया है कि क्या संयुक्त राष्ट्रसंघ की अब भी जरूरत है। इस कार्रवाई के बाद संयुक्त राष्ट्र संघ की प्रासंगिकता एक बार फिर सवालों के घेरे में है। अब दुनिया को सोचना होगा कि क्या ताकतवर ही दुनिया को चलाएंगे। क्या दुनिया में कमजोर राष्ट्रों, उनकी संप्रभुता और उनकी स्वतंत्रता का महत्व नहीं रहेगा। दिलचस्प यह है कि अमेरिका खुद को लोकतंत्र का सबसे बड़ा पहरूआ मानता है। बेशक अंदरूनी स्तर पर उसके यहां लोकतंत्र मजबूत हो, लेकिन उसका मजबूत लोकतंत्र दुनिया में तानाशाही का माध्यम भी है, इसे भी दुनिया को देखना और समझना होगा।

अमेरिकी कार्रवाई के बाद दुनिया का एक वर्ग मानने लगा है कि ट्रंप के अगले निशाने पर उत्तरी कोरिया के तानाशाह किम जोंग हैं। लेकिन उत्तर कोरिया परमाणु हथियार से संपन्न है। वैसे भी अमेरिका ने जहां भी कार्रवाई की है, इतिहास गवाह है कि ज्यादातर जगहों पर उसे देर से ही सही, मुंह की खानी पड़ी है।

(प्रभासाक्षी डॉट कॉम पर प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

इंदौर में दूषित पानी से कितनी मौतें हुई इस पर सीएम डॉ.मोहन यादव बोले-

हम आंकड़ों में नहीं पड़ते, 2026 किसान कल्याण वर्ष होगा

भोपाल (नप्र)। सीएम मोहन यादव और प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल पत्रकारों से बात करने बीजेपी ऑफिस आए थे। वह किसान और सरकार द्वारा संचालित योजनाओं की बात कर रहे थे। इस दौरान सीएम मोहन यादव से इंदौर में दूषित पेयजल से घटित घटना में कितनी मौतें हुई हैं, इसे लेकर सवाल किया गया। सीएम मोहन यादव ने कहा कि हम आंकड़ों में नहीं पड़ते हैं।

एक व्यक्ति की मौत भी हमारे लिए कष्टकारी

सीएम मोहन यादव ने कहा कि यह हमारे लिए गिनती का विषय नहीं है। एक व्यक्ति की जान जाना भी हमारे लिए कष्टकारी है। हम इसके आंकड़े में नहीं पड़ रहे हैं। ये अलग बात है कि प्रशासन की दृष्टि से उनका अपना एक अलग तरीका होता है। पीएम कराने वाले लोगों का कुछ आंकड़ा था। हमने कहा कि कोई बात नहीं है। उस परिक्षेत्र के अंदर जब घटना घटी है तो नगर निगम के माध्यम से एक पंजीयन होता है। राहत देने के मामले में हम उस आंकड़े के बजाए सबके साथ हैं।

आमलोगों तक पहुंचाएंगे प्राकृतिक उत्पाद- मोहन यादव ने कहा कि आम हमने निर्णय लिया है कि हर जिले में स्टाल्स के माध्यम से किसानों के प्राकृतिक उत्पाद आम जन को उपलब्ध कराएंगे, इसके साथ ही किसानों को प्राकृतिक खेती के लिए प्रोत्साहन देने हेतु अनुदान भी देंगे। गौरतलब है कि इंदौर के भागीरथपुरा में अभी तक 18 लोगों की मौत हुई है। प्रशासन ने कहा है कि हमने 15 लोगों को मुआवजा राशि दी है। संवेदनशीलता के आधार पर हमलोगों की मदद कर रहे हैं। हालांकि इनमें अधिकांश शवों का पोस्टमार्ट्म ही नहीं हुआ है।

नगर निगम में पंजीयन पर संख्या तय करेंगे- मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव और बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने एक-एक कर प्रेसवार्ता को संबोधित किया। इस दौरान सीएम डॉ. मोहन ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में काम करने की और अधिक अनुकूलता रहेगी।

जी राम जी योजना में 125 काम की गारंटी है- मनरेगा में 100 जबकि जी राम जी योजना में 125 काम की गारंटी है। राज्य में साल में 60 दिन कटाई बुआई के दिन अधिसूचित कर सकेंगे। राशि में केंद्र और राज्य का 60-40 का रेशो रखा है। मजदूरी की दरें केंद्र सरकार तय करेगी। नरेगा से मनरेगा, मनरेगा से जी रामजी विपक्ष का काम बोलने का तो बोल रहा है। अधिनियम में मजदूरों के लिए कई तरह के प्रावधान किए गए हैं।

2026 किसानों और 2027 युवाओं के लिए- उन्होंने बताया कि मप्र सरकार के लिए ये वर्ष किसान कल्याण वर्ष है। आने वाले समय में कृषि विकास में अपार संभावनाएं हैं। जीराम जी को जोड़कर समेकित योजना की कार्ययोजना हम बनाने जा रहे हैं। विपक्ष तथ्यात्मक बात नहीं कर रहा है। 15 विभागों को मिलाकर समेकित योजना बनाई जा रही है।

किसान कल्याण के लिए कार्य करेंगे

इसके साथ ही सीएम मोहन यादव ने कहा कि जिस प्रकार हमने वर्ष-2024 को नारी वर्ष एवं वर्ष-2025 को उद्योग-रोजगार वर्ष घोषित किया था, ठीक उसी प्रकार हमने वर्ष-2026 को किसान कल्याण वर्ष घोषित किया है। इस वर्ष हम सभी विभागों, दलों ओर कृषि क्षेत्र में कार्य करने वाले संगठनों, व्यक्तियों के साथ मिलकर किसान कल्याण के लिए कार्य करेंगे।

हेमंत खंडेलवाल ने कहा- कांग्रेस फैला रही भ्रम

इससे पहले बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने प्रेसवार्ता को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा कि जी राम जी योजना को लेकर कांग्रेस पार्टी भ्रम फैला रही है। 50 प्रतिशत काम का निर्णय करने का अधिकार पंचायतों का रहेगा। बोवनी और फसल करने के दौरान ब्रेक रहेगा।

शरद की सुबह

प्रीत किये दुख होय
हिमगिरी सी पीड़ा सह जाने वाला हृदय
गौरेया के पंख की ठेस से टूट जाता है
जाते हुए तुम्हारी पीठ देखती हूँ
मेरी अंजुरी से छलक जाता है अमृत
न धरती फटी न आसमान टूटा
ये संसार यथावत चलता रहा
कहीं कोई पत्ता भी नहीं खड़का
मैंने अपने ही प्राण निकलते देखे
मेरी आँख से एक आँसू नहीं गिरा
सब इतना ठीक था, जैसे घड़ी
न थमी न वक्त बदला
दीवार पर एक जाला नहीं था
मेरी चादर धुली हुई थी
मेरे माथे पर थी वही बिंदी
मैंने हँसना छोड़ा न गुनगुनाना
बस तुम्हारी पसंद का इत्र लगाना भूल गई
तुम्हारे बाद आयु बची, जीवन नहीं।

- **श्रुति कुशवाहा**

बांग्लादेश की नहर में कूदने से हिंदू युवक की मौत

● लोगों ने चोरी के आरोप में पीछा किया बचने के लिए पानी में छलांग लगाई

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश के नाओगांव जिले में नहर में कूदने से 25 साल के हिंदू युवक की मौत हो गई। घटना मंगलवार दोपहर की है। रिपोर्ट्स के मुताबिक मृतक की पहचान भंडारपुर गांव निवासी मिथुन सरकार के तौर पर हुई है। स्थानीय पुलिस ने बताया कि, कुछ लोगों ने हाट चकगौरी

बाजार इलाके में मिथुन पर चोरी का आरोप लगाते हुए उसका पीछा किया। बचने की कोशिश में वह पास की नहर में कूद गया और लापता हो गया। बाद में स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस और फायर सर्विस की टीम ने रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। करीब चार घंटे बाद शाम 4 बजे गोताखोरों की मदद से मिथुन का शव नहर से बरामद किया गया। प्रारंभिक जांच के बाद शव को पोस्टमॉर्टम के लिए जनरल अस्पताल भेज दिया गया है। पुलिस ने अभी यह पुष्टि नहीं की है कि मृतक वास्तव में चोरी में शामिल था या नहीं। बांग्लादेश में पिछले कुछ महीने में हिंदुओं के खिलाफ हमले लगातार बढ़े हैं।

आधी रात पुलिस-एमसीडी टीम पर भीड़ का हमला

● लोगों ने जमकर बरसाए पत्थर, मचाया जबरदस्त उत्पात

अवैध निर्माण हटाने पहुंची थी टीम, 5 पुलिसकर्मी घायल

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के रामलीला मैदान इलाके में मंगलवार रात फैज-ए-इलाही मस्जिद के पास अतिक्रमण विरोधी अभियान के दौरान हिंसा भड़क गई। कुछ लोगों ने पुलिसकर्मियों पर पत्थर फेंके, जिससे 5 पुलिसकर्मी घायल हो गए। यह पूरा मामला तब शुरू हुआ जब एक सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में दावा किया गया कि अतिक्रमण विरोधी अभियान के दौरान मस्जिद को गिराया जा रहा है। इसके तुरंत बाद, कई लोग वहां जमा हो गए, और कुछ ने पुलिस और एमसीडी कर्मचारियों पर पत्थर और कांच की बोतलें फेंकीं। पुलिस ने मंगलवार रात प्रदर्शन कर रहे लोगों को हटाने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े। मामले में अब तक एक नाबालिग समेत 5 उपद्रवियों को हिरासत लिया गया है। एमसीडी के डिप्टी कमिश्नर विवेक कुमार ने कहा कि अभियान के दौरान एक डायग्नोस्टिक सेंटर और बैंक्वेट हॉल और दुकानों को तोड़ा गया है।

जल-जमीन और आसमान से घिरेगा दुश्मन

● बांग्लादेश से बंगाल की खाड़ी तक नेवी का प्लान तैयार

चूं-चपड़ नहीं करेगा चीन, हल्दिया में बन रहा है नया बेस

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश में अस्थिरता शुरू होने के बाद से सिलीगुड़ी कॉरिडोर को लेकर भारत को कई बार धमकाने की कोशिश की गई है। पहले बांग्लादेश की मोहम्मद यूनुस सरकार ने चीन को अपने यहां पुराने जमाने के एक एयरबेस दिखाने के बहाने बुलाकर गीदड़भभकी देने का प्रयास किया, फिर चीन ने दक्षिण चीन सागर से भी आगे निकल कर बंगाल की खाड़ी में चोरी-छिपे अपनी चालबाजियां जाहिर करनी शुरू की। लेकिन, भारत ने भी अब इन नापाक इरादों की नकेल कसने की तैयारी शुरू कर दी है। बंगाल की खाड़ी में भारतीय नौसेना के ईस्टर्न नेवल कमांड का मुख्यालय विशाखापत्तनम में है। लेकिन, अब हल्दिया में भी एक नया बेस बनाने की तैयारी है।

असम, बंगाल, बिहार में नए आर्मी कैंप

बांग्लादेश में 2024 में लोकप्रिय सरकार को सत्ता से बेदखल करके नई सरकारी बनाई गई, जिस पर कट्टपंथियों के दबाव में काम करने के आरोप हैं। वहां जबसे भारत-विरोधी माहौल बनाने की कोशिशें शुरू हुई हैं और कभी आईएसआई और कभी चीन के नुमाइंदों की चहलकदमी बढ़ी है, भारत ने पश्चिम बंगाल, बिहार और असम जैसे नजदीकी राज्यों में भी आर्मी के नए कैंपों की स्थापना पर काम शुरू कर दिया है। इनमें असम में धुबरी जिले में लाचित बोरफुकन मिलिट्री स्टेशन, बिहार के किशनगंज और पश्चिम बंगाल के चोपड़ा में नए फॉरवर्ड बेस का निर्माण शामिल है।

- **सेना, वायु सेना ने पहले ही चुस्त की तैनाती-** सैन्य जानकारों के अनुसार सिलीगुड़ी कॉरिडोर को लेकर चुनौतियों को देखते हुए ऐसे कदम उठाने बहुत ही जरूरी हो गए हैं। बता दें कि भारतीय सेना की त्रिशक्ति कोर पर सिक्किम से लेकर सिलीगुड़ी कॉरिडोर (कथित चिकन नेक कॉरिडोर) तक की सुरक्षा की प्राथमिक जिम्मेदारी है। इसने भी पहले से ही अपनी तैनाती को और मुस्तैद कर रखा है। यही नहीं, पास के हाशिमारा एयरबेस में राफेल जेट, ब्रह्मोस मिसाइल और एडवांस्ड एयर-डिफेंस सिस्टम भी तैनात हो चुके हैं।
- **शिलॉन्ग में एयर फोर्स का ईस्टर्न एयर कमांड-** भारतीय वायुसेना का ईस्टर्न एयर कमांड मेघालय के शिलॉन्ग में पहले से ही स्थित है। इसके ऑपरेशनल दायरे में 12 राज्य आते हैं, जिनमें पूर्वोत्तर के सातों राज्य समेत, सिक्किम, पश्चिम बंगाल, बिहार-झारखंड और ओडिशा के हिस्से भी शामिल हैं। इसकी जिम्मेदारी में चीन से लगी 6,300 किलोमीटर की वास्तविक नियंत्रण रेखा शामिल है।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 20 °c | न्यूनतम 18°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ गुरुवार, 08 जनवरी 2026

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

अब हवा में ही दुश्मन के ड्रोन हो जाएंगे तबाह

भारत मिशन सुदर्शन चक्र के तहत कर रहा स्पेशल ग्रिड का निर्माण

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारतीय थल सेना, वायु सेना और नौसेना तीनों अपनी क्षमता बढ़ाने के लिए लगातार कोशिश में जुटी हुई है। इसी क्रम में भारतीय सशस्त्र बल एक संयुक्त मानवरहित हवाई प्रणाली (सीयूएएस) ग्रिड

विकसित करने में जुट गया है जो तीनों सेवाओं में ड्रोन-रोधी क्षमताओं को एकीकृत करेगा। इस ग्रिड के बनने से दुश्मन के हर ड्रोन हवा में ही नष्ट हो जाएंगे। यह सीयूएएस ग्रिड, इंटीग्रेटेड एयर कमांड एंड कंट्रोल सिस्टम (आईएसीसीएस) जैसे वर्तमान में मौजूद हवाई रक्षा नेटवर्क से बिल्कुल अलग तरह से काम करेगा।

निकाय चुनाव, महाराष्ट्र में हो गया बड़ा 'खेला'

अंबरनाथ में भाजपा ने कांग्रेस से किया गठबंधन

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के दो नगर परिषद चुनाव के बाद बीजेपी ने कांग्रेस और एआईएमआईएम के साथ गठबंधन किया है। अंबरनाथ में बीजेपी ने कांग्रेस और एनसीपी के साथ गठबंधन कर नगर परिषद का अध्यक्ष बनाया है। जबकि अकोला जिले के अकोट नगर परिषद में पार्टी ने एआईएम आईएम के साथ गठबंधन किया। हालांकि सीएम

देवेंद्र फडणवीस ने बुधवार को इन गठबंधन को खारिज कर दिया। उन्होंने पार्टी नेताओं के खिलाफ कार्रवाई की चेतावनी दी है। फडणवीस ने कहा कि इस तरह के गठबंधनों को पार्टी की वरिष्ठ नेतृत्व ने मंजूरी नहीं दी है और यह संगठनात्मक अनुशासन का उल्लंघन है। अंबरनाथ में बीजेपी ने कांग्रेस और एनसीपी के साथ मिलकर चुनाव लड़ा था।

धोखे से फंसाया, मैं खुद नहीं आया बाहर

नक्सली हिडमा के दोस्त देवा बारसे ने बताई हकीकत

रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश जैसे कई राज्यों में कहर मचाने वाले कुख्यात

नक्सली देवा बारसे ने हाल ही में अपने 19 साथियों के साथ हैदराबाद में सरेंडर किया था। वह बटालियन नंबर एक का कमांडर इन चीफ था। सरेंडर के बाद हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में देवा बारसे ने बताया कि वह आत्मसमर्पण करना नहीं चाहता था। पुलिस ने उसे धोखे से पकड़ा था। देवा ने यह भी साफ किया कि हिड़मा को पुलिस ने मारा है, न कि उसने। यह आरोप मनीष कुंजाम ने लगाया था। देवा ने स्पष्ट किया कि वे हिड़मा से 27 अक्टूबर तक संपर्क में थे।

कुत्तों के चलते लोग कब तक परेशानी झेलेंगे : सुप्रीम कोर्ट

- कहा-वे बच्चों-बड़ों को काट रहे,लोग मर रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को आवारा कुत्तों से जुड़े मामले पर सुनवाई हुई। बहस में कुत्तों के मूड, कुत्तों की काउंसलिंग, कम्युनिटी डॉग्स और इंस्टीट्यूशनलाइज्ड डॉग्स जैसे शब्द सामने आए। कोर्ट ने कहा कि मामला सिर्फ कुत्ते के काटने का नहीं है। वो जब सड़क पर दौड़ते हैं या किसी का पीछा करते हैं उससे एक्सीडेंट का खतरा रहता है। इसलिए रोकथाम इलाज से बेहतर है। इसको लेकर बहस में आवारा कुत्तों के फेवर में पैरवी कर रहे कपिल सिब्बल ने कहा कि लोग सेंटर पर फोन कर सकते हैं ताकि उन्हें पकड़कर नसबंदी की जा सके। फिर कोर्ट ने कहा, अब तो बस एक ही चीज बाकी है, कुत्तों को भी काउंसलिंग देना।

ताकि वापस छोड़े जाने पर वह काटे नहीं। कोर्ट ने आगे सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि कुत्तों के कारण आम लोगों को आखिर कब तक परेशानी झेलनी पड़ेगी।

पूछा-स्कूल और कोर्ट कैंपस में कुत्तों की क्या जरूरत है?

अदालत ने स्पष्ट किया कि उसका आदेश सड़कों के लिए नहीं, बल्कि केवल संस्थागत क्षेत्रों के लिए है। पीठ ने सवाल उठाया कि स्कूलों, अस्पतालों और अदालत परिसरों के भीतर आवारा कुत्तों की क्या आवश्यकता है और उन्हें वहां से हटाने पर क्या आपत्ति हो सकती है। इस बीच सिब्बल ने कहा, जब भी मैं मंदिरों वगैरह में गया हूं, मुझे कभी किसी ने नहीं काटा। सुप्रीम कोर्ट ने जवाब दिया- आप खुशकिस्मत हैं। लोगों को काटा जा रहा है, बच्चों को काटा जा रहा है। लोग मर रहे हैं। बुधवार को मामले की सुनवाई ढाई घंटे तक चली। अगली सुनवाई 8 जनवरी को सुबह 10.30 बजे से फिर शुरू होगी। सीनियर एडवोकेट सीयू सिंह ने दलील देते हुए कहा कि सवाल यह नहीं है कि स्कूल या सुप्रीम कोर्ट कैंपस में कुत्तों की जरूरत है या नहीं। लेकिन कुत्ते एक सच्चाई हैं। सवाल यह है कि वे इंसानों को नुकसान कैसे न पहुंचाएं और इससे निपटने का सबसे अच्छा तरीका क्या है। सीनियर एडवोकेट केके वेणुगोपाल ने कहा कि इस यूनिवर्सिटी में एक एनीमल लॉ सेंटर है। इसमें एनिमल प्रोटेक्शन में मास्टर्स कोर्स और पीजी डिप्लोमा भी है। एनिमल प्रोटेक्शन के संबंध में इसका हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के साथ एमओयू है। हमारी जांच में ऐसे कई आंकड़े सामने आए हैं।

लेखक - पत्रकार प्रमोद भार्गव को मिलेगा नासिक में विद्योतमा सम्मान

शिवपुरी। शिवपुरी के वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार प्रमोद भार्गव को कहानी लेखन के क्षेत्र में 'विद्योतमा सम्मान' से अलंकृत किया जाएगा। भार्गव को उनका 2024 में प्रकाशित कहानी संग्रह 'प्रमोद भार्गव की चुनिंदा कहानियां' पर दिया जाएगा। नए साल में 11 जनवरी को यह सम्मान नासिक महाराष्ट्र की माहेश्वरी धर्मशाला में आयोजित होने वाले एक भव्य समारोह में दिया जाएगा।

प्रमोद भार्गव की विभिन्न प्रकाशन संस्थानों से अब तक 25 पुस्तकें छप चुकी हैं।भारत सरकार के राष्ट्रीय पुस्तक न्यास से भी उनकी दो पुस्तकें छपी हैं। उनके दशावतार और आर्यावर्त उपन्यास बहुत चर्चित हुए हैं। आर्यावर्त उपन्यास आज तक के यू ट्यूब चैनल साहित्य तक ने 2025 के 10 श्रेष्ठ उपन्यासों में शामिल किया है। यह चैनल इस उपन्यास पर दो बार चर्चा भी कर चुका है। दशावतार का अंग्रेजी अनुवाद भी प्रकाशित हो चुका है। उनकी पुरातन विज्ञान पुस्तक भी चर्चित पुस्तकों में दर्ज है। प्रमोद भार्गव को अब तक सरकारी एवं गैर सरकारी दो दर्जन से ज्यादा सम्मानों से सम्मानित किया जा चुका है। इनमें मध्यप्रदेश सरकार की साहित्य अकादमी एवं जनसंपर्क विभाग के सम्मान शामिल हैं। उन्हें साहित्य के क्षेत्र में मध्यप्रदेश राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, हिंदी भवन भी नरेश मेहता वांग्मय सम्मान से विभूषित कर चुकी है।

रातीबड़ में महिला से मोबाइल झपटा, दो आरोपी हिरासत में

भोपाल (नप्र)। रातीबड़ इलाके में मंगलवार रात ड्यूटी से घर लौट रही एक महिला से बाइक सवार बदमाशों ने मोबाइल फोन झपट लिया। इस मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को हिरासत में ले लिया है। पुलिस के मुताबिक 37 वर्षीय कविता निजी कंपनी में कार्यरत हैं। मंगलवार रात करीब 8 बजे वह अपने सहकर्मियों के साथ पैदल घर की ओर जा रही थी। इसी दौरान राजोरिया होटल के पास पीछे से बाइक पर सवार होकर आए दो बदमाशों ने उनके हाथ से मोबाइल फोन झपट लिया और मौके से फरार हो गए।

पुलिस ने खंगाले सीसीटीवी कैमरे- घटना की सूचना मिलते ही रातीबड़ पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले। फुटेज में बाइक सवार बदमाश साफ नजर आए, जिसके आधार पर उनके हुलिए की पहचान कर ली गई। पुलिस ने देर रात दोनों संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

जबलपुर में युवक की सरेआम हत्या, पत्थर पटककर सिर कुचला

जबलपुर (नप्र)। जबलपुर में बुधवार सुबह कुछ बदमाशों ने सिर पर पत्थर पटककर एक युवक की हत्या कर दी। मृतक की पहचान आकाश उर्फ पप्पू (26) के रूप में हुई है। आकाश ऑटो चलाता था। सुबह करीब साढ़े पांच बजे वह अपने घर से निकला था। इसी दौरान खिन्नी मोहल्ले में उसका कुछ युवकों से विवाद हो गया।

इसके बाद आरोपी आकाश को घसीटते हुए क्षेत्रीय बस स्टैंड के पास ले गए और वारदात को अंजाम दिया। घटना की सूचना मिलते ही मृतक के परिजन और गोहलपुर थाने के पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे।

सुरेश सौरभ की लघुकथा 'सोनू सेंटा क्लॉज़ बनेगा' ने रचा रिकॉर्ड

गोला गोकर्णनाथ,(लखीमपुर)। समकालीन हिंदी साहित्य में लघुकथा के सशक्त हस्ताक्षर एवं 'सुबह सवेरे' के नियमति लेखक सुरेश सौरभ की एक और रचना ने पाठकों के बीच व्यापक लोकप्रियता हासिल की है। उनकी लघुकथा 'सोनू सेंटा क्लॉज़ बनेगा' को मात्र 24 घंटे में एक लाख से अधिक लोगों ने देखा और पढ़ा, जिससे यह सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गई है। कानपुर से प्रकाशित प्रतिष्ठित साहित्यिक पत्रिका 'दि अंडरलाइन' में प्रकाशित इस लघुकथा को सुरेश सौरभ ने अपने फेसबुक पेज पर साझा किया था। साझा होते ही यह रचना पाठकों के बीच तेजी से प्रसारित हुई और कम समय में बड़ी संख्या में लोगों तक पहुंच गई। यह पहला अवसर नहीं है जब सौरभ की किसी लघुकथा को इतनी व्यापक सराहना मिली हो। इससे पूर्व उनकी चर्चित लघुकथा 'तीर' को लगभग सात लाख लोगों ने देखा था, जो अपने आप में एक उल्लेखनीय उपलब्धि मानी जाती है। सुरेश सौरभ की 'आर्द्रता', 'पापी', 'पहचान', 'व्यवहार' सहित अनेक लघुकथाएं देश की प्रमुख पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित होकर साहित्यिक जगत में चर्चित हो चुकी हैं। उनकी रचनाओं की विशेषता सामाजिक यथार्थ, संवेदना और गहरी मानवीय अनुभूति को संक्षिप्त लेकिन प्रभावशाली शैली में प्रस्तुत करना है। अब तक सुरेश सौरभ की बीस पुस्तकों का प्रकाशन हो चुका है, जो उनके निरंतर लेखन और साहित्य के प्रति समर्पण को दर्शाता है। साहित्य प्रेमियों का मानना है कि सोशल मीडिया के माध्यम से उनकी लघुकथाएं नई पीढ़ी तक साहित्य को पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने खंधो माता मंदिर में नवग्रह वाटिका का किया भूमिपूजन

विभिन्न विकास कार्यों का किया लोकार्पण एवं भूमिपूजन

भोपाल (नप्र)। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि खंधो माता मंदिर बड़ा तीर्थ स्थल बनेगा। मंदिर परिसर को विकसित कर इसके आसपास के क्षेत्र को पर्यटक स्थल भी बनाया जायेगा। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने रीवा के गोविन्दगढ़ समीप स्थित माता मंदिर परिसर में नवग्रह वाटिका का भूमिपूजन किया। उन्होंने मंदिर से लगी पहाड़ी में जिला खनिज न्यास मद से वृक्षारोपण कराये जाने के क्रम में पीपल का पौधा लगाकर वृक्षारोपण की शुरूआत की।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि गौमाता की सेवा एवं धार्मिक स्थलों के विकास से ही रीवा तरक्की के मार्ग पर आगे बढ़ रहा है। गत दिनों भैरवनाथ मंदिर परिसर में वृक्षारोपण अभियान का शुभारंभ किया गया था। खंधो माता मंदिर की पहाड़ी में भी पीपल सहित अन्य पौधे लगाकर इसे हरी भरी बनाया जायेगा। सघन वृक्षारोपण आने वाली पीढ़ी के लिये वरदान साबित होगा। हमारा दायित्व है कि हम आने वाली पीढ़ी को ऐसा पर्यावरण दें जहां पर्याप्त मात्रा में आक्सीजन के लिये वृक्ष हों। उन्होंने खंधो माता मंदिर में रामसखा यादव द्वारा बिना किसी सहयोग के किये गये वृक्षारोपण कार्य की सराहना की तथा लोगों से अपेक्षा की कि समाज के हित में कार्य करें क्योंकि हम जो कार्य करते हैं उसको लोग हजारों आंखों से देखकर मूल्यांकन करते हैं।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने सामुदायिक स्वच्छता परिसर के लोकार्पण के साथ ही अन्य विकास कार्यों का भूमि पूजन किया। उन्होंने विभिन्न मांगों को तत्परता से पूर्ण कराने का आश्वासन दिया। इस दौरान विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करने वाले प्रबुद्धजनों को सम्मानित किया गया। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने खंधो माता के दर्शन भी किये। सांसद श्री जनार्दन मिश्र ने कहा कि मंदिर परिसर वृक्षों से आच्छादित होगा। पत्थर में किया गया वृक्षारोपण कार्य अकल्पनीय है। उन्होंने आमजनों से अपेक्षा की कि भविष्य में बढ़ती आबादी के मद्देनजर अधिक से अधिक वृक्षारोपण करें। सांसद श्री मिश्र ने लोगों से शासन की योजनाओं का लाभ लेने की अपील की तथा अपेक्षा की कि निर्धारित दर अनुसार विद्युत बिल का भुगतान करें व शासन के सहयोगी बनें। विधायक गुढ़ श्री नागेन्द्र सिंह ने कहा कि खंधो माता आस्था की प्रतीक हैं। उनके आशिर्वाद से ही यह क्षेत्र विकसित होगा। वन विभाग द्वारा मंदिर परिसर के दक्षिण भाग में सुरक्षा की दीवार बनाई जायेगी जिससे यह पूरा परिसर सुरक्षित हो जायेगा।

इंडस्ट्रियल पार्कों के निर्माण से विन्ध्य में होगी औद्योगिक प्रगति : उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

रीवा और मैहर में इंडस्ट्रियल पार्कों के लिए भूमि उपलब्ध कराने के दिए निर्देश

भोपाल। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने सर्किट हाउस रीवा में आयोजित बैठक में कहा कि विन्ध्य में एयरपोर्ट, रेलवे, हाईवे के साथ पर्याप्त मात्रा में जमीन और पानी उपलब्ध है। विन्ध्य में अब औद्योगिक विकास तेजी से होगा। मैहर और रीवा जिले में इंडस्ट्रियल पार्कों के लिए कम से कम एक हजार हेक्टेयर जमीन उपलब्ध कराएं। इंडस्ट्रियल पार्कों के निर्माण से विन्ध्य में तेजी से औद्योगिक प्रगति होगी। आर्थिक विकास के साथ बड़ी मात्रा में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। मैहर जिले में झुकेही में 1450 हेक्टेयर तथा अमझर में 1500 हेक्टेयर जमीन इंडस्ट्रियल पार्कों के लिए चिन्हित कर दें। रीवा जिले में त्योंथर, सोहागी, सिरमौर तथा क्योटी के आसपास दो हजार हेक्टेयर जमीन इंडस्ट्रियल पार्क के लिए उपलब्ध कराई जा सकती है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि एयरपोर्ट और अन्य सुविधाएं होने से बड़े-बड़े उद्योगपति विन्ध्य क्षेत्र में निवेश करने के लिए लालायित हैं। हमें औद्योगिक विकास के अवसर का पूरा लाभ उठाना है। सभी विभाग समन्वय से प्रयास करके औद्योगिक विकास के कार्य को गति दें। विन्ध्य में सिंचाई, पर्यटन और उद्योगों का विकास नए आर्थिक युग का सूत्रपात करेगा। उन्होंने बेला-सिलपरा रिंग रोड निर्माण के संबंध में कहा कि रेलवे से समन्वय कर रेलवे ओवर ब्रिज का निर्माण कार्य समय पर पूरा कराएं। इस महत्वपूर्ण रोड का निर्माण कार्य अप्रैल तक पूरा करें। रीवा से सीधी फोरलेन सड़क के निर्माण की प्रक्रिया शीघ्र शुरू करें। इसमें वन विभाग की अनुमति और भू-अर्जन की कार्यवाही में तेजी लाएं। रीवा बायपास रोड का कार्य भी तेजी से पूरा करें। प्रयागराज की ओर से आने पर रतहरा में हाईवे से शहर में प्रवेश के स्थल पर सड़क को चौड़ा और व्यवस्थित कराएं। इस स्थान पर पानी की निकासी की भी समुचित व्यवस्था करें। दोनों ओर की सर्विस रोड को पर्याप्त चौड़ा बनाएं जिससे आवागमन सुगम हो सके। सीधी से सिंगरौली हाईवे का निर्माण कार्य भी टेण्डर की प्रक्रिया में है। इस महत्वपूर्ण रोड पर विशेष ध्यान दें।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि बसामन मामा गौ-अभ्यारण्य में प्राकृतिक खेती का प्रकल्प तेजी से विकसित किया जा रहा है। आसपास के किसानों को प्राकृतिक और जैविक खेती से जोड़ने के प्रयास करें। इस गौ अभ्यारण्य को प्राकृतिक खेती और गौपालन केन्द्र के रूप में विकसित किया जाएगा। हिनौती गौधाम में शेष बचे शेडों का निर्माण तेजी से पूरा कराएं। इसकी रोड और बाउन्ड्रीवाल के निर्माण पर भी विशेष ध्यान दें। हिनौती गौधाम में 25 हजार से अधिक गौवंश को आश्रय मिलेगा। बैठक में कमिश्नर बीएस जामोद, कलेक्टर रीवा श्रीमती प्रतिभा पाल, कलेक्टर मैहर श्रीमती रानी बाटड, अध्यक्ष नगर निगम श्री व्यंकटेश पाण्डेय सहित अन्य संबंधित अधिकारी और निर्माण एजेंसियों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

पंचायत चुनाव में नहीं बदलेगा वार्ड और पंचायत का दायरा

बिहार में पुराने परिसीमन पर ही वोटिंग,सिर्फ रिजर्वेशन बदलेगा

पटना (एजेंसी)। बिहार में 30 साल पुराने परिसीमन के आधार पर पंचायत चुनाव होने जा रहे हैं। 2,55,379 पदों के लिए चुनाव होंगे। आरक्षण रोस्टर बदलेगा। मतलब, जो सीट अभी स्ट्र के लिए आरक्षित है, संभव है सामान्य कोटे की हो जाए। इसी तरह जनरल सीट रिजर्व हो सकती है। चुनाव के लिए 32 हजार से अधिक नए एम-3 ईवीएम खरीदे जा रहे हैं। इस पर 64 करोड़ रुपए से अधिक खर्च होंगे। 2021 में 11 चरणों में चुनाव हुए थे। इस बार फेज कम रखे जाने की उम्मीद है। लोकसभा और विधानसभा क्षेत्र की तरह पंचायत की भी सीमा होती है। वार्ड से लेकर जिला प्रमुख तक के लिए सीमा तय होती है। राज्य निर्वाचन आयोग के मुताबिक, पंचायत परिसीमन वह प्रक्रिया है, जिससे किसी राज्य के ग्राम पंचायतों, पंचायत समितियों, वार्ड और जिला परिषदों की भौगोलिक सीमा तय होती है। परिसीमन से सीमाओं और निर्वाचन क्षेत्रों (वार्डों) का गठन या निर्धारण किया जाता है। इस प्रक्रिया से पंचायतों की सीमा तय होती है।

महिलाओं को मिलता है 50 फीसदी आरक्षण

पंचायती राज संस्थाओं में महिलाओं को 50 फीसदी आरक्षण दिया गया है। महिलाओं को आरक्षण के अंदर आरक्षण दिया गया है। मतलब कि अगर बिहार में किसी वर्ग के लिए 50 सीट आरक्षित है तो उसमें से 25 उसी वर्ग की महिलाओं के लिए आरक्षित होगी।

30 साल पहले हुआ था पंचायतों का परिसीमन

राज्य निर्वाचन आयोग के मुताबिक पंचायतों का परिसीमन 1994-95 में 1991 की जनगणना के आधार पर किया गया था। 1996 में पंचायत चुनाव नहीं हुए थे। 2001 में कराए गए थे। 2011 में जनगणना हुई, लेकिन पंचायतों का परिसीमन नहीं। 2011, 2016 और 2021 में पंचायत चुनाव हुए। इस बीच बहुत से ग्रामीण इलाके शहरी निकायों में शामिल हुए।

ड्रेनेज लाइन को लेकर आमने-सामने

इंदौर। भागीरथपुरा में दूषित जल से कई रहवासी प्रभावित हो चुके हैं। नर्मदा के जल में ड्रेनेज लाइन का पानी आ गया था। इस लाइन को लेकर वर्तमान और पूर्व पार्षद आमने-सामने आ गए हैं। दोनों एक दूसरे पर लाइन बिछाने की बात कह रहे हैं। मामला सामने आने के बाद जब निगम और अधिकारियों ने लीकेज पाइंट चेक किया तो पता चला कि ड्रेनेज लाइन को नर्मदा लाइन के ऊपर बिछाया गया है। ड्रेनेज लाइन में लीकेज होने से पानी दूषित हुआ, जिसके चलते रहवासी न सिर्फ बीमार हुए, बल्कि 18 की मौत भी हो गई। इसके बाद निगम ने टैंकरों से पानी सप्लाई शुरू किया, ताकि लोगों को राहत मिल सके। उधर, लीकेज सुधारने और लोगों को जल्द से जल्द नर्मदा का पानी देने पर फोकस कर रहा है। कलेक्टर से लेकर अदने कर्मचारी तक इस काम में लगे हैं, ताकि यहां का जनजीवन सामान्य हो सके। पूर्व पार्षद मांगीलाल रेडवाल ने कहा कि मेरे कार्यकाल में ड्रेनेज लाइन ठीक थी। 25 साल में कभी इस तरह की शिकायत नहीं आई। साढ़े तीन साल से क्षेत्र में कमल वाघेला पार्षद है। जबकि, वर्तमान पार्षद कमल वाघेलाकि लाइन पुरानी होने से लीकेज हुआ है। जिस समय लाइन बिछी थी, मैं पार्षद नहीं था। नई लाइन बिछाने पर काम चल रहा है। पूर्व पार्षद के आरोप गलत हैं।

6 दिन का तिल चतुर्थी मेला गणेश मंदिर में शुरू

इंदौर। प्रसिद्ध श्री खजराना गणेश मंदिर में 6 दिवसीय तिल चतुर्थी मेला प्रारंभ हुआ। कलेक्टर शिवम वर्मा ने खजराना गणेश मंदिर में पूजन-अर्चना के साथ इस मेले काशुभारंभ किया। इस मौके पर नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल सहित अन्य अधिकारी भी विशेष रूप से मौजूद थे। भगवान श्री गणेशजी को तिल-गुड़ के सवा लाख लड्डुओं का भोग लगाया गया। साथ ही श्रीगणेश का स्वर्ण मुकुट तथा आभूषणों से विशेष श्रृंगार किया गया है। मंदिर को आकर्षक फूलों से फूल बंगला के साथ सजाया गया है। कलेक्टर ने इस मौके परध्वजा पूजन करने के साथ ही 6 दिवसीय तिल चतुर्थी मेले की भी शुरुआत की। मंदिर के वरिष्ठ पुजारियों ने पूजा-अर्चना करवाई। इस अवसर पर भक्त मंडल के सदस्य तथा अन्य श्रद्धालु भी उपस्थित थे।

ई-रिक्शा के रूट 7 सेक्टर में बंटेंगे

इंदौर। साढ़े 10 हजार ई-रिक्शाओं के रूट प्लान को लेकर बड़ा फैसला होने वाला है। पुलिस प्लान में बदलाव कर इसे 7 सेक्टर्स में बांट सकती है। शहर की बेतरतीब यातायात व्यवस्था को सुधारने के लिए बनाए गए ई-रिक्शा के 10 सेक्टर्स पर मतभेद सामने आया। जहां रिक्शा संघ दो सेक्टर्स पर अड़ा है, वहीं पुलिस चाहती है 10 सेक्टर रखें। आईबस, सिटी बस, ऑटो रिक्शा के बाद बड़ी आबादी को लाने-ले जाने वाला ई-रिक्शा बड़ा साधन है। इसे लेकर बुधवार को बड़ी बैठक होने वाली है। पुलिस ने पहले 10 सेक्टर बनाए थे, अब 7 कर दिए हैं। रिक्शा संघ भी चाहता है 10 से कम सेक्टर हों। पुलिस ने पहले शहर को 2 हिस्सों यानी पूरब और पश्चिमी इंदौर के रूप में बांट रखा था। पश्चिम में वे थाने आते हैं, जो रेल पटरी के एक तरफ हैं, जैसे- जूनी इंदौर, रावजी बाजार, एरोड्रम, अन्नपूर्णा, राजेंद्र नगर आदि। वैसे ही पूर्वी इंदौर में पटरी के दूसरे हिस्से के थाने आते हैं। रिक्शा वाले भी ऐसा ही प्लान चाहते हैं। रिक्शा संघ के राजेश बिड़कर ने कहा, हम रेल पटरियों के इधर और उधर जैसा रूट चाहते हैं।

वैष्णव कॉलेज में छात्र गुटों में झड़प

इंदौर। वैष्णव कॉलेज में मंगलवार को छात्र नेताओं के दो गुटों के बीच विवाद हो गया, जो मारपीट में बदल गया। घटना के बाद एबीवीपी छात्र नेता कुशल यादव अपने साथियों के साथ द्वारकापुरी थाने पहुंचे, जहां उन्होंने अपने साथी देवेंद्र के साथ मारपीट की शिकायत दर्ज करानी चाही। आरोप है कि थाने में मौजूद एसआई आलोक मिठास ने शिकायत पर तुरंत ध्यान नहीं दिया, जिससे नाराज छात्रों ने थाने परिसर में नारेबाजी करते हुए हंगामा कर दिया। करीब आधे घंटे तक चले हंगामे की सूचना पर एसीपी शिवेंदु जोशी मौके पर पहुंचे और दोनों पक्षों से बातचीत की। एसीपी के हस्तक्षेप के बाद एफआईआर दर्ज करने पर सहमति बनी। बताया गया कि विवाद का दूसरा पक्ष पुनीत नामक छात्र से जुड़ा है। पुलिस ने दोनों पक्षों के छात्रों को मेडिकल परीक्षण के लिए भेज दिया है और मामले की जांच की जा रही है।

नाबालिग से छेड़छाड़, आरोपी को पकड़ा गया

इंदौर। अपनी दो मौसी के साथ सराफा में कास्मेटिक आयटम खरीदने नाबालिग से सड़क किनारे खड़े युवक ने उसके साथ आपत्तिजनक हरकत की। पीड़िता की मौसी ने घटना देख आरोपी का विरोध किया, इसके बाद दोनों पक्षों में विवाद हो गया। परिजन लड़की को लेकर सराफा थाने पहुंचे और शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर आरोपी युवक के खिलाफ छेड़छाड़ और पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। बाणगंगा थाना क्षेत्र में रंजिश के चलते सहेलियों के बीच विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। पीड़िता मनाली राव की शिकायत पर पुलिस ने चंचल बेस, उसके भाई सुमित, बहन प्रज्ञा और बुआ सीमा के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। मनाली पीपीटी सेकेंड ईयर की छात्रा है। बताया गया है कि मनाली और चंचल के बीच पहले राजस्थान में किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। इसके बाद दोनों ने बातचीत बंद कर दी थी। आरोप है कि इसी रंजिश के चलते चंचल अपने परिजनों के साथ मनाली के घर पहुंची, जहां उसके साथ मारपीट की गई और जातिसूचक शब्द कहे गए। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

अड़ीबाजी के लिए युवक से मारपीट

इंदौर। लसूड़िया थाना क्षेत्र की स्कीम नंबर-78 में अड़ीबाजी का एक मामला सामने आया है। फरियादी संजय पिता आनंद शाह, निवासी स्कीम नंबर-114 को निरंजनपुर नई बस्ती निवासी अरुण पिता संतोष ने एचडीएफसी बैंक के पास रोक लिया। आरोपी ने पहले मोबाइल मांगा और फिर खुद को इलाके का गुंडा बताते हुए शराब के लिए रुपये मांगे। मना करने पर आरोपी ने गाली-गलौज कर मारपीट की और जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गया। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

फोन कॉल न उठाने पर संघर्ष - चंदन नगर थाना क्षेत्र के दुर्गा नगर में फोन कॉल न उठाने पर दो पड़ोसियों के बीच विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ा कि दोनों पक्षों ने ईंट और क्रिकेट बैट से हमला कर दिया। इस घटना में बुजुर्गों सहित कई लोग घायल हुए हैं। पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अलाव तापने की बात पर संघर्ष

इंदौर। रावजी बाजार थाना क्षेत्र के मरीमाता का बगीचा, जबरन कॉलोनी में अलाव तापने को लेकर दो पड़ोसी परिवार आमने-सामने आ गए। मामूली विवाद गाली-गलौज और लात-घूंसे तक पहुंच गया। पुलिस ने विपिन वर्मा की शिकायत पर उदय मछी, काव्य और सन्नी सहित अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया है। वहीं दूसरे पक्ष की रिपोर्ट पर विपिन वर्मा और अन्नू के खिलाफ भी केस दर्ज कर क्रॉस कायमी की गई है।

पत्नी और साले से मारपीट- एरोड्रम थाना क्षेत्र में शराब की लत ने एक परिवार को हिंसा की आग में झोंक दिया। अशोक नगर निवासी रेखा जैन ने पति के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। आरोप है कि शराब पीने के लिए पैसे न देने पर पति ने पहले गाली-गलौज की और फिर लकड़ी के डंडे से पत्नी और बीचबचाव करने आए साले संतोष जैन पर हमला कर दिया, जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए।

गंदे पानी के मुद्दे पर नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कई इलाकों में पानी को जांचा

पानी का सैंपल लिया, नगर निगम पर सवाल दागे, वाटर ऑडिट की मांग

इंदौर। मध्यप्रदेश विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने आज खजराना, आजाद नगर, भूरी टेकरी समेत कई इलाकों में जाकर लोगों से बातचीत की और उन्हें मिल रहे पानी के बारे में बातचीत की और पानी को देखा। इस दौरान उन्होंने स्वयं पानी के सैंपल लिए और मौके पर प्राथमिक जांच कर यह पाया कि शहर के कई इलाकों में आज भी गंदा व दूषित पानी सप्लाई हो रहा है। खजराना के मदीना नगर क्षेत्र में दूषित पानी की शिकायतों को लेकर नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि भाजपा के निकम्मेपन और प्रशासनिक लापरवाही के चलते उन्हें इंदौर में खुद 'वाटर ऑडिट' शुरू करना पड़ा है। निरीक्षण के दौरान सामने आया कि केवल मदीना नगर ही नहीं, बल्कि शहर की अधिकांश कॉलोनियों में दूषित पानी पहुंच रहा है, जो गंभीर स्वास्थ्य संकट को जन्म दे सकता है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता के नाम पर इंदौर को कई बार राष्ट्रीय पुरस्कार मिले, लेकिन पीने के पानी की गुणवत्ता की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। सिंघार ने जनता से भी अपील की कि वे अपने क्षेत्रों में आने वाले पानी की नियमित जांच कराएं। साथ ही उन्होंने मांग की कि 'एम्स' भोपाल और 'आईसीएमआर' की टीमें इंदौर के विभिन्न इलाकों में जाकर दूषित पानी की वैज्ञानिक जांच करें।

मीडिया से चर्चा करते हुए उमंग सिंघार ने कहा कि सिर्फ भागीरथपुरा नहीं पूरे इंदौर में प्रदूषित पानी का वितरण हो रहा है। हमने इस पानी का वाटर ऑडिट कराकर सच्चाई जानना चाही, तो जो सच सामने आया, वह यह था कि पानी पीने योग्य नहीं, बीमार करने वाला है। उसमें बीमार करने वाले बैक्टीरिया हैं और इसकी पीएच वैल्यू भी 8 से ज्यादा है। जबकि, 7.4 पीएच से ज्यादा का पानी कदापि पीने योग्य नहीं होता। अब लोगों को चाहिए कि वे अपने क्षेत्र के नर्मदा पानी और बोरिंग के पानी का वाटर ऑडिट करवाकर यह सच्चाई जाने कि उन्हें जो पानी पीने के लिए मिल रहा है वह कितना खराब है। लेकिन, आपको अपने पानी का ऑडिट खुद करना पड़ेगा। क्योंकि, इससे आपका स्वास्थ्य खराब हो रहा है।

इंदौर की जनता को मानवीयता के साथ सामने आना चाहिए, ताकि इंदौर को इस सरकार की आज असंवेदनशीलता से बचाया जा सके। उन्होंने कहा कि विधानसभा क्षेत्र क्रमांक-5 के आजाद नगर में भी भागीरथपुरा की तरह गंदा पानी वितरित किया जा रहा, जिसमें कीड़े साफ़ दिखाई दे रहे हैं! इन्हें देखकर रखता है कि क्या नगर निगम सोई हुई है, क्या महापौर सोए हुए हैं, क्या नगरीय प्रशासन मंत्री सोए हुए हैं और मुख्यमंत्री जो यहां के प्रभारी मंत्री है, वे भी सोए हुए हैं। मैं चाहता हूं कि यहां तत्काल वाटर ऑडिट होना चाहिए और इंदौर को स्वच्छ पानी मिलना चाहिए।

इंदौर को स्वच्छता के नाम पर कई बार पुरस्कार मिल चुका है, तो उसे इतना गंदा पानी क्यों दिया जा रहा! दूषित पानी से आज भागीरथपुरा प्रभावित है, तो कल को आजाद नगर भी इलाका भागीरथपुरा बन सकता है।

भागीरथपुरा क्षेत्र में प्रशासन के निर्देशन में कोबो टूल का प्रयोग, दवाइयां बांटी

450 से अधिक बोरिंग का क्लोरीनेशन, 24,786 को परामर्श दिया गया

इंदौर। भागीरथपुरा क्षेत्र में हुई जल जनित घटना के बाद प्रशासन द्वारा किए जा रहे कार्यों से सुधार नजर आने लगा। स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने भागीरथपुरा के प्रभावित क्षेत्र में सघन दौरा किया। भारत सरकार के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. चंद्रशेखर गेदाम तथा प्रशासनिक अधिकारियों ने आज कोबो टूल का प्रयोग किया। इस टूल के माध्यम से किसी भी स्थिति का रियल टाइम में जानकारी प्राप्त की जाती है। कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देश पर भागीरथपुरा क्षेत्र में 5 एम्बुलेंस लगाई गई हैं। 24 घंटे चिकित्सकों की ड्यूटी क्षेत्र में लगाई गई। प्रभावितों को एमवाय चिकित्सालय, अरविंदो अस्पताल तथा बच्चों को चाचा नेहरू अस्पताल में रेफर किया जा रहा है। जो मरीज निजी चिकित्सालयों में जा रहे हैं, वहां पर भी निःशुल्क उपचार, जांच एवं औषधि के लिए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.माधव प्रसाद हासानी द्वारा निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन और नगर निगम द्वारा भागीरथपुरा के प्रभावित क्षेत्रों में नर्मदा तथा बोरिंग पाइप लाइन के लीकेज आदि का सुधार कार्य करवाया गया। वर्तमान में जिस टंकी से क्षेत्र में पानी का वितरण किया जा रहा है उसे सुपर क्लोरिनेट कर वितरण किया जा रहा है। साथ ही पाइप लाइन की फ्लशिंग का कार्य भी किया जा रहा है। इसके अलावा उपभोक्ताओं के यहां किए जा रहे नर्मदा जलापूर्ति की रीशिड्यूल क्लोरीन भी चेक की जा रही है। प्रशासन द्वारा नगर निगम के सहयोग से प्रभावित क्षेत्रों में टैंकरों के माध्यम से जलापूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। साथ ही क्लोरिनेशन का कार्य लगभग 450 प्राइवेट बोरवेल का भी क्लोरिनेशन कराया जा रहा है। प्रभावित क्षेत्र के सभी ड्रेनेज चैंबर, बेकलेन आदि की सफाई करायी जा रही है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि भागीरथपुरा क्षेत्र में विस्तृत सर्वे कार्य पूर्ण हो गया। सर्वे में लगभग 61 टीमें बनाई गई थी। प्रत्येक टीम ने घरों में कोबो टूल के माध्यम से रियल टाइम सर्वे किया। इसके तहत सर्वे टीम ने भागीरथपुरा क्षेत्र के प्रत्येक घर में ओआरएस के 10 पैकेट एवं जिंक की 30 टेबलेट वितरित की। इसके साथ-साथ ही एक क्लिनवेट ड्रॉप भी वितरित किए गए।

चौथी बार 'तेजस एक्सप्रेस' के फेरे बढ़ाए, आसानी से सीट मिल रही

'तेजस' के कारण 'अवंतिका' और 'दुरंतों' पर दबाव घटा

इंदौर। मुंबई के लिए इंदौर से चलने वाली 'तेजस एक्सप्रेस' ट्रेन के फेरे रेलवे ने चौथी बार बढ़ा दिए। ट्रेन के फेरे बढ़ाने से अब वीकेंड पर भी यात्रियों को कन्फर्म टिकट मिल रहे हैं। दुरंतो, अवंतिका सहित अन्य ट्रेनों पर भी यात्री दबाव कम हुआ। तेजस एक्सप्रेस में अधिकतर दिन 75% तक सीटें फुल चल रही हैं। रेलवे के जानकारों का मानना है कि अवंतिका और दुरंतो एक्सप्रेस में पहले जहां 160% दबाव रहता था, वह अब 40% तक कम हुआ। दरअसल, रेलवे ने जुलाई से इंदौर-मुंबई के बीच चलने वाली सेमी हाईस्पीड तेजस एक्सप्रेस ट्रेन शुरू की थी। नए साल पर रेलवे ने ट्रेन के फेरे बढ़ा दिए। रेलवे पीआरओ के अनुसार यात्रियों की मांग और सुविधा को देखते हुए मुंबई से इंदौर के लिए तेजस एक्सप्रेस अब 30 जनवरी तक और इंदौर से मुंबई के लिए 31 जनवरी तक चलेगी।

जुलाई में शुरू हुई थी 'तेजस'

तेजस एक्सप्रेस ट्रेन 23 जुलाई 2025 को शुरू हुई थी। न सिर्फ इंदौर, बल्कि प्रदेश की पहली सेमी हाईस्पीड तेजस ट्रेन थी, जो इंदौर-मुंबई के बीच शुरू हुई। रेलवे ने ट्रेन को पहली बार 34 फेरों के लिए स्पेशल ट्रेन में चलाया। शुरुआत में बुकिंग थोड़ी कम थी, लेकिन धीरे-धीरे ट्रेन फुल हो गई। यात्रियों को मुंबई के लिए एक अतिरिक्त ट्रेन का विकल्प भी मिला। इसके बाद एक बार फिर ट्रेन के फेरे बढ़ाए गए, इससे त्योहारी सीजन में यात्रियों की राह आसान हुई। रेलवे ने अब चौथी बार स्पेशल ट्रेन के फेरे बढ़ा दिए हैं, जिससे यात्रियों को फायदा होगा।

नया शेड्यूल ऐसा होगा

ट्रेन 09085 मुंबई सेंट्रल-इंदौर स्पेशल ट्रेन : प्रत्येक सोमवार, बुधवार एवं शुक्रवार को मुंबई सेंट्रल से रात 11.20 बजे रवाना होती है। ट्रेन अगले दिन दोपहर 1 बजे इंदौर आ रही है। ट्रेन 09086 इंदौर-मुंबई सेंट्रल स्पेशल मंगलवार, गुरुवार एवं शनिवार को इंदौर से शाम 5.00 बजे रवाना होती है। ट्रेन अगले दिन सुबह 07.10 बजे मुंबई सेंट्रल पहुंचती है। ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, वापी, सूरत, वडोदरा, दाहोद, रतलाम तथा उज्जैन स्टेशनों पर रुकेगी। ट्रेन में फर्स्ट एसी, एसी 2-टियर और एसी 3-टियर कोच होंगे।

कोहरे ने फिर रोकी उड़ान, चौथे दिन उड़ानें लेट, यात्री परेशान

दस से ज्यादा उड़ानों पर कोहरे का असर होने से देरी हुई

इंदौर। मौसम और घने कोहरे ने देवी अहिल्याबाई होलकर अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर उड़ानों में अड़चन डाली। मंगलवार सुबह एयरपोर्ट क्षेत्र में दृश्यता कम बनी रही, जिसके चलते उड़ान संचालन प्रभावित हुआ और 10 से अधिक उड़ानें देरी से संचालित करनी पड़ीं। खराब मौसम के कारण सुबह के स्लॉट में उड़ानों की समयबद्धता पूरी तरह बिगड़ गई। एयरपोर्ट सूत्रों के अनुसार तड़के से ही इंदौर और आसपास के क्षेत्रों में घना कोहरा छाया रहा। कम दृश्यता के चलते पायलटों को विशेष सतर्कता बरतनी पड़ी, जिससे उड़ानों की टेकऑफ़ और लैंडिंग में देरी हुई। सुबह 6.30 बजे से 8.30 बजे के बीच का समय सबसे ज्यादा प्रभावित रहा। लगातार तीसरे दिन उड़ानों में देरी से यात्रियों को काफी परेशानी हुई। सुबह की उड़ानों के यात्रियों को एयरपोर्ट पर घंटों इंतजार करना पड़ा, वहीं कई यात्रियों की आगे की कनेक्टिंग फ्लाइट भी प्रभावित हुई। एयरपोर्ट प्रबंधन का कहना है कि खराब मौसम को देखते हुए यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता रही। मौसम में सुधार के बाद उड़ानों को रवाना और लैंड कराया गया।

मां के दूसरे पति पर चाकू से हमला, गले-सीने में चाकू मारे, पकड़ा गया

आरोपी फरार हो गया, पुलिस ने उसके दोस्त के घर से पकड़ा

इंदौर। परदेशीपुरा थाना क्षेत्र में एक युवक ने अपनी मां के दूसरे पति पर जानलेवा हमला कर दिया। आरोपी ने युवक के गले और सीने पर चाकू से वार किए, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां आईसीयू में उसका इलाज चल रहा है। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

परदेशीपुरा थाना प्रभारी आरडी कानवा के अनुसार शिवाजी नगर निवासी राहुल पुत्र कैलाश वर्मा पर हमला करने के मामले में पुलिस ने सोमवार को जय उर्फ मिडी पुत्र राकेश खराड़े के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। घटना देवी अहिल्या परिसर के पास शिवाजी नगर की है। राहुल ने अपने बयान में बताया कि वर्ष 2020 में जय खराड़े की मां ने पहले पति से तलाक लेकर मुझसे शादी कर ली थी। इसी बात को लेकर जय उससे रंजिश रखता था। रविवार रात राहुल एक शादी के रिसेप्शन में जा रहा था, तभी रास्ते में जय ने उसे रोक लिया और गाली-गलौज करने लगा। इसके बाद अचानक उसने चाकू निकालकर राहुल के गले और सीने पर हमला कर दिया।

भागने की तैयारी में था आरोपी- हमले के बाद राहुल जान बचाने के लिए दौड़ा, लेकिन कुछ दूरी पर जाकर गिर पड़ा। इसी दौरान आरोपी मौके से फरार हो गया। पुलिस ने अस्पताल पहुंचकर राहुल के बयान लिए। आरोपी का नाम सामने आने पर पुलिस ने उसके दोस्त के घर दबिश दी, जहां से जय को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के मुताबिक आरोपी इंदौर से बाहर भागने की तैयारी में था।

पुलिस ने कार में भरकर लाए जा रहे चाइनीज मांझे के आठ बोरे पकड़े

इन्हें मकर संक्रांति के लिए बेचने की तैयारी की गई, पर नहीं हुआ

इंदौर। शहर की जूनी पुलिस ने चाइनीज मांझे के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। पुलिस टीम ने एक कार से 8 बोरों में भरा चाइनीज मांझा ले जा रहे एक व्यापारी को पकड़ा है। आरोपी के पास से सैकड़ों चाइनीज मांझे जब्त किए गए। बताया जा रहा है कि वह मकर संक्रांति के त्योहार को देखते हुए मांझा लेकर आया था। पुलिस उससे मांझा बेचने वाले व्यापारी के संबंध में पूछताछ कर रही है। टीआई अनिल गुप्ता की टीम को सूचना मिली थी कि खातीवाला टैंक क्षेत्र में किराए से रहने वाले रवि राजानी ने बड़े स्तर पर चाइनीज मांझे का सौदा किया है और वह रात के समय एक कार में मांझा लेकर आने वाला है। सूचना के आधार पर पुलिस ने चेकिंग प्वाइंट लगाए और कार नंबर के आधार पर रवि को पकड़ा। कार की तलाशी लेने पर उसमें 8 बोरे चाइनीज मांझे से भरे हुए मिले। इसके बाद आरोपी से थाने में देर रात तक पूछताछ की गई। पुलिस यह जांच कर रही है कि वह मांझा कहां से लेकर आया था। इस मामले में आरोपी की कार भी जब्त कर ली गई है।

पुलिस ने दुकान की सील की - द्वारकापुरी पुलिस को भी सूचना मिली थी कि सचिन चावला इलाके में एक दुकान से चाइनीज मांझा बेच रहा है। पुलिस टीम मौके पर पहुंची और कार्रवाई करते हुए वहां से 5 चाइनीज मांझे जब्त किए। इसके बाद पुलिस ने दुकान को सील कर दिया। वहीं, तिलक नगर पुलिस ने भी सोमवार को इलाके में जनजागरण रैली निकाली और दुकानों पर जाकर सर्चिंग की।

नो पार्किंग में खड़ी गाड़ी उठाने पर विवाद, युवक-महिला पर केस दर्ज

हेड कांस्टेबल की शिकायत पर शासकीय कार्य में बाधा का मामला

इंदौर। सराफा थाना क्षेत्र में नो पार्किंग से वाहन उठाने को लेकर विवाद हो गया। ट्रैफिक विभाग के हेड कांस्टेबल की शिकायत पर पुलिस ने युवक और महिला के खिलाफ शासकीय कार्य में बाधा डालने का मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार, पश्चिम ट्रैफिक थाने में पदस्थ हेड कांस्टेबल हीरालाल गारी सोमवार शाम राजबाड़ा इलाके में क्रेन ड्यूटी पर थे। इस दौरान उन्होंने इमामबाड़ा के पास नो पार्किंग में खड़ी कार (एमपी-09-एएल-1308) को क्रेन से उठाया। तभी कार मालिक विशाल भाटिया और उनके साथ आई महिला वर्षा मौके पर पहुंचे और गाड़ी छोड़ने की मांग करने लगे। जब हेड कांस्टेबल ने वाहन छोड़ने से मना किया, तो दोनों ने विवाद शुरू कर दिया। आरोप है कि महिला क्रेन के सामने खड़ी हो गई और सपोर्ट वाहन को आगे बढ़ने से रोक दिया। इस दौरान ट्रैफिक क्रेन चालक सुजल कौशल से भी उनकी बहस हुई।

काफी देर बाद स्थिति संभली

काफी देर तक चले हंगामे के बाद अन्य पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे और स्थिति को संभाला। इसके बाद हेड कांस्टेबल गारी थाने पहुंचे और शिकायत दर्ज कराई। सराफा थाना प्रभारी राजकुमार आटोरिया ने बताया कि महिला का व्यवहार अभद्र था। वरिष्ठ अधिकारियों ने भी समझाने की कोशिश की, लेकिन बात नहीं बनी। इसके बाद उनके निर्देश पर युवक और महिला के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई। वहीं महिला का आरोप है कि हेड कांस्टेबल ने भी उनके साथ बदसलूकी की। हालांकि पुलिस का कहना है कि इस संबंध में अभी तक कोई लिखित शिकायत प्राप्त नहीं हुई है।

शेयर ट्रेडिंग में गारंटीड मुनाफे का जाल बुना, फर्जी कॉल सेंटर पकड़ा

पुलिस ने भंडाफोड़ किया, 20 गिरफ्तार, 1.70 लाख की ठगी

इंदौर। आम लोगों से ठगी करने वाले एक संगठित साइबर गिरोह का स्टेट साइबर पुलिस ने भंडाफोड़ किया। गिरोह इंदौर में बैठकर फर्जी कॉल सेंटर चला रहा था। कार्रवाई में 10 युवक और 10 युवतियों को गिरफ्तार किया गया है। इस गिरोह के बारे में भोपाल के सुनील कुमार राजपूत ने शिकायत की थी। उन्हें शेयर ट्रेडिंग में अच्छे रिटर्न का लालच देकर कॉल किया और खुद को फाल्कन ट्रेडर्स कंपनी का प्रतिनिधि बताया और मोबाइल एप के जरिए निवेश कराने को कहा। भरोसा दिलाने वेबसाइट लिंक भेजा गया और ई-मेल पर यूजर आईडी व पासवर्ड उपलब्ध कराए गए। सुनील ने अपने और दोस्तों के खातों से अलग-अलग तारीखों में कुल 1.70 लाख रुपए यूपीआई के जरिए बताए गए खातों में ट्रांसफर कर दिए। पहले एप पर मुनाफा दिखता रहा। लेकिन, जब रकम निकालने की कोशिश की गई तो पैसा खाते में नहीं आया। कंपनी के सभी मोबाइल और व्हाट्सएप नंबर बंद हो गए। 11 दिसंबर 2025 को सुनील ने साइबर क्राइम पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई। जांच में साइबर पुलिस की टीम ने इंदौर के स्काई कॉरपोरेट पार्क, विजयनगर स्थित ऑफिस पर रेड की, जहां फाल्कन ट्रेडर्स के नाम से फर्जी कॉल सेंटर मिला। यहां से 43 मोबाइल फोन, 16 लैपटॉप, 3 हार्ड डिस्क, 1 डीवीआर, 1 मॉडम, 1.33 लाख नकद, पासबुक, एटीएम/ डेबिट कार्ड व चेकबुक जब्त किए गए।

संपादकीय

मप्र की बिगड़ती माली हालत

सरकारी खजाने से मुफ्त रेवड़ियों और बार-बार कर्ज लेने का असर अब मध्यप्रदेश सरकार के बजट पर दिखने लगा है। मीडिया में आई रिपोर्ट्स पर भरोसा करें तो अब सरकार के पास विकास कार्यों के लिए पैसा ही नहीं बच रहा है। समूचे बजट का 70 फीसदी वेतन भत्तों और रेवड़ियां बांटने में जा रहा है। नतीजा यह है कि अधोसंरचना विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रोजेक्टों पर या तो विराम लग गया है या फिर उन्हें मुल्तवी कर दिया गया है। एक समय था, जब मप्र सरकार का बजट सरप्लस हुआ करता था। कभी तत्कालीन शिवराज सरकार इस बात पर इतराया करती थी कि मप्र ने कोई ओवरड्राफ्ट नहीं लिया है। लेकिन अब हालात पूरी तरह बदल चुके हैं। राज्य के वित्त विभाग की पहली छमाही रिपोर्ट आंखें खोलने वाली है। इसके मुताबिक मप्र सरकार की सबसे बड़ी कैश ट्रांसफर योजना 'लाड़ली बहना' पर हर माह करीब 1890 करोड़ रुपए खर्च हो रहे हैं। वहीं बिजली सब्सिडी पर सालाना 7000 करोड़, वेतन-भत्तों व पेंशन पर 95 हजार करोड़, मुफ्त राशन पर 2800 करोड़ और किसानों की सम्मान निधि पर हर साल 5000 करोड़ रु. से अधिक खर्च किए जा रहे हैं। यानी राज्य के कुल 4.21 लाख करोड़ रुपए के बजट का 70.87 प्रतिशत यानी करीब 2.98 लाख करोड़ रुपए, मुफ्त योजनाओं, कर्ज की अदायगी-ब्याज, वेतन-भत्तों और पेंशन में जा रहा है। बढ़ते राजस्व खर्चों के चलते पहली बार राज्य का बजट सरप्लस से घाटे की ओर बढ़ा है। वित्त विभाग की अप्रैल-सितंबर की छह माही रिपोर्ट में इसका खुलासा हुआ है। रिपोर्ट के अनुसार जीएसटी कलेक्शन में कमी को बजट घाटे का बड़ा कारण बताया गया है। साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया है कि पूंजीगत खर्च के लिए निर्धारित 18 हजार करोड़ रुपए को राजस्व खर्च में उपयोग किया गया। यानी यह राशि वेतन-भत्तों, पेंशन और अन्य योजनाओं में चली गई। इसका सीधा असर राज्य के बड़े विकास कार्यों पर दिखने लगा है। सिर्फ राजधानी भोपाल की ही बात करें तो शहर के पश्चिमी व पूर्वी बायपास की दोनों योजनाओं पर सिविल वर्क पर 1800 करोड़ खर्च होना है। बजट की कमी की वजह से इसे हेम मॉडल पर लिया है। 45 हजार करोड़ के सड़क के काम भी आगे खिसके हैं। इसी तरह मिसरोद से एम्प्री तक एलीवेटेड फ्लाइओवर के निर्माण पर सिविल वर्क में 1500 करोड़ रू. लगने हैं। लेकिन धनाभाव में अब यह प्रोजेक्ट भी आगे खिसकेगा। यही हाल भोपाल-इंदौर मेट्रो रेल का है। बताया जाता है कि बजट की कमी के कारण ही छोटे सेक्शन शुरू हुए हैं। जबकि बड़े सेक्शन का काम एक साथ पूरा होना था।

इसका मुख्य कारण यह है कि सरकार की आय के मुकाबले खर्च तेजी से बढ़ गया है। मुफ्त योजनाएं, सब्सिडी, वेतन-पेंशन और कर्ज भुगतान में ही बजट का बड़ा हिस्सा निकल रहा है। ऊपर से जीएसटी और माइनिंग से अपेक्षित आमदनी नहीं हो पाई, जिससे संतुलन बिगड़ गया। बताया गया है कि माइनिंग और जीएसटी में 8 से 10 हजार करोड़ रेवेन्यू की कमी आई है। रिपोर्ट में बताया गया है कि पूंजीगत खर्च के लिए रखे गए 18 हजार करोड़ रु. भी राजस्व खर्च में चले गए, यानी वेतन, पेंशन व योजनाओं में इस्तेमाल हो गए। इससे नए प्रोजेक्ट्स के लिए पैसा कम है। इस बारे में सरकार के सूत्रों का कहना है कि केन्द्र के स्तर पर जीएसटी दरें घटाने से मप्र का राजस्व घटा है। लेकिन सरकार को उम्मीद है कि जैसे जैसे खरीदारी बढ़ेगी, जीएसटी भी बढ़ेगा। हालांकि इसमें कितना समय लगेगा, यह कोई नहीं जानता। मप्र सरकार पर इस वक्त 53 हजार 100 करोड़ रू. का कर्ज है। यानी स्थिति चिंताजनक है।

वैश्विक टकराव की आँच में भारत की मजबूती

नजरिया

अंशुमान
लेखक संसद टीवी से सम्बद्ध पत्रकार हैं।

भारत के विदेश मंत्रालय ने आधिकारिक बयान में कहा कि वे वेनेजुएला की स्थिति पर करीब से नजर रख रहे हैं और वेनेजुएला के लोगों की भलाई और सुरक्षा का समर्थन करते हैं। भारत ने यह भी कहा कि सभी संबंधित पक्ष मुद्दों को शांति और कूटनीति के माध्यम से हल करें ताकि क्षेत्र में स्थिरता बनी रहे। इसी के साथ, भारत ने अपने नागरिकों को वेनेजुएला की गैर-जरूरी यात्रा से बचने के लिए सलाह जारी की है, और वहाँ मौजूद भारतीय समुदाय के लिए सुरक्षा सावधानियों पर ध्यान दिए जाने को कहा है। इस कूटनीतिक प्रतिक्रिया से यह स्पष्ट होता है कि भारत संघर्ष के राजनीतिक मानवीय पक्ष को गंभीरता से देखता है, लेकिन साथ ही यह भी सुनिश्चित करना चाहता है कि कोई अप्रत्याशित घटना वह चाहे आर्थिक हो या मानवीय, भारत के हितों पर ना असर डाले ना भविष्य में उसकी कोई संभावना हो।

अंतरराष्ट्रीय राजनीति में तब-तब उठने वाले तनाव अक्सर वैश्विक व्यापार और अर्थव्यवस्था के लिए चिंता का विषय बनते हैं। हाल के दिनों में अमेरिका और वेनेजुएला के बीच घटित हुई एक अभूतपूर्व घटना अमेरिका द्वारा वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को गिरफ्तार करना ने वैश्विक राजनीति को झकझोर दिया है। अमेरिका और वेनेजुएला के बीच तनाव पहले से जारी था, लेकिन 3 जनवरी 2026 को अमेरिकी सेना की कार्रवाई ने इस विवाद को एक नई ऊँचाई पर पहुँचा दिया है। 3 जनवरी 2026 की देर रात अमेरिकी सेना ने वेनेजुएला की राजधानी काराकास में एक सैन्य ऑपरेशन चलाया, जिसमें वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी को हिरासत में लेकर अमेरिका ले जाया गया। वैश्विक राजनीति में भूचाल लाने वाले इस ऑपरेशन का नाम दिया गया Operation Absolute Resolve. अमेरिकी अधिकारियों ने मादुरो पर ड्रग तस्करी, आतंकवाद और हथियारों से जुड़े संगठनों के साथ जुड़ाव जैसे आरोप लगाए हैं और उन्होंने कहा कि मादुरो को अमेरिका में मुकदमे का सामना करना होगा।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मीडिया को बताया कि अमेरिका सुरक्षित सत्ता हस्तांतरित होने तक वेनेजुएला का नियंत्रण संभाले रखेगा। हालांकि इसी बीच वेनेजुएला की सुप्रीम कोर्ट ने उपराष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्ज को अंतरिम राष्ट्रपति नियुक्त किया। इस कार्रवाई ने तत्काल वैश्विक राजनीति में विभाजन पैदा कर दिया है लेकिन इसमें भी वैश्विक मतभेद हैं, कई लैटिन अमेरिकी देश, रूस और चीन ने इसे वेनेजुएला की संप्रभुता पर हमला बताया है, जबकि कुछ पश्चिमी देशों ने इसे लोकतंत्र सुधार की दिशा में एक कदम मानते हुए इसका समर्थन किया।

वसुधैव कुटुंबकम की धारणा पर चलने वाले भारत ने इस अप्रत्याशित विकास पर गहरी चिंता व्यक्त की है और सभी पक्षों से संवाद और शांति के मार्ग अपनाने का आग्रह किया है। भारत के विदेश मंत्रालय ने आधिकारिक बयान में कहा कि वे वेनेजुएला की स्थिति पर करीब से नजर रख रहे हैं और वेनेजुएला के लोगों की भलाई और सुरक्षा का समर्थन करते हैं। भारत ने यह भी कहा कि सभी संबंधित पक्ष मुद्दों को शांति और कूटनीति के माध्यम से हल करें ताकि क्षेत्र में स्थिरता बनी रहे। इसी के साथ, भारत ने अपने नागरिकों को वेनेजुएला की गैर-जरूरी यात्रा से बचने के लिए सलाह जारी की है, और वहाँ मौजूद भारतीय समुदाय के लिए सुरक्षा सावधानियों पर ध्यान दिए जाने को कहा है। इस कूटनीतिक प्रतिक्रिया से यह स्पष्ट होता है कि भारत संघर्ष के राजनीतिक मानवीय पक्ष को गंभीरता से देखता है, लेकिन साथ ही यह भी सुनिश्चित करना चाहता है कि कोई अप्रत्याशित घटना वह चाहे आर्थिक हो या मानवीय, भारत के हितों पर ना असर डाले ना भविष्य में उसकी कोई संभावना हो।

किसी भी देश पर युद्ध, संघर्ष या सैन्य कार्रवाई का उसके व्यापार पर क्या असर पड़ेगा, यह इस बात पर निर्भर करता है कि उस देश के साथ उसके व्यापारिक रिश्ते कितने गहरे और व्यापक हैं। अगर दो देशों के बीच बड़ा और विविध व्यापार होता है, तो संघर्ष का असर भी ज़्यादा होता है। लेकिन भारत और वेनेजुएला के मामले में स्थिति कुछ अलग है। भारत और वेनेजुएला के बीच व्यापारिक संबंध कभी बहुत मज़बूत या बहुआयामी नहीं रहे हैं। भारत ने वेनेजुएला से मुख्य रूप से कच्चा तेल ही आयात किया है। हालांकि यह सच है कि एक समय वेनेजुएला भारत के लिए तेल का स्रोत रहा है, लेकिन यह आयात भारत की कुल ऊर्जा ज़रूरतों का बहुत छोटा हिस्सा ही रहा। भारत अपनी ज़्यादातर तेल आवश्यकताएँ मध्य पूर्व के देशों, अफ्रीका और हाल के वर्षों में रूस जैसे बड़े आपूर्तिकर्ताओं से पूरी करता रहा है। इस वजह से भारत की ऊर्जा सुरक्षा वेनेजुएला पर निर्भर नहीं रही है।

तेल के अलावा अगर दूसरे व्यापारिक पहलुओं को देखें, तो वेनेजुएला न तो भारत के लिए कोई बड़ा निर्यात बाज़ार रहा है और न ही भारत वेनेजुएला से किसी महत्वपूर्ण मात्रा में अन्य वस्तुओं का आयात करता है। दोनों देशों के बीच व्यापार सीमित दायरे तक ही सिमटा रहा है। इसलिए किसी बड़े व्यापारिक उतार चढ़ाव की आशंका भी ना के बराबर है। कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि अमेरिका द्वारा वेनेजुएला पर किसी संभावित सैन्य कार्रवाई का भारत के व्यापार पर प्रत्यक्ष प्रभाव सीमित ही रहेगा। हाँ, अगर ऐसे संघर्ष का असर वैश्विक तेल बाज़ार पर पड़ता है और अंतरराष्ट्रीय तेल कीमतों में तेज़ उछाल आता है, तो उसका अप्रत्यक्ष प्रभाव भारत पर ज़रूर पड़ सकता है। लेकिन वह असर वेनेजुएला-भारत द्विपक्षीय व्यापार की वजह से नहीं, बल्कि वैश्विक परिस्थितियों के कारण होगा। लेकिन यहां यह भी देखना दिलचस्प होगा कि यदि किसी तेल उत्पादक प्रधान देश से अचानक तेल की आपूर्ति घटती है, तो बड़े उत्पादक देश जैसे सऊदी अरब, रूस या अमेरिका अतिरिक्त तेल बाजार में उतार सकते हैं। इस वैश्विक आपूर्ति तंत्र के कारण मूल्य में अचानक बड़े उछाल या गिरावट की संभावना कम रहती है, और बड़े उपभोक्ता देश जैसे भारत अपेक्षाकृत स्थिर कीमतें और आपूर्ति सुनिश्चित कर सकते हैं। इसलिए, वेनेजुएला में राजनीतिक उथल-पुथल के बावजूद भारत को वैश्विक तेल बाजार में बड़ी मात्रा में कटौती या अभूतपूर्व कीमत उछाल की आशंका नहीं दिखती।

वेनेजुएला और अमेरिका विवाद में भारत ने वैश्विक राजनीति में कूटनीतिक रूप से जो प्रतिक्रिया दी है उसका संदेश साफ है कि वह शांति और संवाद का पक्षधर है और सभी पक्षों को शांतिपूर्ण समाधान के लिए प्रेरित कर रहा है। यहां पर यह भी ध्यान देने योग्य है कि भारत के कुछ राजनीतिक दल विशेषकर वामपंथी पार्टियों ने अमेरिकी कार्रवाई की कड़ी निंदा की है और इसे अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन बताया है। इससे वैश्विक राजनीति में साफ संदेश जाता है कि भारत एक संतुलित कूटनीतिक रुख पर चलेगा और किसी भी देश के साथ जिससे उसके हित जुड़े हैं वह पक्षपात नहीं करेगा।

अमेरिका द्वारा मादुरो की गिरफ्तारी की खबर ने वैश्विक राजनीति में हलचल पैदा कर दी। कई देशों को अपनी-अपनी कूटनीतिक और राजनीतिक प्रतिक्रियाएँ देनी पड़ीं, जिससे अंतरराष्ट्रीय मंच पर तनाव और चर्चाएँ तेज़ हो गईं। विगत कई वर्षों का आकलन करे तो हमें समझने में आसानी होगी कि आने वाले समय में वैश्विक राजनीति में ऐसे उतार-चढ़ाव स्वाभाविक रूप से जारी रहेंगे। इसमें कोई दो राय नहीं कि वैश्निक राजनीति को भारत के संदर्भ में देखें तो स्थिति अपेक्षाकृत संतुलित नज़र आती है। भारतीय अर्थव्यवस्था और व्यापार नीति किसी एक देश या क्षेत्र पर अत्यधिक निर्भर नहीं हैं। भारत ने वर्षों में अपने व्यापारिक साझेदारों में विविधता लाई है और अपनी विदेश नीति को व्यावहारिक व बहुपक्षीय दृष्टिकोण पर आधारित रखा है। इसी कारण अमेरिका-वेनेजुएला के बीच उत्पन्न इस टकराव से भारत पर किसी बड़े या दीर्घकालिक नकारात्मक प्रभाव की संभावना कम दिखाई देती है। कुल मिलाकर, वैश्विक अस्थिरता के बावजूद भारत की आर्थिक और कूटनीतिक संरचना उसे ऐसे झटकों से काफी हद तक सुरक्षित रखने में सक्षम है।

दस्तूर है दुनिया का, यहां अकारण कुछ नहीं होता

दृष्टिकोण

राजेंद्र बज
लेखक स्तंभकार हैं।

इस संसार में अकारण कुछ नहीं होता। यहां तक कि धार्मिक क्रियाकलाप भी किसी न किसी प्रत्याशा के चलते ही मूर्त रूप लिया करते है। यदि धर्म ग्रंथों में स्वर्ग अथवा नर्क की अवधारणा का उल्लेख नहीं होता, सांसारिक भवसागर से पार जाकर जनम-मरण के झंझट से मुक्त होने का आधार नहीं होता और पाप और पुण्य की अवधारणा पर जोर नहीं दिया गया होता, तो समाज का आज जितना कुछ उज्ज्वल स्वरूप दिखाई देता है, शायद कि ऐसा नहीं हो पाता। वैसे इसमें कोई दो मत नहीं है कि हमारे देश में पाप और पुण्य कर्म की गहरी समझ के चलते काफी हद तक कानून और व्यवस्था का परिपालन स्वयंमेव ही होता नजर आता है।

कानून के लंबे हाथ की तुलना में हजार हाथ वाले का भय अधिक होता है। जिसके चलते आम नागरिकों द्वारा सदाचार के मूलभूत गुणों को आत्मसात किया जाता है। जाहिर तौर पर परमार्थ को निःस्वार्थ करार दिया जाता है। लेकिन आमतौर पर परमार्थ के नाम पर जो कुछ किया जाता है, उसके पीछे यश और कीर्ति की चाहत का भाव भी हुआ करता है। एक प्रकार से विशुद्ध रूप से परमार्थ की परिकल्पना कम से कम वर्तमान दौर में तो नहीं की जा सकती। वैसे परमार्थ की भावना के चलते दातारी भाव का भरपूर सम्मान किया जाना चाहिए। यहां तक तो ठीक है, लेकिन मान सम्मान की चाहत का भाव दातारी को उसके दातार भाव का प्रतिफल दे देता है।

इससे प्रेरित होकर परमार्थ की दिशा में अन्य लोग भी आगे आते हैं। वैसे सामाजिक कल्याण की दिशा में परमार्थ की दृष्टि से उठाया गया हर कदम काफी हद तक सामाजिक संतुलन स्थापित करने में मददगार होता है। गरज यह कि यही संसार है और इसमें अकारण कहीं कुछ नहीं होता। हर क्रिया के पीछे कुछ विशेष कारण हुआ करते हैं, जिसके चलते आदमी जो कुछ करता है, वह करता है। इस संदर्भ में एक बात निकल कर आती है कि एक सामान्य व्यक्ति जो कुछ करता है, कहीं न कहीं उसके अंतर्मन के किसी कोने में यह भावना विद्यमान रहा करती है कि उसे इसका प्रतिफल मिलेगा। यदि पुण्य कर्म के पीछे स्वर्गलोक की चाहत न हो, मुक्ति का भाव नहीं हो और पाप कर्म के क्षय का विश्वास न हो, तो भला सद्कार्यों के प्रति प्रेरणा कैसे मिल सकेगी ? दरअसल यह एक मनोवैज्ञानिक तथ्य है कि आदमी जो कुछ करता है, किसी न किसी रूप में किसी प्रतिफल की आशा से ही किया करता है। वास्तव में किसी सकारात्मक उम्मीद के अभाव में आम आदमी कभी अच्छे कार्यों के प्रति प्रेरित हो ही नहीं सकता। आदमी के चेतन एवं अवचेतन मन में कहीं न कहीं स्वर्ग या नर्क लोक की परिकल्पना हिलोरे मार रही होती है। हमारे अपने व्यावहारिक जीवन में भी इस हाथ दे और उस हाथ ले का गणित हर जगह काम करता नजर आता है।

सामाजिक जनजीवन में भी तथाकथित निःस्वार्थ भाव से परोपकार के चलते भी कहीं न कहीं किसी न किसी अंश में श्रेय लेने की प्रतिस्पर्धा दिखाई देती है। कभी-कभी तो धन शक्ति की प्रबलता के चलते उमड़ रही श्रद्धा का मूल्यांकन भी अर्थ त्याग करने के आधार पर ही किया जाता है। इसमें भी परलोक सुधारने के भाव दिखाई देते हैं। वैसे? जाहिर तौर पर विशुद्ध रूप से बिना किसी प्रचार-प्रसार के परोपकार की दृष्टि से काम किया जाता है, जिसका प्रत्यक्ष रूप से तो कोई सीधा प्रतिफल नहीं मिलता। लेकिन दाता या कर्ता के अंतर्मन में असीम आनंद की दिव्य अनुभूति अवश्य हुआ करती है।

काफी संख्या में ऐसे ही किसी आनंद की अनुभूति के निमित्त दाता या कर्ता भाव रखा करते हैं। सरल शब्दों मे इसे गिफ्ट के बदले रिटर्न गिफ्ट के रूप में लिया जा सकता है। पारिवारिक जीवन में तमाम संबोधन के रिश्ते नातों का परिपालन अपनत्व की भावना से जरूर किया जाता है, लेकिन इसमें भी काफी हद तक एक दूसरे को एक दूसरे का संबल माना जाता है। वैसे वंशानुगत रिश्ते भावनाओं से भरे होते हैं, जिसमें लोक लाज और लोक व्यवहार के पालन की भी भावना होती है। जिसके चलते पारिवारिक परंपरा के परिपालन के साथ-साथ पारिवारिक सुरक्षा का भाव भी विद्यमान होता है। गरज यह कि अंतर्मन की भावनाओं के वेग के वशीभूत पारिवारिक रिश्तों का परिपालन किया जाता है।

आजकल तो कहीं-कहीं कुछ अंशों में 'लोग क्या कहेंगे', इस आशंका के चलते भी मन ही मन बोझ समझे जाने वाले रिश्ते का परिपालन मन मारकर किया जाता है। यह दिखावा समाज की नजरों में गिरने नहीं देता। दरअसल आजकल समय ही ऐसा आ गया है कि अधिकांश रिश्ते स्वार्थ प्रेरित होने लगे हैं। व्यवहार में देखा गया है कि तमाम तरह के रिश्तों में 'इस हाथ दे और उस हाथ ले' का गणित काम करते दिखाई देता है। अब रहा सवाल व्यक्तिगत रिश्ते नातों का, तो इन दिनों व्यावसायिक रिश्ते काफी हद तक पारिवारिक रिश्तों पर भारी पड़ते दिखाई देते हैं। वास्तव में हर एक रिश्ते को भी निहित स्वार्थ की दृष्टि से देखा जाने लगा है।

एक प्रकार से कोई न कोई प्रतिफल की अपेक्षा के साथ परस्पर संबंधों का निर्वहन किया जाने लगा है। जरूरी नहीं कि यह प्रतिफल आर्थिक ही हो। प्रतिफल का स्वरूप सामने वाले द्वारा पूर्व में किए गए उपकार के बदले भी हो सकता है और हम जिस पर उपकार कर रहे हैं, उसका भावी प्रतिफल मिलने की आशा से भी हो सकता है। जहां तक निहायत ही व्यक्तिगत संबंधों की बात है, इन संबंधों का आधार एक दूसरे की जरूरत पर निर्भररहा करता है। जाहिर है कि यह आधार शारीरिक और मानसिक दोनों ही प्रकार का होता है। आमतौर पर पति-पत्नी को हमारी धर्म संस्कृति में सात जन्मों के साथ के रूप में निरूपित किया जाता है।

हालांकि इसमें भावनाओं का सहारा लेकर कुल की मर्यादा के अनुरूप आचरण और व्यवहार का दोनों ही पक्ष शिद्दत से पालन करते दिखाई देते हैं। लेकिन ऐसा रिश्ता भी कहीं न कहीं दोनों हाथों से ताली बजने वाली मानसिकता लिए हुए होता है। एक के संकट में दूसरे का साथ, यह आश्वासन ऐसे रिश्ते में अघोषित रूप से रहा ही करता है। जीवनसाथी से एक दूसरे का जीवन भर का साथ निभाने का समझौता होता है। यह आश्वस्ति प्रतिफल ही तो है। मुलम्मा चाहे जो चढ़ाया जाएं, लेकिन सच यही है कि लगभग हर रिश्ता किसी न किसी रूप में प्रतिफल की आस लिए होता है। यही कारण है कि भारतीय परिवेश में तमाम तरह के रिश्तों में एक प्रकार का अपेक्षा भाव भी रहा करता है।

दो शहर, तासीर जुदा-जुदा

सामयिक

आरबी त्रिपाठी
लेखक स्तंभकार हैं।

मध्यप्रदेश के दो बड़े शहर हैं इंदौर और भोपाल। एक व्यावसायिक शहर तो दूसरा प्रशासनिक तथा सियासत की धुरी। लेकिन दोनों शहरों की तासीर एकदम जुदा- जुदा। दोनों में कोई साम्यता नहीं क्योंकि तहजीब, खान-पान, बोली बर्ताव, परम्पराएं, माहौल सब कुछ अलग-अलग। एक धन कुबेरों की तो दूसरी बाबुओं की नगरी कही जाती है। भोपाल में चार इमली तो इंदौर में भी तीन इमली इलाके की खासियत से सभी वाकिफ हैं।

सो, इंदौर आठ मर्तबा से देश का स्वच्छतम शहर। देश विदेश से लोग इस स्वच्छता को देखने आये और कुछ सीखकर ही गये। यह गर्व करने की बात है। अभी भी जगह जगह स्वस्थ इंदौर, स्वच्छता में नंबर वन जैसे बोर्ड, वॉल पेंटिंग से अंकित स्लोगन आसानी से दिखाई देते हैं। लगता है स्वच्छ शहर को जैसे बुरी नजर लगी हो तभी भागीरथपुरा की दुर्भाग्यपूर्ण घटना ने जैसे सारे किये धरे पर पानी फेर दिया हो। जब देश दुनिया अंग्रेजी नव वर्ष की खुशियां बांटने में मशगूल थी तभी शहर के एक घनी बस्ती वाले भागीरथपुरा इलाके में दूषित जल के उपयोग से बड़ी संख्या में लोगों के बीमार पड़ने, अस्पतालों में भर्ती होने, कुछेक के वेन्टीलेटर पर तथा मौतों की खबरों ने हर किसी को झकझोर कर रख दिया। मीडिया से लेकर लोगों का ध्यान इस ओर केन्द्रित हो गया।

तकरीबन एक पखवाड़ा बीतने को है लेकिन फिर भी ना तो बीमार और उपचाररत लोगों और ना दूषित जल या अन्य कारणों से मौतों का सिलसिला थमने का नाम ले रहा है। बीमार तथा मौतों को लेकर अभी भी संशय की स्थिति है। जन प्रतिनिधि, प्रशासन, नगर निगम के दावों और मीडिया में चल रही खबरों के आंकड़ों में बहुत अंतर है। हैरानी की बात है कि अभी तक वास्तविक जानकारी सामने नहीं आ पाई। सच को छुपाना प्रशासनिक अमले का धर्म है, कभी हम भी इस पाप में भागीदार रहे हों लेकिन ऐसे हालात नहीं देखे।

इस बीच उच्च न्यायालय की इंदौर बेंच ने भी सुनवाई में साफ तौर पर कहा है कि दूषित पानी से मौतें इंदौर की छवि पर धब्बा है। कोर्ट ने इसे लोक स्वास्थ्य आपातकाल भी करार दिया है। इस वज़ह से दुनिया में इंदौर खबरों में बना हुआ है। इसी क्रम में प्रदेश के मुख्य सचिव को वीसी से जुड़कर 15 जनवरी को जवाब देने को कहा गया है। स्वच्छ इंदौर की जो खबरें कभी नागरिकों, प्रशासनिक अमले का उत्साह बढ़ाती लगती थी वहीं अब दूषित जल से होने वाली मौतों- बीमारों की जानकारी से भरी पड़ी है।

प्रशासनिक टीम जब तक निद्रा से जागी तब तक हालात बिगड़ चुके थे। लोगों में आक्रोश था। अब इस इलाके में कई तरह की जांच तथा सर्वे किये जा रहे हैं। जब तक मुसीबतें सामने नहीं आ जायें तब तक हम कोई फिक्र पालते नहीं यही हमारा चरित्र बन गया लगता है। भविष्य की ना तो कोई प्लानिंग ना संभावित आपदाओं को लेकर कोई तैयारी। हाल के वर्षों में जैसे प्रशासन की प्राथमिकताएं कुछ और तरह की हो गई, ऐसा प्रतीत होता है। अपनी इंदौर पद स्थापना (सन् 90-94) अवधि का अनुभव है कि प्रशासनिक समन्वय बहुत बेहतर था। जिले के मुखिया शहर की गली गली, बस्ती बस्ती का दौरा कर जन समस्याओं से रूबरू होकर मौके पर ही टीम को जरूरी एक्शन लेकर निराकरण करवाते थे। तत्कालीन कमिश्नर विजय सिंह, कलेक्टर एस. आर. मोहंती हों या एम. एम. उपाध्याय, नायडू या कोई अन्य रहे हों कभी प्रशासनिक व्यवस्था पर उंगली नहीं उठी। विजय सिंह और एस. आर.मोहंती, एम गोपाल रेड्डी मुख्य सचिव पद तक पहुंचे।

आज भी इंदौर वही है। हां आबादी, नये प्रतिष्ठान, बिजनेस, इन्फ्रास्ट्रक्चर, भव्य इमारतें तथा शिक्षा, चिकित्सा, आईटी में आगे बढ़ गया है लेकिन मूल रूप से इंदौर आज भी उत्कृष्ट सिविक सेंस (ट्राफिक , प्रदूषण को छोड़कर) गंगा जमुनी तहजीब, विभिन्न संस्कृति, भाषा, जुबान और परंपराओं को एक माला में पिरोये हुए है। किसी समय इंदौर की सड़कें पानी से धुलती थी आज वही पानी जहर बन गया तो सवाल तो खड़े होंगे ही।

राजधानी भोपाल के अंदरूनी हालात इंदौर से अलग नहीं कहे जा सकते। भोपाल में भी खास तौर पर पुराने भोपाल के घनी आबादी क्षेत्र, छोटी-छोटी गलियों में बसे हैं।जहां भी पाइप लाइनें एक दूसरे के समीप से गुजरती है। हाल में सीवरेज लाइनों के डाले जाने से हुई खुदाई से लोगों को परेशानी हुई है। यह काम अभी भी जारी है। सीवरेज लाइन के पास ही पेयजल पाइप लाइन और गैर पाइप लाइनें डली है जो आने वाले खतरों के संकेत देती लगती है। अब प्राथमिकता यह होना चाहिये कि इंदौर से सबक लेकर भोपाल हो या कोई और शहर या कस्बे अब कोई और भागीरथपुरा ना बने।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा अग्निबाण पब्लिकेशन, 121, देवी अहिल्या मार्ग, इंदौर, म.प्र. से मुद्रित एवं 662, साई कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
स्थानीय संपादक
हेमंत पाल
प्रबंध संपादक
रमेश रंजन त्रिपाठी
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

डब्लूबीएफ और स्टॉक क्लीयरेंस सेल

व्यंग्य

अशोक गौतम
लेखक व्यंग्यकार हैं

बंधुओं! पता नहीं मुझ नवांकुरित अयथार्थवादी क्रांतिकारी प्रकाशक को किस पागल कुत्ते ने उस वक्त काटा था कि मैंने अयथार्थवादी प्रकाशन शुरू कर लेखकों की किताबों के सिर पर चांदी कूटने के इरादे से एक साथ पचास धांसू लेखक छाप दिए इस गलतफहमी के साथ कि अगर यहां वहां न बिके तो कहीं भी सरकारी खरीद में सबको खपा दूंगा। सरकारी खरीद ही मात्र एक ऐसी खरीद होती है जहां कुछ भी मजे से खप जाता है। मुझे ये तो पता था, पर इतना पता नहीं था कि सरकारी खरीद में लेखक खपाने से पहले लेखकों को खरीद में लाने वालों को खरीदना पड़ता है। और वे अपने दाम ऐसे ऐसे बोलते हैं कि ज्यों कालजयी लेखकों के प्रपितामह हों।

उस वक्त अपने प्रकाशन के दांतों तले धांसू लेखकों को छापते मेरा जोश देखने लायक था। मैंने लेखकों से बीस परसेंट रॉयल्टी देने के झूठ के साथ पांडुलिपियां लीं, सारे खर्चे की आधी उनकी पूंजी लगवाने पर उनसे ही उनकी किताबों के प्रूफ पढ़वाए और लेखकीय प्रतियों के नाम पर उन्हें केवल पांच प्रतियां दे शेष आधे रेट में देने का एग्रीमेंट किया। हर टाइप का लेखक अपनी किताब छपवाने के लिए प्रकाशक के हाथों कैसे भी छला जा सकता है। ज्यों ही मैंने अपने पचास धांसू लेखकों की किताबों के प्रकाशन की सूचना छाती फुलाए फेसबुक पर डाली कि दूसरे प्रकाशकों के लेखक तक चिल्लाते चिल्लाते वाह! वाह! करते मुझसे अपनी किताब छपवाने की पारदर्शी शर्तें पूछने लगे तो मुझे लगा, कि ले बच्चे! हो गया पहली ही बार में ही तू हिट प्रकाशक। अब तुझे हिंदी का सबसे बड़ा प्रकाशक कहलाने से कोई नहीं रोक सकता।

पर दुखद, वे सब मुझे बधाई तक ही सीमित रहे। असली शुभचिंतक वही होते हैं जो शुभचिंतकों की प्रसन्नता की सूचना पा बधाई देने से आगे एक इंच भी नहीं सरकते।

बड़े दिनों तक ऑफिस के हर कोने में दुबके सौ सौ कॉपी लेखक टुकुर टुकुर मुझे देखते रहे और मैं उन्हें। हाय रे नवांकुरित क्रांतिकारी अयथार्थवादी प्रकाशक! तेरे प्रकाशन की यही कहानी! ऑफिस से लेकर घर तक के हर कोने में लेखकों के ढेर और मैं बीवी के आगे हर पल पानी। बड़े दिनों तक जब किसी लेखक की एक कॉपी तक न उठने पर जब चारों ओर से हताश निराश हो गया तो मैंने अपने एक नजदीकी मौसरे भाई के पास अपना नया नया प्रकाशकीय रोना रोया तो वे बोले,'पचास लेखकों को एकसाथ छाप कर भी परेशान क्यों हो? पचास लेखकों को एक साथ छापने वाला प्रकाशक स्वर्गिक नहीं, स्वर्गीय कहलाता है।'

'अब मुझे स्वर्गीय होने से बचा लो मौसरे भाई! इतने लेखकों को छाप पंगा ले लिया। अब कहीं दूर सुदूर तक कोई राह नहीं दिख रही। कोई राह हो तो सुझाओ।'

'तो एक काम करो!'

'क्या?'

'मौका है, अपने लेखकों की वर्ल्ड बुक फेयर में स्टॉक क्लीयरेंस सेल लगा दो,' उन्होंने कहा तो मेरा मुंह खुला का खुला रह गया। जूतों की स्टॉक क्लीयरेंस सेल तो सुनी है, झूठों की स्टॉक क्लीयरेंस सेल भी सुनी है, कपड़ों की स्टॉक क्लीयरेंस सेल भी सुनी है, पर अब लेखकों की भी स्टॉक क्लीयरेंस सेल?

'अपना लंबा अनुभव है कि हर प्रकार की आइटम की सेल , स्टॉक क्लीयरेंस का नाम सुन आलू प्याज न खरीद पाने वाले भी मक्खी की तरह उड़ते सब आंखें मूंद खरीद ले जाते हैं। आज बाजार में जो भी उठता है, केवल सेल और स्टॉक क्लीयरेंस सेल में ही उठता है।

देखो दोस्त! जब जूतों की स्टॉक क्लीयरेंस सेल हो सकती है, कपड़ों की स्टॉक क्लीयरेंस सेल हो सकती है, सच की स्टॉक क्लीयरेंस सेल हो सकती है, ईमानदारी की स्टॉक क्लीयरेंस सेल हो सकती है, प्रेम की स्टॉक क्लीयरेंस सेल हो सकती है, फेम की स्टॉक क्लीयरेंस सेल हो सकती है तो लेखकों की स्टॉक क्लीयरेंस सेल क्यों नहीं हो सकती? उपभोक्तावादी संस्कृति में विचार भी विचार नहीं रहता, कमोडिटी हो जाता है।' उन्होंने बल्ले बल्ले का प्रकाशकीय आइडिया दिया तो मैं उनके आइडिए के चरणों से पहले उनके चरणों में नतमस्तक हुआ। गोविंद जो हो सो हो, पर गुरु वे थे। नवांकुरित प्रकाशक क्या चाहे? लेखकों से भरा ऑफिस घर का खाली कोना।

तो वर्ल्ड बुक फेयर के उपभोक्ताओं को यह जानकर हार्दिक प्रसन्नता होगी कि वर्ल्ड बुक फेयर के अवसर पर मैं जनता का प्रकाशक जनता के लिए अपने लेखकों की स्टॉक क्लीयरेंस सेल लगाने जा रहा हूं वर्ल्ड बुक फेयर के मेन गेट पर। अस्सी प्रतिशत छूट के साथ यह लेखक स्टॉक क्लीयरेंस सेल तब तक जारी रहेगी जब तक उठने से एक भी लेखक बचा रहेगा। यही नहीं, लेखकों की स्टॉक क्लीयरेंस सेल में जो कम से कम एक हजार रूपए के लेखक अस्सी प्रतिशत छूट सहित खरीदेगा, उन भाग्यशाली क्रेताओं का वर्ल्ड बुक फेयर के समापन के अवसर पर मेगा बंपर लक्की ड्रा निकाला जाएगा।

अलविदा 2025

जयदेव राठी

लेखक एडवोकेट हैं।

वो चले गए जो कभी अपने हुआ करते थे

वक्त की रेत पर बने पैरों के निशान धीरे-धीरे मिटते जा रहे हैं। वो आवाजें जो कभी हमारे घरों में गूंजती थीं, अब सन्नाटे में तब्दील हो गई हैं। वो चेहरे जिन्हें देखकर हमारे दिलों में उमंग भर जाती थी, अब केवल यादों के पर्दे पर बाकी हैं। 2025 भारतीय सिनेमा और मनोरंजन जगत के लिए एक ऐसा साल बनकर रह गया, जिसने हमसे हमारे कई प्रिय कलाकारों को छीन लिया। यह महज मौत का सिलसिला नहीं था, बल्कि एक पूरे युग का विसर्जन था। नवंबर की वह सुबह शायद कभी नहीं भूलेगी जब खबर आई कि धर्मेंद्र नहीं रहे। 89 वर्ष की उम्र में, सांस की तकलीफ से जूझते हुए, बॉलीवुड के 'हीमैन' ने अपनी आखिरी सांस ली। उनके जाने के साथ ही मानो हिंदी सिनेमा का एक स्वर्णिम अध्याय समाप्त हो गया। धर्मेंद्र सिर्फ एक अभिनेता नहीं थे, वे एक भावना थे, एक अहसास थे। जब वे पर्दे पर आते थे तो दर्शकों की आंखों में एक अलग ही चमक आ जाती थी। उनकी मुस्कान में एक ऐसी सादगी थी जो दिल को छू लेती थी, और उनके संवाद बोलने का अंदाज ऐसा था कि हर शब्द दिल में उतर जाता था।

'शोले' में वीरू के रूप में उनकी भूमिका आज भी भारतीय सिनेमा की सबसे यादगार भूमिकाओं में से एक मानी जाती है। बसंती के सामने टंकी पर चढ़कर आत्महत्या की धमकी देने वाला वह दृश्य, जय के साथ उनकी दोस्ती, और गब्बर के सामने उनका साहस - ये सब केवल फिल्मी पलों से कहीं बढ़कर थे। ये हमारे जीवन का हिस्सा बन गए थे। 'चुपके चुपके' में उनकी कॉमेडी टाइमिंग, 'सीता और गीता' में दोहरी भूमिका, और 'प्रतिज्ञा' में उनका गंभीर अभिनय - हर रंग में वे माहिर थे। धर्मेंद्र ने छह दशकों तक भारतीय सिनेमा को अपनी प्रतिभा से सजाया। उनके जाने से बॉलीवुड में एक ऐसा खालीपन आ गया है जिसे शब्दों में बयान करना मुश्किल है। अप्रैल का महीना भी कम दुखद नहीं रहा। दिल की बीमारी से जूझते हुए 87 वर्ष की उम्र में मनोज कुमार ने इस दुनिया को अलविदा कह दिया। 'भारत कुमार' के नाम से मशहूर मनोज कुमार केवल एक अभिनेता नहीं थे, वे भारतीय सिनेमा में राष्ट्रवाद और देशभक्ति के पर्याय बन गए थे। जब भी देश पर कोई संकट आता, जब भी समाज में कोई बुराई पनपती, मनोज कुमार अपनी फिल्मों के जरिए एक मशाल की तरह रास्ता दिखाते थे। 'उपकार' में 'मेरे देश की धरती सोना उगले' गाते हुए मनोज कुमार की छवि हर भारतीय के दिल में बसी है। यह गीत महज एक गाना नहीं था, बल्कि हर उस किसान की व्यथा और गौरव की कहानी था जो इस देश की धरती को सींचता है।

'पूरब और पश्चिम' में उन्होंने पश्चिमी सभ्यता के प्रभाव में आती युवा पीढ़ी और भारतीय संस्कृति के बीच के संघर्ष को बड़ी खूबसूरती से पेश किया। भारत और प्रीति की प्रेम कहानी केवल दो व्यक्तियों की कहानी नहीं थी, बल्कि दो विचारधाराओं का संवाद थी। 'रोटी कपड़ा और मकान' में उन्होंने आम आदमी की जिंदगी की तल्ख सच्चाइयों को पर्दे पर उतारा। मनोज कुमार की फिल्में केवल मनोरंजन का साधन नहीं थीं, वे समाज का दर्पण थीं, एक मार्गदर्शक थीं। उनके जाने से हिंदी सिनेमा ने एक ऐसा सपूत खो दिया जिसने अपनी कला से देशभक्ति को नई ऊंचाइयां दीं। अक्टूबर का महीना भारतीय मनोरंजन जगत के लिए विशेष रूप से कठिन साबित हुआ। 20 अक्टूबर को 84 वर्ष की उम्र में असरानी का निधन हो गया। हास्य अभिनय में माहिर असरानी ने अपनी अनोखी शैली से दर्शकों के चेहरों पर हमेशा मुस्कान बिखेरी। उनकी कॉमिक टाइमिंग इतनी परफेक्ट थी कि बिना किसी फूहड़ता के वे लोगों को हंसा देते थे। 'शोले', 'चुपके चुपके', 'चालबाज' और अनगिनत फिल्मों में उनके छोटे-छोटे रोल भी यादगार बन

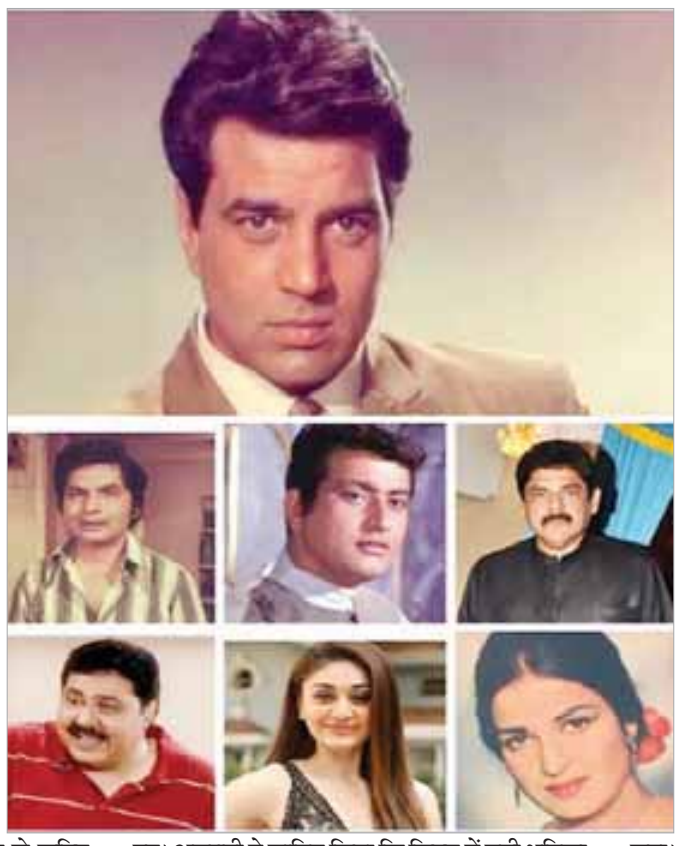

गए। असरानी ने साबित किया कि फिल्म में बड़ी भूमिका से ज्यादा जरूरी है अपनी उपस्थिति को प्रभावशाली बनाना। उनकी आंखों के हाव-भाव और संवाद अदायगी में एक अलग ही जादू था। उनके जाने से हिंदी सिनेमा ने अपना एक बेहतरीन चरित्र कलाकार खो दिया।

उसी महीने 15 अक्टूबर को पंकज धीर का निधन हो गया। 68 वर्ष की उम्र में उन्होंने इस दुनिया को अलविदा कहा, लेकिन अपने पीछे छोड़ गए एक ऐसा किरदार जो भारतीय टेलीविजन के इतिहास में सदा अमर रहेगा। बी.आर. चोपड़ा की महाकाव्य 'महाभारत' में कर्ण की भूमिका निभाकर पंकज धीर ने खुद को अमर बना दिया। कर्ण की वेदना, उसका संघर्ष, उसकी दानवीरता और उसकी त्रासदी - पंकज धीर ने इन सभी भावनाओं को इतनी गहराई से जिया कि दर्शक कर्ण को पंकज धीर से और पंकज धीर को कर्ण से अलग नहीं कर सके। जब भी 'महाभारत' का जिक्र होता है, कर्ण के रूप में पंकज धीर की छवि सबके सामने आ जाती है। उनका यह प्रदर्शन भारतीय टेलीविजन की अनमोल धरोहर है। 25 अक्टूबर को 74 वर्ष की उम्र में सतीश शाह का निधन हो गया। थिएटर से लेकर टेलीविजन और सिनेमा तक, सतीश शाह ने हर मंच पर अपनी बहुमुखी प्रतिभा का लोहा मनवाया। 'सरभाई वर्सेज सरभाई' में इंद्रवर्धन सरभाई के रूप में उनका किरदार इतना लोकप्रिय हुआ कि वे घर-घर में पहचाने जाने लगे। उनकी कॉमिक टाइमिंग निर्दोष थी। वे बिना किसी अतिरिक्त प्रयास के, अपनी सहजता से ही लोगों को हंसा देते थे। 'जाने भी दो यारों', 'काबुलीवाला', और अनेक फिल्मों में उन्होंने अपनी छाप छोड़ी। सतीश शाह केवल एक अभिनेता नहीं थे, वे एक संस्था थे जिन्होंने भारतीय मनोरंजन जगत को चार दशकों तक अपनी कला से समृद्ध किया।

संगीत जगत को भी 2025 में बड़ा झटका लगा। 19 सितंबर को सिंगापुर में 52 वर्ष की कम उम्र में गायक जुबीन गर्ग का अचानक निधन हो गया। उनकी आवाज में एक जादू था जो सुनने वाले को अपनी गिरफ्त में ले लेता था। 'या अली' गाने से उन्होंने लाखों दिलों में जगह बनाई थी। हिंदी, बंगाली और असमिया- तीन भाषाओं में उनका समान प्रभाव उनकी बहुमुखी प्रतिभा का प्रमाण था। जुबीन केवल एक गायक ही नहीं, बल्कि एक अभिनेता और फिल्म निर्माता भी थे। उनके असामयिक निधन ने संगीत प्रेमियों को गहरे सदमे में डाल दिया। उनकी आवाज अब खामोश हो गई है, लेकिन उनके गीत हमेशा हमारे दिलों में गूंजते रहेंगे।

जून महीने की 27 तारीख को 42 वर्ष की उम्र में शेफाली जरीवाला की मौत ने सबको हिलाकर रख दिया। 'कांटा लगा' गर्ल के नाम से मशहूर शेफाली ने एक ही गाने से इतनी लोकप्रियता हासिल की थी कि लोग उन्हें भूल नहीं सके। बाद में 'बिग बॉस 13' और 'शैतानी रस्में' जैसे टेलीविजन शो में उन्होंने अपनी अलग पहचान बनाई। इतनी कम उम्र में उनका जाना यह याद दिलाता है कि जिंदगी कितनी अनिश्चित और नाजुक है।

मई महीने में 23 तारीख को 54 वर्ष की उम्र में अभिनेता मुकुल देव का निधन हो गया। राहुल देव के भाई मुकुल ने 'सन ऑफ सरदार' जैसी फिल्मों में काम किया। उनका जाना भी भारतीय सिनेमा के लिए एक नुकसान था। जब हम इन सभी कलाकारों को याद करते हैं तो महसूस होता है कि हमने केवल कुछ अभिनेताओं या गायकों को नहीं खोया है। हमने अपने बचपन का एक हिस्सा खो दिया है, अपनी यादों के कुछ खूबसूरत पन्ने खो दिए हैं। धर्मेंद्र की मुस्कान, मनोज कुमार का देशभक्ति से भरा संवाद, असरानी की हंसी, पंकज धीर की कर्ण वाली आंखें, सतीश शाह की कॉमिक टाइमिंग, जुबीन की मखमली आवाज - ये सब केवल फिल्मी यादें नहीं हैं, ये हमारी जिंदगी का हिस्सा हैं। 2025 ने हमें सिखाया कि जीवन कितना नश्वर है, लेकिन कला अमर है। ये कलाकार भले ही हमारे बीच नहीं रहे, लेकिन उनकी फिल्में, उनके गीत, उनकी भूमिकाएं हमेशा जीवित रहेंगी। हर बार जब कोई 'शोले' देखेगा, धर्मेंद्र की याद ताजा हो जाएगी। हर बार जब कोई 'उपकार' का गीत सुनेगा, मनोज कुमार की छवि सामने आ जाएगी। हर बार जब कोई 'महाभारत' देखेगा, कर्ण के रूप में पंकज धीर नजर आएंगे। यही इन कलाकारों की असली अमरता है। वे हमारी स्मृतियों में, हमारी संस्कृति में, हमारे सिनेमा के इतिहास में हमेशा जीवित रहेंगे। उनकी कला पीढ़ी-दर-पीढ़ी आगे बढ़ती रहेगी और उनके नाम सदा के लिए स्वर्णाक्षरों में अंकित रहेंगे।

प्रवासी भारतीय दिवस

अशोक श्रीवास्तव

कनाडा निवासी लेखक भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् दिल्ली के सेवानिवृत अधिकारी हैं,स्तंभकार हैं।

भारतीय आप्रवास वैश्विक भारत की सशक्त पहचान

भारत केवल अपनी भौगोलिक सीमाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि विश्व के लगभग हर कोने में बसे प्रवासी भारतीयों के माध्यम से एक सशक्त वैश्विक पहचान रखता है। प्रवासी भारतीयों के योगदान, उपलब्धियों और भारत से उनके भावनात्मक जुड़ाव को सम्मान देने के उद्देश्य से हर दो वर्ष में 9 जनवरी को प्रवासी भारतीय दिवस मनाया जाता है।

इस तिथि का ऐतिहासिक महत्व अत्यंत विशेष है, क्योंकि 9 जनवरी 1915 को महात्मा गांधी दक्षिण अफ्रीका से भारत लौटे थे। उनका यह आगमन केवल स्वतंत्रता आंदोलन का निर्णायक मोड़ नहीं था, बल्कि यह प्रवासी भारतीयों के संघर्ष, साहस और आत्मसम्मान का भी प्रतीक है। इसी स्मृति को जीवंत रखने के लिए वर्ष 2003 में प्रवासी भारतीय दिवस की शुरुआत की गई। प्रारंभ में यह प्रतिवर्ष मनाया जाता था, किंतु 2015 के बाद इसे द्विवार्षिक रूप में भारत सरकार के विदेश मंत्रालय द्वारा एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के रूप में आयोजित किया जाने लगा।

इस सम्मेलन में विश्वभर से आए प्रवासी भारतीय अपने अनुभव साझा करते हैं और भारत के विकास में अपनी भूमिका पर विचार करते हैं। प्रवासी भारतीयों ने विज्ञान, तकनीक, चिकित्सा, शिक्षा, व्यापार, संस्कृति और कूटनीति जैसे अनेक क्षेत्रों में भारत की प्रतिष्ठा को वैश्विक मंच पर सुदृढ़ किया है। उनके इस उल्लेखनीय योगदान को सम्मानित करने के लिए उन्हें 'प्रवासी भारतीय सम्मान पुरस्कार' प्रदान किया जाता है, जो प्रवासी समुदाय के लिए सर्वोच्च सम्मान माना जाता है।

गोस्वामी तुलसीदास की यह पंक्ति–

प्रबिसि नगर कीजे सब काजा।

हृदयँ राखि कोसलपुर राजा॥

आज के प्रवासी जीवन में गहरी प्रेरणा देती है। इसका आशय है कि जब कोई व्यक्ति किसी नए नगर या देश में प्रवेश करे, तो वहाँ के नियम, रीति और मर्यादा का सम्मान करते हुए अपने कार्य करे। वर्तमान समय में विदेशों में रहने वाले प्रवासी भारतीयों ने इस विचार को आत्मसात करते हुए अपनी संस्कृति को बनाए रखा और साथ ही स्थानीय समाज के साथ सामंजस्य स्थापित किया।

आज विश्व के पूर्व से पश्चिम, उत्तर से दक्षिण तक होली, दिवाली और अन्य भारतीय त्योहार बड़े हर्षोल्लास से मनाए जाते हैं। यह अत्यंत गर्व की बात है कि यूनेस्को द्वारा दिवाली को ऐतिहासिक सांस्कृतिक धरोहर के रूप में मान्यता दी गई है। अमेरिका के व्हाइट हाउस में दिवाली समारोह का आयोजन तथा अमेरिका, कैरिबियन, अफ्रीका और एशिया में भारतीय मूल के अनेक व्यक्तियों का ,सर्वोच्च पदों पर पहुंचना भारतीय संस्कृति के वैश्विक सम्मान का प्रतीक है।

विश्व के अनेक देशों में बने भव्य भारतीय मंदिर इस बात के प्रत्यक्ष प्रमाण हैं कि भारतीय जहाँ भी गए, वहाँ के नियम-कानूनों और सामाजिक परिवेश का सम्मान करते हुए अपने संस्कार और संस्कृति को जीवंत रखा। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने प्रवासी भारतीयों को केवल 'विदेशों में रहने वाले भारतीय' नहीं, बल्कि 'भारत के सांस्कृतिक दूत' कहा है। उनके शब्दों में–

'भारतीय जहाँ भी जाएँ, वे वहाँ भारत की पहचान लेकर जाते हैं। आप सब भारत के गौरव हैं।'

इतिहास में भारतीय आप्रवास के अनेक रूप दिखाई देते हैं। प्राचीन काल में भारतीय व्यापारी दक्षिण-पूर्व एशिया, मध्य एशिया और अरब देशों तक पहुँचे। मध्यकाल में धार्मिक प्रचार, व्यापार और राजनीतिक कारणों से आवागमन हुआ।

औपनिवेशिक काल में ब्रिटिश शासन के दौरान बड़ी संख्या में भारतीयों को अनुबंधित मज़दूर के रूप में अफ्रीका, कैरेबियन, फ़िजी और मॉरीशस जैसे देशों में ले जाया गया, जिन्हें 'गिरमिटिया मज़दूर' कहा गया ये लोग कठिन परिस्थितियों में विदेशी धरती पर पहुँचे थे, जहाँ उन्होंने अपमान, शोषण और संघर्ष का सामना किया। लेकिन अपनी बुद्धि, कौशल, अनुशासन, परिश्रम और अनुकूलन क्षमता के बल पर उन्होंने धीरे-धीरे सम्मानजनक पहचान बनाई। आज उन्हीं के वंशज शिक्षा, राजनीति, प्रशासन, व्यापार और समाज के उच्च पदों पर पहुँचकर न केवल अपने समुदाय बल्कि पूरे राष्ट्र का गौरव बढ़ा रहे हैं।

आधुनिक काल में भारतीय आप्रवास के प्रमुख कारण शिक्षा, रोज़गार, व्यापार, तकनीकी अवसर और बेहतर जीवन-स्तर हैं। अमेरिका, कनाडा, यूरोप, खाड़ी देश और ऑस्ट्रेलिया भारतीय प्रवासियों के प्रमुख गंतव्य बन चुके हैं। सूचना प्रौद्योगिकी, चिकित्सा, इंजीनियरिंग, शिक्षा और व्यापार के क्षेत्र में भारतीयों ने वैश्विक स्तर पर उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। प्रवासी भारतीयों द्वारा भेजी जाने वाली विदेशी मुद्रा भी भारत की अर्थव्यवस्था के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

वास्तव में, प्रवासी भारतीय दिवस केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि भारत और उसके वैश्विक नागरिकों के बीच एक सशक्त सेतु है, जो प्रवासी भारतीयों को उनकी जड़ों से जोड़ते हुए भारत की विकास यात्रा का सक्रिय सहभागी बनाता है।

मनुष्य हमेशा प्रवासी रहा है , वह जंगलों से गाँवों में, फिर गाँवों से शहरों में और अंततः एक महाद्वीप से दूसरे महाद्वीप तक गया। अब 21वीं सदी में प्रश्न यह है कि क्या मनुष्य धरती से आगे बढ़कर दूसरे ग्रहोंपर भी बस सकेगा? कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) एवं ISRO ने इस संभावना को और सशक्त बना दिया है।

प्राचीन भारतीय वैज्ञानिक और ऋषि-मुनि अंतरिक्ष को केवल तारों का समूह नहीं, बल्कि 'जीवन और ऊर्जा का अनंत भंडार' मानते थे। उनकी कल्पनाएँ आज की अंतरिक्ष-वैज्ञानिक सोच से मेल खाती हैं।

AI के युग में अंतरग्रहीय प्रवास केवल कल्पना नहीं, बल्कि निकट भविष्य की वैज्ञानिक संभावना है। जिस प्रकार कभी समुद्र पार कर नई दुनियाएँ खोजी गई थीं, उसी प्रकार भविष्य में मंगल और चाँद पर मानव सभ्यता के बीज बोए जा सकते हैं। यह प्रवास मानव जाति को न केवल नई दिशा देगा, बल्कि धरती से परे जीवन के नए अध्याय की शुरुआत भी करेगा।

यात्रा

गौरव अवस्थी

छत्तीसगढ़ : मां कौशल्या की गोद, कोसल में बसा एक अवध

प्रस्तावित ओड़िशा यात्रा में रायपुर पड़ाव भर था। रायपुर से हमें बरगढ़ के लिए बस पकड़नी थी लेकिन रायपुर में दो दशक से अधिक समय से रह रहे अपने गृह जनपद उन्नाव के सतीश मिश्र ने कहा-'जब आ ही रहे हैं तो एक दिन पहले आ जाइए। यहां पूर्व प्रधानमंत्री अटल जी महामना मदन मोहन मालवीय जयंती कार्यक्रम है। उसमें भी शिरकत हो जाएगी।' उनके इस कथन में आग्रह कमजन्मभूमि वाली जिद का जोर ज्यादा था। प्रेम मिश्रित आदेश टाल पाना आसान नहीं। ट्रेन का टिकट वापस करके हमने अपनी और विनोद कुमार शुक्ल हवाई जहाज से टिकट बुक करा ली। विनोद भैया की हवाई जहाज की यह पहली यात्रा थी। हमें भी ज्यादा अनुभव नहीं। चेकइन के बाद तमाम सुरक्षा जांच से गुजरते हुए विलंबित हो गए और फ्लाइट छूटते-छूटते बची। 5 मिनट पहले इंडिगो से कॉल आई-'आप कहां हैं? तुरंत गेट नंबर 1 पर पहुंचिए! अन्यथा दूसरी फ्लाइट लीजिए..।' यह सुनकर हाथ-पैर फूल गए। धुक-धुकी बढ़ गई। दौड़ते-हांफतेपहुंचे गेट नंबर वन और फ्लाइट छूटने से बस बच ही गई।

बोर्डिंग के बाद सांस में सांस आई और शुरू हुई कोसल प्रदेश की पहली यात्रा। कोसल यानी मां कौशल्या का मायका। भगवान राम की ननिहाल। ननिहाल में रामजी की अवध नगरिया छाई है। आज से नहीं..डेढ़-दो सौ साल से। इसमें बैसवारे (रायबरेली-उन्नाव का विशेष भूभाग) का योगदान कुछ ज्यादा ही है। छत्तीसगढ़ के 33 में से अधिकांश जिलों में अवधवालों का वर्चस्व है। आजादी के बाद अविभाजित मध्य प्रदेश को तीन-तीन मुख्यमंत्री (पंडित रविशंकर शुक्ल, द्वारिका प्रसाद मिश्र और श्यामाचरण शुक्ल) उन्नाव ने ही दिए। पंडित रविशंकर शुक्ल तो प्रथम मुख्यमंत्री ही रहे और उनके पुत्र श्यामाचरण तीन बार मुख्यमंत्री बने।

घंटे-सवा घंटे में ही हम रायबरेली से पहुंच गए रायपुर। रायपुर में 2 दिन का प्रवास था। 27 दिसंबर की सुबह बरगढ़ प्रस्थान करना था। थोड़े से इंतजार के बाद भाई सतीश अपने मित्र प्रमोद पांडेय के साथ एयरपोर्ट लेने आ गए और शुरू हुआ रायपुर भ्रमण का सिलसिला। उत्तर प्रदेश में कोहरे की धुंध और रायपुर में मौसम खिला-खिला। सूरज की तेज चमक के चलते सर्दी बस सुबह-शाम। गाड़ी सीधे बैरन बाजार स्थित आर्शीवाद भवन में रुकी। कोई दो बीघे भूमि पर बने इस विशाल भवन के बाहरी हिस्से में दुकान और ऊपर ऑफिस को किराए पर देने के स्पेस। बाई तरफ अतिथियों के रुकने के कक्ष और दाहिनी तरफ कार्यालय-सभागार आदि-आदि..। पीछे के हिस्से में स्कूल का संचालन। यहीं अपन दोनों के रुकने का इंतजाम और कार्यक्रम भी यहीं।

इस भवन के लिए 105 साल पहले पंडित रविशंकर शुक्ल ने कान्यकुब्ज सभा शिक्षण मंडल के लिए अपनी जगह उपलब्ध कराई थी। आशीर्वाद भवन की असली पहचान रविशंकर शुक्ल के योगदान से ही है। कान्यकुब्ज शिरोमणि पंडित शुक्ल अवधियों के असली आईकॉन हैं। अध्यक्ष और सचिव के कार्यालय दफ्तर में पंडित जी का बड़ा सा चित्र और भवन के मैदान के एक कोने में आवक्ष प्रतिमा इसकी प्रत्यक्ष गवाह है। इसी कक्ष में दाहिनी तरफ की दीवार पर सभा के 16 पूर्व अध्यक्षों के सुशोभित चित्र बरबस हर किसी का ध्यान आकर्षित करते हैं। इनमें एक पंडित बलदेव प्रसाद मिश्र का भी है जो 'सरस्वती' में आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी के साथ काम कर चुके थे।

आयोजन में अतिथि के तौर पर नाम दर्ज होने की वजह से ही सचिव श्री राजेश दीक्षित, श्री शारदा प्रसाद वाजपेई, कार्यकारिणी सदस्य श्री आशुतोष द्विवेदी और कुछ अन्य महानुभाव पहले से उपस्थित थे। रायबरेली के ही रहने वाले वाजपेई जी रायबरेली के आचार्य स्मृति दिवस आयोजनों में कई बार प्रतिभाग कर चुके हैं। बुके के साथ अनपेक्षित स्वागत की औपचारिकता में ही अपनापन छलक पड़ा। थोड़ी ही देर में चाय-नाश्ते की प्लेटें सज गईं। औपचारिक परिचय के बाद शुरू हुआ ऐतिहासिक इतिहास से वर्तमान की बातों का सिलसिला। पेंड्रा के पत्रकार और सामाजिक कार्यकर्ता अक्षय नामदेव जी से रायपुर यात्रा की चर्चा पहले ही हो चुकी थी। बदले कार्यक्रम की सूचना भी उन्हें इसलिए देनी ही थी क्योंकि पहले ट्रेन से यात्रा के वक्त पेंड्रा रोड स्टेशन पर उनसे मुलाकात मुकम्मल हो चुकी थी। यात्रा में बदलाव के चलते अक्षय नामदेव अपनी धर्मपत्नी श्रीमती निरुपमा नामदेव के साथ केवल भेंट-मुलाकात के लिए पहले ही रायपुर पहुंच चुके थे। आर्शीवाद भवन में रुकने की सूचना देने के बाद 1 घंटे बाद ही अक्षय भाई परिवार के साथ (अपनी धर्मपत्नी, दो भतीजे और सरहज) आर्शीवाद भवन आ गए। उनके हाथ में एक चमकीली पन्नी से रैप किया हुआ बड़ा सा उपहार भी था। यह उपहार उनकी धर्मपत्नी ने 2022 में आचार्य द्विवेदी मेले से लौटने के बाद ही सुरक्षित रख रखा था। पूरे परिवार ने पूरे अपनत्व के साथ आर्शीवाद भवन के कार्यालय कक्ष में ही वह उपहार हमें हस्तगत किया और फोटोशूट भी। 800 किलोमीटर दूर ऐसा अपनापन दिली सुकूं देता है। हमें भी मिला। बरगढ़ यात्रा में साथ चलने और न चलने के उहापोह के साथ अक्षय भाई लौट गए।

थोड़ी देर रेस्ट के बाद कमरे में कान्यकुब्ज सभा शिक्षण मंडल के अध्यक्ष श्री सुरेश मिश्र समेत कुछ अन्य सदस्यों से भेंट मुलाकात के बीच ही समय हो गया जयंती समारोह के आयोजन का। तय समय से आधे घंटे लेट करीब 5:30 बजे बुलावा आते ही हम सब आशीर्वाद भवन के उस सभा कक्ष में पहुंच गए, जहां पहले से ही लोग विराजे थे। इस आयोजन के मुख्य अतिथि थे पूर्व आईएएस अधिकारी श्री सुशील त्रिवेदी। विशिष्ट अतिथि के तौर पर रायपुर रेल मंडल के सीनियर डीसीएम श्री अवधेश त्रिवेदी, पूर्व विधायक श्री वीरेंद्र पांडेय और श्री विनोद कुमार शुक्ल रहे। मंच पर साथ थे श्री राजेश दीक्षित और श्री सुरेश मिश्र। संचालन की भार संभाले थे पत्रकार-लेखक श्री अजय अवस्थी और श्री आशुतोष द्विवेदी। करीब 2 घंटे तक चले आयोजन में अटल जी और महामना के बारे में वक्ताओं के बहुमूल्य और अनमोल विचार हम सबको ज्ञान संपन्न बनाने में सक्षम रहे।

रात का भोजन सुखसागर रेस्टोरेंट में हुआ। इसके संचालक भी बैसवारा के ही रहने वाले हैं। रात में सोने के पहले

शारदा प्रसाद वाजपेई के साथ पैदल ही पहुंचे बूढ़ापारा। बताया गया था कि बूढ़ापारा में ही केशोराय पाध्ये के आवास पर चलने वाले रामदास मठ में आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी के समकालीन लेखक-पत्रकार पंडित माधवराव सप्रे जेल से छूटने के बाद अज्ञातवास में एक-दो साल रहे थे लेकिन अफसोस कि रामदास मठ ढूंढे नहीं मिला। वामन राव लाखे के नाम पर बसे लाखेपाड़ा में अब महाराष्ट्र के पाध्ये लोग मकान बेचकर यहां से पलायन कर चुके हैं। लाखेपाड़ा में एक ही लाखे परिवार बचा है। उसका भी वामनराव के वंश से सीधा ताल्लुक नहीं।

जयस्तंभ चौक और शहीद वीर नारायण सिंह स्मारक :

दूसरे दिन रायपुर देखने की शुरुआत हुई आशीर्वाद भवन के सेवादार धर्म कौशिक के साथ। शहर के देसी स्वाद वाले नाश्ते की चाहत लिए हम पहुंचे तात्यापारा चौक। इसी चौक पर 'जयस्तंभ' स्थापित है। माना जाता है कि 1857 के प्रथम स्वाधीनता संग्राम में अंग्रेज हुकूमत ने वीर नारायण सिंह को इसी जगह खुलेआम फांसी पर लटकाया था। प्रथम बलिदानी शहीद वीर नारायण सिंह की स्मृति में ही यह जयस्तंभ चौराहे के बीचों-बीच स्थापित किया गया है। चौराहे के एक किनारे पर शहीद की आश्वारोही प्रतिमा और सुंदर सा स्मारक छत्तीसगढ़ की पूर्ववर्ती भूपेश बघेल सरकार ने निर्मित कराया है। यहीं चौराहे के दूसरी तरफ सुबह-सुबह नाश्ते के लिए सड़क किनारे तमाम ठेले-खोमचे लगते हैं। शहर के अधिकांश लोग या तो यहीं आकर नाश्ता करते हैं या पैक करा कर घर ले जाते हैं। यहां पहले शहीद की प्रतिमा पर माथा टेका और फिर लजीज नाश्ता।

दोनों मकसद पूरे होने पर चल पड़े माधवराव सप्रे और राव वामनराव लाखे द्वारा वर्ष 1911 में खोली गई जमुना देवी कन्याशाला की तलाश में। पता करते-करते हम जहां पहुंचे वह स्थान ग्रेट ईस्टर्न (जीई) रोड हनुमान मंदिर के पास मिला। यहीं वह पुरानी पाठशाला 1971 से 'सौ. कुसुम ताई प्राथमिक कन्या शाला' नाम से संचालित है। इसी रोड पर हनुमान मंदिर के पीछे माधवराव सप्रे ने तब रू. 900 में पाध्ये परिवार से एक मकान खरीदा था। अफसोस, यह मकान भी अब बिक चुका है। उनके पौत्र अशोक सप्रे 2008 में सराफा कारोबारी ओमप्रकाश सोनी को ऐतिहासिक इतिहास रखने वाला अपना आवास बेचकर पुणे चले गए। सप्रेजी के पड़पौत्र अब वहीं के वाशिंदे हैं। यहां के लोग उनके नाम-पते से भी अनजान हैं। दमोह में जन्मे सप्रेजी ने यहीं मठ और आवास में तिलक के गीता रहस्य समेत अनेक महत्वपूर्ण पुस्तकों के मराठी से हिन्दी में अनुवाद किए थे।

मनमसोस कर लौटे ही थे कि दोपहर करीब 12:00 बजे सतीश भाई फिर गाड़ी लेकर आए और हम चले बलौदा बाजार रोड पर खरोरा कस्बा स्थित आफ्ट यूनिवर्सिटी की ओर। कभी निफ्ट-रायबरेली में डायरेक्टर रहे डॉ भरत शाह इसी विश्वविद्यालय में अब वाइस चांसलर हैं। उनसे मिलने की इच्छा बलवती थी और उनके आदेश भी कि लंच यहीं साथ करेंगे। दोपहर 1 हम सब यूनिवर्सिटी कैंपस में थे। यूनिवर्सिटी के हर डिपार्टमेंट को घूम-घूम कर देखा खासतौर पर मॉस एंड कम्युनिकेशन विभाग। बैडमिंटन खेल रहे छात्र-छात्राओं के साथ दो-दो हाथ हमने भी आजमाए और विनोद भैया ने भी। चलते समय भाभी जी से मुलाकात और केवल हमें ही नहीं प्रज्ञा के लिए उपहार ने अभिभूत कर दिया।

मनोहारी मां कौशल्या धाम : लजीज लंच के बाद लौटते समय मां कौशल्या धाम के दर्शनों से धन्य हो गए। छत्तीसगढ़ और संबलपुर कोसल का ही हिस्सा माने जाते हैं। कौशल का अवध से ननिहाल का नाता है। पद्मश्री हालदार नाग के साहित्य पर जून 2025 में आयोजित नेशनल सेमिनार में प्रतिभा करने के समय ही बरगढ़ जनपद के कोसल में होने और नवंबर माह में पदमपुर के कलाकारों द्वारा आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी पुस्तक मेला रायबरेली में की गई भावपूर्ण प्रस्तुति के बाद कोसल में मां कौशल्या के मंदिर के बारे में जिज्ञासा जागृत हुई। रायपुर प्रवास के दौरान यह जिज्ञासा सहज ही पूरी हो गई। मां कौशल्या धाम राम वन गमन पथ का महत्वपूर्ण मंदिर है। विशाल स्थान में चारों तरफ से सरोवर से घिरा मां कौशल्या का यह मंदिर बहुत ही सुंदर और यहां का वातावरण आत्मिक शांति प्रदान करने वाला। मंदिर के प्रवेश द्वार के बगल में भगवान राम की 30 फीट ऊंची विशाल प्रतिमा के दर्शन भी आह्लादित करते हैं। मुख्य मंदिर के दाहिने हाथ भगवान शिव की विशाल प्रतिमा और समक्ष स्थापित नंदी की विशाल प्रतिमा भी दर्शन योग्य है और सेल्फी शौकीनों का शानदार डेस्टिनेशन।

रायपुर के मरीन ड्राइव की तरफ से गुजरते हुए अपने बैसवारे के रहइया और ज्ञानपीठ पुरस्कार विजेता विश्वकवि विनोद कुमार शुक्ल के निधन पर शोक जताने शैलेंद्र नगर स्थित आवास पर गए। सुपुत्र भाई शाश्वत से मिलकर सांत्वना देने के बाद उनके भतीजे कुणाल शुक्ल अपने घर ले गए और आशीर्वाद भवन छोड़ने भी आए। पंडित रविशंकर शुक्ल के 91 वर्षीय पौत्र श्री रमेश चरण शुक्ल से इतिहास पर विहंगम दृष्टि अपने उन्नाव के कर्मयोगी पूर्वजों की कहानी विस्तार से मालूम हुई। उनके परपौत्र अनुभव चरण शुक्ल की सौम्य अगवानी भी मन को भाने वाली रही। इतिहासकार आचार्य रमेंद्र नाथ मिश्रा, व्यंग्यकार डॉक्टर गिरीश पंकज, लब्धप्रतिष्ठ साहित्यकार मुक्तिबोध के लेखक-पत्रकार पुत्र दिवाकर मुक्तिबोध से भेंट मुलाकात और और ऐतिहासिक चर्चाएं हमारे लिए इस रायपुर यात्रा का महत्वपूर्ण अध्याय हैं। बरगढ़ से वापसी में चंद्रशेखर आजाद के गांव बदरका के रहने वाले भाई सतीश मिश्रा की धर्मपत्नी श्रीमती... का बनाया और हर्ष एवं अनन्या सर्व किया गया स्वादिष्ट ब्रंच (नाश्ते+खाने का नया मेट्रो नाम) भी रायपुर यात्रा की महत्वपूर्ण यादगार है।

रायपुर भले ही हम लोगों के लिए नया रहा हो लेकिन अवध खासकर बैसवारा क्षेत्र के लिए रायपुर या कहें मध्य प्रांत दो सदी से पसंदीदा स्थान है। इस इलाके के सैकड़ो नहीं हजारों लोग छत्तीसगढ़ के हर जिले में पीढ़ियों से रहते चले आ रहे हैं। ज्ञात इतिहास बीघापुर (उन्नाव) के पंडित रविशंकर शुक्ल से ही मिलता है। छत्तीसगढ़तो 25 साल पहले बना है पर पूरे मध्य प्रांत की रग-रग में पंडित रविशंकर शुक्ल मिलते हैं। स्वाधीनता संग्राम हो या ओड़िशा की सूखे की दैवीय आपदा। हर इतिहास में उनकी सशक्त मौजूदगी दर्ज मिलती है। फिलहाल इतना ही। पंडित जी समेत अन्य प्रसंगों पर विस्तार से चर्चा दूसरे संस्मरणों में।

दीवार तोड़कर घर में घुसी स्कॉर्पियो, बुजुर्ग गंभीर

● आरोप- नशे में जानबूझकर घुसाई गाड़ी, आरोपी फरार

बैतूल। शाहपुर थाना क्षेत्र के पोला पत्थर गांव में बीती रात एक स्कॉर्पियो कार दीवार तोडक़र एक मकान में घुस गई। इस घटना में घर में सो रहे 60 वर्षीय अर्जुन सिंह ठाकुर गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें जिला अस्पताल बैतूल में भर्ती कराया गया है। उनके सिर में गंभीर चोटें आई हैं। परिवार ने इसे हादसा नहीं, बल्कि जानबूझकर की गई साजिश बताया है। घायल अर्जुन सिंह के पुत्र अंकुश ठाकुर ने आरोप लगाया है कि गांव के ही एक युवक ने नशे की हालत में जानबूझकर स्कॉर्पियो उनके घर की दीवार पर चढ़ा दी। अंकुश के अनुसार, कुछ दिन पहले उस युवक का उनके जीजा से विवाद हुआ था, जिसके बाद उसने गुस्से में उनके घर को निशाना बनाया। अंकुश ठाकुर ने बताया कि उनका घर हाईवे से काफी अंदर स्थित है, जिससे यह सामान्य दुर्घटना प्रतीत नहीं होती। उन्होंने इसे अपने पिता की जान लेने की साजिश करार दिया है। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। शाहपुर थाना प्रभारी देवकरण डहरिया ने जानकारी दी कि वाहन जब्त कर लिया गया है और मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि यह घटना वास्तव में दुर्घटना थी या किसी सुनियोजित साजिश का परिणाम थी।

पतंजलि भारत स्वाभिमान न्यास के राज्य संवाद प्रभारी बने सुनील कुबड़े

● स्वामी रामदेव महाराज ने सौंपी बड़ी जिम्मेदारी

बैतूल। पतंजलि भारत स्वाभिमान न्यास के स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर पतंजलि योगपीठ हरिद्वार में आयोजित राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में केंद्रीय प्रभारी स्वामी परमार्थ देव की अनुशंसा पर स्वामी रामदेव महाराज ने बैतूल जिले के पतंजलि भारत स्वाभिमान न्यास के जिला प्रभारी सुनील कुबड़े को मध्य प्रदेश का राज्य संवाद प्रभारी नियुक्त किया है। राज्य संवाद प्रभारी के रूप में नियुक्ति के बाद सुनील कुबड़े ने कहा कि आगामी एक वर्ष में मध्य प्रदेश के 30 जिलों में योग, आयुर्वेद और प्राकृतिक चिकित्सा का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा। उन्होंने बताया कि भारत के बच्चों में स्वाभिमान और आत्मगौरव बढ़ाने के उद्देश्य से भारत सरकार द्वारा गठित और पतंजलि योगपीठ द्वारा संचालित भारतीय शिक्षा बोर्ड से हर जिले में प्रारंभिक चरण में 20 से 30 विद्यालयों को जोडऩे का लक्ष्य रखा गया है।उनकी नियुक्ति को लेकर संगठन में उत्साह का माहौल है और साथियों ने उन्हें लोककल्याण के इस कार्य के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

कोटवार सम्मेलन को लेकर बनी रणनीति

● जिलास्तरीय सम्मेलन, समान वेतन व लंबित लाभों पर हुआ मंथन

बैतूल। मप्र ग्राम रक्षक कोटवार चौकीदार संघ जिला शाखा बैतूल के तत्वाधान में पंचशील बौद्ध विहार सदर बैतूल में कोटवारों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलास्तरीय व प्रदेश स्तरीय सम्मेलन के आयोजन को लेकर विस्तृत योजना पर सहमति बनी। मुख्य अतिथि अधिवक्ता डॉ. सुखदेव डोंगरे उपस्थित रहे। कार्यक्रम में कोटवार संघ के पूर्व अध्यक्ष मानिकराव वामनकर, वर्तमान जिलाध्यक्ष रामदास गुजरे, जिला सचिव लोकेश पाटिल, तहसील अध्यक्ष घोड़ाडोंगरी से कन्हैया बांसे, पट्टन से राजू राजूकर, ऋषि सोमकुवर, आठनेर से देवीदास मनोहरे, आमला से कालूराम खातरकर, बोरदेही से माया वाईकर, लालसिंह नागले तथा मुलताई से लखन मालवीय की विशेष उपस्थिति रही। बैठक के दौरान मध्यप्रदेश शासन की महत्वपूर्ण जनकल्याणकारी योजनाओं को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। अधिवक्ता डॉ. सुखदेव डोंगरे ने कहा कि समान कार्य समान वेतन के सिद्धांत का पालन करते हुए कोटवारों को कलेक्टर दर से मानदेय प्रदान किया जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि मप्र शासन द्वारा कोटवार पंचायत 2023 के तहत सेवा निवृत्त कोटवारों को 1 लाख रुपये देने का आदेश जारी किया गया था, लेकिन बैतूल जिले में इसका लाभ केवल 3 सेवा निवृत्त कोटवारों को ही मिला है, जबकि लगभग 150 कोटवार अब भी इस लाभ से वंचित हैं। जिलाध्यक्ष रामदास गुजरे ने कहा कि कोटवार नियुक्ति में कोटवार के परिजनों को ही प्राथमिकता दी जानी चाहिए। गणेश कजोडे ने अपनी बात रखते हुए कहा कि जिन गांवों में एक से अधिक कोटवार पद हैं, वहां किसी कोटवार की मृत्यु के बाद पद को समाप्त किया जा रहा है, जो उचित नहीं है। ऐसे मामलों में पात्रता रखने वाले परिजन को उस पद पर नियुक्त किया जाना चाहिए। दिनेश चौकीकर ने कहा कि किसी भी अधिकारी या कर्मचारी द्वारा कोटवारों से बेगारी नहीं कराई जानी चाहिए। उन्होंने याद दिलाया कि पूर्व मुख्यमंत्री द्वारा वर्ष 2007 में कोटवार पंचायत में घोषणा की गई थी कि कोई भी अधिकारी कोटवार से बेगारी कराता है तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। दिलीप बेलवंशी ने कहा कि किसी भी कोटवार के विरुद्ध शिकायत मिलने पर बिना सुने कठोर दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जानी चाहिए। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि शासन द्वारा कोटवारों को प्रदान की गई जमीन पर कई स्थानों पर दबंगों ने कब्जा कर रखा है, जिसे हटाया जाना चाहिए। बैठक को सफल बनाने में घनश्याम बारसे, राजू कापसे, मिथिलेश चंदेलकर, शैलेन्द्र मोहरे, राजू कापसे और भगत सूर्यवंशी सहित अन्य साथियों का सक्रिय सहयोग रहा।

20 केन्द्रों पर करीब 42 हजार मेट्रिक धान की खरीदी

● 96 करोड़ की देय राशि में से 75.54 करोड़ का भुगतान

बैतूल। जिले में किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य सुनिश्चित करने के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य पर धान खरीदी अभियान जोरों पर है। यह अभियान 1 दिसंबर 2025 से शुरू होकर 20 जनवरी 2026 तक चलेगा। जिला प्रशासन ने भुगतान, भंडारण और परिवहन की प्रक्रियाओं पर कड़ी निगरानी रखी हुई है, ताकि पारदर्शिता बनी रहे। बताया जा रहा है कि सरकार ने इस विपणन सीजन के लिए सामान्य धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2369 रुपये प्रति प्रति क्विंटल तय किया है। जबकि ग्रेड-ए धान का 2389 रुपये प्रति क्विंटल तय किया है। जिले में धान खरीदी के लिए कुल 20 खरीदी केंद्र स्थापित किए गए हैं। इन केंद्रों पर किसानों से गुणवत्ता मानकों के अनुसार धान की तौल कर खरीद की जा रही है। बता दे कि धान विक्रय के लिए जिले में करीब 9100 किसानों ने पंजीयन कराया था, लेकिन इसमें से 834 सिकमी किसानों के सत्यापन के बाद 431 किसानों का पंजीयन निरस्त कर दिया गया। शेष किसानों से धान की खरीदी की जा रही है। खरीदी किन्द्रों पर 5891 किसानों से करीब 42 हजार मेट्रिक टन धान की खरीदी की जा चुकी है। हालांकि धान खरीदी के लिए 20 जनवरी का तक का समय शेष है।

75.54 करोड़ का किसानों को भुगतान – जिले में किसानों को कुल 96 करोड़ रुपये का भुगतान होना है। इसमें से 75.54 करोड़ रुपये की राशि अब तक किसानों के खातों में हस्तांतरित की जा चुकी है। शेष राशि का भुगतान सत्यापन और प्रक्रिया पूरी होने के बाद किया जा रहा है। कुछ किसान भुगतान की गति को लेकर चिंता जता रहे हैं। विभाग का कहना है कि सभी प्रक्रियाएं नियमों के अनुसार संचालित हो रही हैं। जिला आपूर्ति अधिकारी केके टेकाम ने बताया कि पंजीयन, भंडारण, परिवहन और भुगतान से जुड़ी सभी गतिविधियां शासन के दिशा-निर्देशों के अनुरूप चल रही हैं। वेयरहाउसों में संग्रहित धान और संबंधित रिकॉर्ड का नियमित निरीक्षण किया जा रहा है। किसी भी अनियमितता को रोकने के लिए निगरानी व्यवस्था मजबूत है।

अब तक करीब 42 हजार मीट्रिक टन धान खरीदी – जिले में समर्थन मूल्य में धान बेचने के लिए 9100 किसानों ने पंजीयन कराया था। जिसमें से अब तक 5891 किसानों से 20 खरीदी केन्द्रों पर 42 हजार मेट्रिक टन धान खरीदी की जा चुकी है। परिवहन की दृष्टि से 39,308 मेट्रिक टन धान का स्थानांतरण पूरा हो चुका है, जबकि शेष का कार्य चरणबद्ध तरीके से जारी है। अधिकारियों का कहना है कि जिन किसानों से समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी की गई है, उनके भुगतान की प्रक्रिया भी जारी है। करीब 6 से 7 करोड़ रूपये के भुगतान ईपीओ जारी किये जा चुके है। जिन किसानों का भुगतान नहीं हुआ है, उनके खाते में जल्द ही राशि हस्तांतरित हो जायेगी।

इनका कहना है –जिले में अब तक 20 खरीदी केन्द्रों पर किसानों से करीब 42 हजार मेट्रिक टन धान की खरीदी की गई है। जिनका लगभग 96 करोड़ का भुगतान बनता है, इसमें से 75.54 करोड़ का भुगतान किया जा चुका है।

– कृष्ण कुमार टेकाम, जिला आपूर्ति अधिकारी, बैतूल

आगजनी की घटना में दुकानें जलकर खाक

10 लाख से अधिक के नुकसान का अनुमान

बैतूल / मुलताई। बीती रात मुलताई-आठनेर मार्ग पर स्थित ग्राम रायआमला में भीषण आगजनी की घटना सामने आई। मंगलवार देर रात लगभग 12 बजे मासोद मेन रोड पर स्थित चार दुकानों में अचानक आग लग गई, जिसने कुछ ही मिनटों में विकराल रूप धारण कर लिया। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि देखते ही देखते दुकानें आग के शोले बन गईं। आगजनी की इस घटना में बुधराव लाड़े, पंजाबराव लाड़े एवं अशोक गणेशे की दुकानें पूरी तरह जलकर राख हो गईं। पंजाबराव लाड़े की चाय व किराना दुकान, बुधराव लाड़े का पान ठेला व हार्डवेयर सामान, जबकि अशोक गणेशे की कीटनाशक दवाइयों व कपड़ों की दुकान आग की चपेट में आ गई। विशेष रूप से पंजाबराव लाड़े की दुकान पूरी तरह नष्ट हो गई, जिसमें रखा किराना सामान, चाय सामग्री, फर्नीचर एवं नकदी जलकर खाक हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दुकानदारों व ग्रामीणों ने प्रारंभिक स्तर पर आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन आग का स्वरूप अत्यंत भीषण होने के कारण वे सफल नहीं हो सके।

फायर ब्रिगेड की त्वरित कार्रवाई – घटना की सूचना मिलते ही मुलताई नगर पालिका की फायर टीम मौके पर पहुंची। आग की गंभीरता को देखते हुए आठनेर नगर पालिका की फायर टीम को भी सहायता के लिए बुलाया गया। दोनों टीमों ने ग्रामीणों के सहयोग से कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इस दौरान मुलताई नगर पालिका के फायर कर्मचारी मनोज सिंह, दीपक अहिरवार एवं सुमित पुरी की भूमिका सराहनीय रही।

10 लाख रुपये से अधिक के नुकसान का अनुमान – इस आगजनी में लगभग 10 लाख रुपये से अधिक के नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है। राहत की बात यह रही कि घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। आग लगने के कारणों का अभी तक स्पष्ट पता नहीं चल सका है, हालांकि शॉर्ट सर्किट की आशंका जताई जा रही है। संबंधित विभाग द्वारा मामले की जांच की जा रही है।

समाज को कुरीतियों से बचाना होगा : उत्तम गायकवाड़

शक्ति कलश यात्रा के साथ ग्राम बिसनूर में राष्ट्र जागरण गायत्री महायज्ञ का शुभारंभ

बैतूल। ग्राम बिसनूर में हमारी संस्कृति और हमारी विरासत को साकार करने के उद्देश्य से धर्म जागरण के साथ राष्ट्र जागरण गायत्री महायज्ञ की शुरुआत शक्ति कलश यात्रा के साथ की गई। पूरे गांव में धार्मिक वातावरण के बीच निकली शक्ति कलश यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की सहभागिता रही।

इस अवसर पर गायत्री परिवार के वरिष्ठ कार्यकर्ता उत्तम गायकवाड ने उपस्थितजनों को संबोधित करते हुए कहा कि समाज में व्याप्त कुरीतियां और दुष्प्रवृत्तियां समाज और राष्ट्र को अंदर से खोखला कर रही हैं। इनसे लड़ने के लिए हम सभी को संकल्पित होना होगा और इसकी शुरुआत स्वयं से तथा अपने घर से करनी होगी। उन्होंने आचार्य श्रीराम शर्मा जी के विचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि हम बदलेंगे तो युग बदलेगा, हम सुधरेंगे तो युग सुधरेगा। किसी भी बड़े परिवर्तन की नींव व्यक्ति के अपने आचरण और चरित्र से ही रखी जा सकती है। उत्तम गायकवाड ने समाज में बढ़ते नशे के चलन, शादी-विवाह में हो रहे अपव्यय और आर्थिक विषमता जैसे विषयों पर गंभीर चिंतन की आवश्यकता बताई और कहा कि जब हमारा चरित्र और आचरण श्रेष्ठ होगा, तभी समाज उसका अनुकरण करेगा। कार्यक्रम का संचालन पंडित धनराज एवं उनकी टोली द्वारा किया गया। इस अवसर पर श्रवण महाले, डॉ. सहदेव, ग्राम सरपंच प्रियंका ठाकरे, डॉ. कृष्णा पाटनकर, सुभाष म्हस्की सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। शक्ति कलश यात्रा और महायज्ञ में बड़ी संख्या में माताओं-बहनों ने भी श्रद्धा और उत्साह के साथ सहभागिता की।

पेंशनर्स के लिए एम.पी. ट्रांसको की एक और डिजिटल पहल

● पेंशनर्स को अब वेबसाइट पर मिलेगी पेंशन स्लिप

बैतूल। मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एम.पी. ट्रांसको) ने अपने पेंशनर्स की सुविधा को ध्यान में रखते हुए एक और महत्वपूर्ण डिजिटल पहल की है। कंपनी की आईटी सेल एवं पेंशन विभाग की संयुक्त टीम के प्रयासों से अब एम.पी. ट्रांसको के तकरीबन 4500 पेंशनर्स, चाहे वो किसी भी बैंक से पेंशन प्राप्त करते हों, कंपनी की आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से अपनी पेंशन स्लिप ऑनलाइन प्राप्त कर सकेंगे। एम.पी. ट्रांसको के मुख्य वित्तीय अधिकारी मुकुल मेहरोत्रा ने बताया कि अब तक केवल यूनियन बैंक से पेंशन प्राप्त करने वाले पेंशनर्स को ही वेबसाइट पर पेंशन स्लिप उपलब्ध कराने की सुविधा थी। लेकिन अब भारतीय स्टेट बैंक सहित अन्य बैंकों से पेंशन लेने वाले पेंशनर्स के लिए भी यह व्यवस्था सफलतापूर्वक विकसित कर ली गई है। कंपनी की वेबसाइट पर उपलब्ध पेंशन पोर्टल में पेंशन स्लिप प्राप्त करें नामक विकल्प जोड़ा गया है। इसके माध्यम से पेंशनर अपने न्यूमेरिक पीपीओ नंबर, बैंक खाता संख्या तथा माह का चयन कर आसानी से पेंशन स्लिप ऑनलाइन प्राप्त कर सकते हैं।

पात्र युवाओं को मतदाता सूची में शामिल करने 9 और 10 जनवरी को आयोजित होंगे विशेष कैंप

बैतूल। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी म.प्र.भोपाल के निर्देशानुसार विशेष गहन पुनरीक्षण 2026 के अंतर्गत 1 जनवरी 2026 की अर्हता तिथि पर पात्र युवाओं को मतदाता सूची में सम्मिलित करने के लिए जिला स्तर पर 9 एवं 10 जनवरी को हायर सेकेण्डरी स्कूलों, महाविद्यालयों एवं उच्च शिक्षा के शैक्षणिक संस्थाओं में विशेष कैंप का आयोजन किया जाएगा। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी द्वारा जिले के शैक्षणिक संस्थान जयवंती हॉक्सर महाविद्यालय बैतूल लीड कॉलेज, जिला शिक्षा अधिकारी बैतूल, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग बैतूल एवं निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों/सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को विशेष कैंप की आवश्यकता तैयारियां पूर्ण किए जाने के दिशा निर्देश दिए हैं। इसके अलावा उन्होंने अर्हता तिथि 01 जनवरी 2026 के आधार पर पात्र युवा मतदाताओं तथा जिन मतदाताओं ने अभी तक मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज नहीं कराया है, ऐसे मतदाताओं से मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए प्ररूप 6 में प्रस्तुत करने की अपील की है।

उप जिला निर्वाचन अधिकारी मकसूद अहमद ने बताया कि विशेष कैम्प के माध्यम से पात्र युवा मतदाताओं के नाम फार्म 6 एवं घोषणा पत्र, आवश्यक दस्तावेज भरकर मतदाता सूची में जोडऩे की कार्यवाही की जाएगी। जिले के हायर सेकेण्डरी स्कूलों, महाविद्यालयों एवं उच्च शिक्षा के शैक्षणिक संस्थान एवं प्रशिक्षणों केन्द्रों में एक नोडल अधिकारी की नियुक्ति की गई है, जिनके द्वारा अपने संस्थान में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं के नाम प्रारूप निर्वाचक नामावली में दर्ज नहीं हैं, का चिन्हाकन कर लिया गया है। ऐसे छात्र-छात्राओं को नोडल अधिकारी द्वारा पूर्व में ही अवगत करा दिया गया है कि उन्हें अपना नाम मतदाता सूची में जोडऩे के लिए फार्म 6 के साथ किन-किन दस्तावेजों की आवश्यकता होगी, ताकि विशेष कैम्प के दौरान छात्र-छात्राएं पहले से ही संपूर्ण दस्तावेज एवं जानकारी के साथ उपस्थित होकर अपना नाम मतदाता सूची में जुड़वा सके।

उन्होंने बताया कि 9 और 10 जनवरी को आयोजित विशेष कैंप में छात्र-छात्राओं द्वारा फार्म भरकर नोडल अधिकारी को दिए जाएंगे तथा फार्म प्राप्त होने पर नोडल अधिकारी द्वारा ईसीआई नेट एप तथा पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन फार्म भरे जाएंगे। भरे हुये फार्म संबंधित विधानसभा क्षेत्र के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय में प्रेषित किये जाकर, युवा पात्र मतदाताओं के नाम परीक्षण पश्चात मतदाता सूची में जोड़े जाएंगें।

संविदा श्रमिकों को समान वेतन की मांग

बीएमएस ने श्रम मंत्री से मिलकर ईपीएफ, पेंशन और संविदा श्रमिकों के मुद्दों पर सौंपा ज्ञापन

बैतूल। भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) के एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया से नई दिल्ली में भेंट कर श्रमिकों से जुड़े लंबे समय से लंबित राष्ट्रीय महत्व के विषयों पर विस्तृत ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व बीएमएस के महामंत्री रविंद्र हिमते ने किया। जिला मंत्री बैतूल पंजाब राव गायकवाड़ ने बताया कि मंत्री ने बीएमएस द्वारा उठाए गए सभी मुद्दों पर सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाते हुए शीघ्र कार्रवाई का आश्वासन दिया है। ज्ञापन में ईपीएफ एवं ईएसआई की वेतन-सीमा में वृद्धि, न्यूनतम पेंशन राशि को वर्तमान एक हजार से बढ़ाने, भारतीय श्रम सम्मेलन के शीघ्र आयोजन, बोनस गणना सीमा में वृद्धि, ग्रेच्युटी पात्रता 15 दिन से बढ़ाकर 30 दिन करने तथा सभी स्कीम वर्कर्स के मानदेय और प्रोत्साहन राशि बढ़ाने की मांग रखी गई। बीएमएस ने निजी, सार्वजनिक एवं सरकारी क्षेत्रों में कार्यरत संविदा श्रमिकों की दयनीय स्थिति

पर प्रकाश डालते हुए आईओसीएल, निजी टेलीकॉम कंपनियों, राज्य विद्युत बोर्ड, ईएसआईसी, एयर इंडिया एक्सप्रेस और कुडनकुलम परमाणु परियोजना से जुड़े मामलों का उल्लेख किया। संगठन ने संविदा श्रम (विनियमन एवं उन्मूलन) अधिनियम 1970 की धारा 25(2)(5)(ए) के सख्त पालन और नियम तोडऩे वाले ठेकेदारों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की। साथ ही देशभर के निजी परिवहन क्षेत्र के चालकों के लिए कल्याण बोर्ड बनाने का आग्रह किया गया। क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के आईपीओ पर मंत्री ने वित्त मंत्री से चर्चा कर त्वरित समाधान का भरोसा दिलाया। प्रतिनिधिमंडल में सुरेंद्र कुमार पांडेय, बी. सुरेन्द्रन, राष्ट्रीय मंत्री गिरीश आर्य, रामनाथ गणेशे एवं श्री अनुपम शामिल रहे।

एनएसयूआई ने आईटीआई परिसरों में किया पौधारोपण

1 जनवरी से 15 जनवरी तक चलेगा अभियान

बैतूल। पर्यावरण संरक्षण और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को सुरक्षित करने के उद्देश्य से एनएसयूआई द्वारा एक पेड़ भविष्य के नाम अभियान के तहत पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। एनएसयूआई बैतूल के जिला अध्यक्ष जैद खान के नेतृत्व में यह कार्यक्रम शासकीय आईटीआई एवं महिला आईटीआई परिसर में संपन्न हुआ, जहां छात्रों और संगठन के कार्यकर्ताओं ने पौधे लगाए। यह अभियान विगत दिनों विदिशा में कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी की मौजूदगी में प्रारंभ हुआ था। पूरे मध्यप्रदेश में इस अभियान की शुरुआत एनएसयूआई के प्रदेश अध्यक्ष आशुतोष चौकसे द्वारा की गई है। यह अभियान 1 जनवरी से 15 जनवरी तक चलेगा, जिसके अंतर्गत प्रदेशभर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान जिला अध्यक्ष जैद खान ने कहा कि वर्तमान में भाजपा सरकार द्वारा लगातार जंगलों की कटाई की जा रही है और कॉरपोरेट हितों को प्राथमिकता दी जा रही है। इससे पर्यावरण को भारी नुकसान पहुंच रहा है और आने वाली पीढ़ियों का भविष्य गंभीर संकट में पड़ता जा रहा है।

पांच दिवसीय मैनेजमेंट डेवलपमेंट प्रोग्राम में जनपद पंचायत सदस्य अकलेश वाघमारे हुए शामिल

बैतूल। मप्र शासन के पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास विभाग भोपाल के तत्वावधान में भारतीय प्रबंधन संस्थान इंदौर में पांच दिवसीय मैनेजमेंट डेवलपमेंट प्रोग्राम का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बैतूल जनपद पंचायत सदस्य अकलेश वाघमारे शामिल हुए। इस पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रदेश भर से चयनित जिला एवं जनपद पंचायत के जनप्रतिनिधियों को विशेषज्ञों द्वारा आधुनिक प्रशासनिक कौशल सिखाए गए। बैतूल जिले का प्रतिनिधित्व कर लौटे जनपद पंचायत सदस्य श्री वाघमारे ने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन, आईसीटी और ई-डिस्ट्रिक्ट जैसे विषयों पर गहन चर्चा की गई। जनप्रतिनिधियों को सिखाया गया कि कैसे आधुनिक तकनीक के माध्यम से शासन को और अधिक पारदर्शी और सुदृढ़ बनाया जा सकता है। इसके अलावा आईआईएम इंदौर के विशेषज्ञों ने पब्लिक फाइनेंस, ऑपरेशनल एक्सीलेंस, जेम पोर्टल के माध्यम से सरकारी खरीद

प्रक्रिया और वित्तीय प्रबंधन की बारीकियों से अवगत कराया। इसके अलावा टीम बिल्डिंग, रणनीतिक योजना निर्माण, सतत विकास लक्ष्य और कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी के माध्यम से ग्रामीण विकास को गति देने पर विशेष जोर दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान प्रभावी संप्रेषण और इंटरपर्सनल रिलेशनशिप जैसे सॉफ्ट स्किल्स पर भी सत्र आयोजित किए गए।

उन्होंने बताया कि आईआईएम इंदौर में प्राप्त यह ज्ञान और अनुभव उनके क्षेत्र के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगा। वे अब अपने जनपद एवं ग्राम पंचायतों के अन्य जनप्रतिनिधियों को भी इन आधुनिक विषयों की जानकारी देंगे। इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य स्थानीय स्तर पर शासन में पारदर्शिता लाना, विकास कार्यों में तेजी लाना और पंचायती राज व्यवस्था को और अधिक सशक्त बनाना है। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को कॉर्पोरेट विजिट भी कराई गई, जिससे उन्हें औद्योगिक कार्यप्रणाली और सरकारी तालमेल को समझने का अवसर मिला।

पेयजल की गुणवत्ता की नियमित जांच सुनिश्चित की जाये: कलेक्टर श्री बालागुरू के.

तापमान में गिरावट को देखते हुए कलेक्टर ने सार्वजनिक स्थलों पर अलाव के निर्देश दिये

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर श्री बालागुरू के. की अध्यक्षता में जिला पंचायत सभाकक्ष में टीएल बैठक आयोजित की गई। बैठक में उन्होंने सभी विभागों के समय-सीमा वाले प्रकरणों और सीएम हेल्पलाइन में लंबित प्रकरणों की समीक्षा की और समय सीमा के भीतर सभी प्रकरणों का संतुष्टिपूर्ण निराकरण करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने विभिन्न विभागों की विभागीय गतिविधियों की भी समीक्षा की। टीएल बैठक के दौरान कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने सभी जनपद सीईओ, नगरीय निकायों के सीएमओ तथा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी (पीएचई) विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि नागरिकों को प्रदाय किए जाने वाले पेयजल की गुणवत्ता की नियमित जांच सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराना प्रशासन का दायित्व है और इसमें किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कलेक्टर ने निर्देशित किया कि पेयजल पाइपलाइन की शुरुआत से लेकर टेल एंड तक विभिन्न स्थानों से नियमित रूप से पानी के सैंपल लिए जाएं और जांच रिपोर्ट के आधार पर आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई की जाए, ताकि प्रत्येक नागरिक तक सुरक्षित और शुद्ध पेयजल पहुंच सके। उन्होंने आगामी महीनों में पेयजल की आवश्यकता को दृष्टिगत रखते हुए पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। आवश्यकता

पड़ने पर नलकूपों/बोरवेल को अधिग्रहित कर वैकल्पिक व्यवस्था करने के लिए भी कहा गया। कलेक्टर ने इस वर्ष औसत से कम हुई वर्षा को ध्यान में रखते हुए नागरिकों एवं किसानों को पानी के मितव्ययी और विवेकपूर्ण उपयोग के लिए जागरूक करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सामूहिक प्रयासों से ही जल संकट की स्थिति से प्रभावी रूप से निपटा जा सकता है। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती सर्जना यादव, अपर कलेक्टर श्री वृंदावन सिंह, संयुक्त कलेक्टर रविन्द्र परमार, श्री जमील खान, एसडीएम श्री तन्मय वर्मासहित सभी विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित थे।

तापमान में गिरावट को देखते हुए सार्वजनिक स्थलों पर अलाव निर्देश

कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने जिले में लगातार गिर रहे तापमान को ध्यान में रखते हुए नागरिकों की सुरक्षा एवं राहत के लिए आवश्यक निर्देश दिए हैं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सार्वजनिक स्थलों पर अलाव की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि राहगीरों एवं जरूरतमंद व्यक्तियों को ठंड से राहत मिल सके। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि जिले के सभी रैन बसेरों को हर समय खुला रखा जाए और वहां आवश्यक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं, जिससे बेसहारा एवं जरूरतमंद लोगों को सुरक्षित आश्रय मिल सके। कलेक्टर ने नगर निकायों एवं संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि वे नियमित निगरानी रखते हुए राहत व्यवस्थाओं को प्रभावी ढंग से संचालित करें।

भावान्तर भुगतान योजना को लेकर अधिकारियों को निर्देश दिए

बैठक के दौरान कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने भावान्तर भुगतान योजना को लेकर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि भावान्तर भुगतान योजना के तहत जिन किसानों का भुगतान अभी तक नहीं हो पाया है, उनके भुगतान की कार्यवाही तत्परता और प्राथमिकता के साथ सुनिश्चित की जाए। उन्होंने विशेष रूप से निर्देशित किया कि सोयाबीन का किसी भी स्तर पर रिसायकल न हो, इसकी कड़ी निगरानी की जाए। व्यापारी सोयाबीन की मंडी बिक्री न कर पाएं, इसके लिए प्रभावी नियंत्रण व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि केवल पंजीकृत किसानों से ही सोयाबीन उपज क्रय की जाए तथा अपात्र किसानों को किसी भी स्थिति में योजना का लाभ न मिले। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाए कि भावान्तर की राशि वास्तविक हितग्राही सिकमी एवं बटाईदार किसानों को ही प्रदान की जाए।

वाटर फिल्टर प्लांट का संयुक्त निरीक्षण, सीसीटीवी लगाने के निर्देश

विदिशा (निप्र)। विदिशा विधायक श्री मुकेश टंडन एवं कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने आज संयुक्त रूप से विदिशा नगर स्थित वाटर फिल्टर प्लांट का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पेयजल शुद्धिकरण की संपूर्ण प्रक्रिया, मशीनरी की कार्यशीलता, जल भंडारण व्यवस्था तथा प्लांट के संचालन से जुड़े विभिन्न बिंदुओं की गहन समीक्षा की गई। अधिकारियों ने नागरिकों को स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने के लिए जल गुणवत्ता बनाए रखने, सतत जल आपूर्ति सुनिश्चित करने तथा निर्धारित सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन करने पर विशेष जोर दिया। निरीक्षण के उपरांत प्लांट परिसर की निगरानी एवं सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से तत्काल सीसीटीवी कैमरे स्थापित करने के निर्देश दिए गए।

इससे प्लांट संचालन में पारदर्शिता बनी रहेगी तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित किया जा सकेगा। इस अवसर पर नगर पालिका के मुख्य नगर पालिका अधिकारी (सीएमओ), सहायक यंत्री एवं जलप्रदाय प्रभारी उपयंत्री भी उपस्थित रहे।

अधिकारियों के साथ समन्वय कर आवश्यक सुधारात्मक कार्यों की रूपरेखा पर चर्चा की गई तथा प्लांट की नियमित मॉनिटरिंग की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के क्रम में विधायक एवं कलेक्टर द्वारा बेतवा नदी का भी अवलोकन किया गया। नदी की स्वच्छता, जल प्रवाह की स्थिति तथा पर्यावरणीय संरक्षण से जुड़े पहलुओं पर ध्यान देते हुए संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ सतत निगरानी एवं आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए गए।

संक्षिप्त समाचार

सांसद निधि से कबड्डी मेट क्रय हेतु 99 हजार रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति जारी

नर्मदापुरम (निप्र)। सांसद श्री दर्शन सिंह चौधरी से ई साक्षी पोर्टल पर प्राप्त प्रस्ताव के आधार पर कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना ने सांसद निधि से कबड्डी मेट क्रय करने हेतु 99 हजार 990 रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति के आदेश जारी किए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार लोकसभा सांसद दर्शन सिंह चौधरी की सांसद निधि से जनपद पंचायत सोहागपुर के ग्राम मोकल वाड़ी में कबड्डी मेंट क्रय करने हेतु 99 हजार 990 रुपए की राशि की प्रशासकीय स्वीकृति के आदेश जारी किये ग ए है। निर्माण कार्य की एजेंसी मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत सोहागपुर है।

प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत निरामयम योजना के अंतर्गत सुशीला के गर्भाशय निष्कासन का हुआ निःशुल्क ऑपरेशन

बैतूल (निप्र)। प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत निरामयम योजना के अंतर्गत बैतूल सदर निवासी श्रीमती सुशीला के गर्भाशय निष्कासन का निःशुल्क ऑपरेशन हुआ है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.मनोज कुमार हुरमाड़े ने बताया कि जिला चिकित्सालय में सुरक्षा गार्ड श्रीमती सुशीला पति श्री गोविन्दराव उम्र 35 निवासी सदर बैतूल को लगभग 5 महीने से अधिक रक्तस्त्राव एवं दर्द की शिकायत थी। स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ भावना कवड़कर द्वारा श्रीमती सुशीला की 10 दिसम्बर 2025 को जांच की गई, जिसमें गर्भाशय का बढ़ा हुआ होना एवं बच्चेदानी में सूजन और गांठ पाई गई। श्रीमती सुशीला को गर्भाशय के आपरेशन की सलाह दी गई। श्रीमती सुशीला को जिला चिकित्सालय बैतूल में भर्ती कर 24 दिसम्बर 2025 को एनेस्थेटिस्ट डॉ रानू वर्मा आरएमओ के सहयोग से स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ भावना कवड़कर द्वारा गर्भाशय निष्कासन का सफल आपरेशन किया गया। श्रीमती सुशीला को 30 दिसम्बर 2025 को डिस्चार्ज किया गया। अब वह स्वस्थ है। अस्पताल की टीम समर्पण भावना से अस्पताल में कार्यरत सहकर्मी श्रीमती सुशीला को त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निःशुल्क इलज मिल सका।

परिवार नियोजन के अस्थायी साधन अंतरा छाया का प्रशिक्षण सम्पन्न

नर्मदापुरम (निप्र)। राष्ट्रीय परिवार कल्याण कार्यक्रम के तहत सोमवार को जिला प्रशिक्षण केन्द्र नर्मदापुरण में सीएमएचओ डॉ नरसिंह गेहलोत के मार्गदर्शन एवं डीएचओ 2 डॉ सुनीता नागेश की देखरेख में हैल्थ वेलनेस सेन्टर एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में कार्यस्त नर्सिंग ऑफीसर सीएचओ को परिवार नियोजन के अस्थायी साधन अतरा छाया का एक दिवसीय प्रशिक्षण दिया। प्रतिभागियों को लक्ष्य दम्पतियों में बच्चों में अन्तर बनाये रखने के लिये इंजेक्शन अंतस एवं छाया गर्भ निरोधक गोली का विस्तार से प्रशिक्षित किया। डीएचओ डॉ सृजन सेंगर द्वारा प्रतिभागियों से प्रि एवं पोस्ट टेस्ट लिये गये गभीर एवं अतिगंभीर एनीमिया वाली गर्भवती महिलाओं को चिन्हित कर उन्हें आयरन सुकोज, एफसीएम इंजेक्शन तथा स्क्त परिवहन के लिये रास्थाओं में प्रबंधन करने का प्रशिक्षण दिया। छाया गर्भनिरोधक गोली प्रत्येक आशा कार्यकर्ता एवं उप स्वास्थ्य केन्द्र पर उपलब्ध रहती है जिरो नवविवाहित दंपति, 02 बच्चों के बीच अंतर रखने के लिये लक्ष्य दपतियों को परिवार नियोजन के इन अस्थायी साधनों के बारे में एएनएम, आशा कार्यकर्ता तथा सीएचओ, नसिंग ऑफीसर के द्वारा ग्राम स्वास्थ्य पोषण दिवस अथवा ऐसे हितग्राहियों से गृह भेंट के दौरान सम्पूर्ण जानकारी दी जाती है।

नगरपालिका अधिकारी ने रेन बसेरा का औचक रात्रि निरीक्षण किया

विदिशा (निप्र)। विदिशा नगर के रेन बसेरा में अचानक रात्रि के समय मुख्य नगरपालिका अधिकारी श्री दुर्गेश ठाकुर ने पहुंचकर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने रेन बसेरा में ठहरे नागरिकों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं, सुविधाओं एवं आवश्यकताओं के संबंध में जानकारी ली। श्री ठाकुर ने रेन बसेरा में उपलब्ध आवास, स्वच्छता, पेयजल, शौचालय, प्रकाश व्यवस्था एवं सुरक्षा संबंधी व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया।

ई-सेवा पोर्टल जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन, 'ई-दक्ष विदिशा' पहल को मिला बल

विदिशा (निप्र)। नागरिक सेवाओं को सरल, पारदर्शी एवं समयबद्ध बनाने के उद्देश्य से विदिशा जिले में ई-सेवा पोर्टल जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन कलेक्ट्रेट में स्थित'ई-दक्ष विदिशा' अभियान के अंतर्गत किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों, जनप्रतिनिधियों तथा संबंधित विभागीय अधिकारियोंध्कर्मचारियों को ई-सेवा पोर्टल की कार्यप्रणाली से अवगत कराना तथा ऑनलाइन सेवाओं के प्रभावी उपयोग के लिए प्रशिक्षित करना रहा। लोक सेवा गारंटी के जिला प्रबंधक श्री अमित अग्रवाल ने बताया कि प्रशिक्षण सत्र में ई-सेवा पोर्टल के माध्यम से उपलब्ध विभिन्न शासकीय सेवाओं, ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया, दस्तावेज अपलोड, आवेदन की स्थिति ट्रैकिंग एवं शिकायत निवारण प्रणाली की विस्तार से जानकारी दी गई। प्रतिभागियों को पोर्टल के उपयोग से समय एवं संसाधनों की बचत, पारदर्शिता तथा त्वरित सेवा लाभों के बारे में भी बताया गया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अधिकारियों ने कहा कि डिजिटल माध्यम से सेवाओं की उपलब्धता शासन और नागरिकों के बीच की दूरी को कम करती है तथा सुशासन को सुदृढ़ बनाती है। उन्होंने अधिक से अधिक नागरिकों को ई-सेवा पोर्टल से जोड़ने और ग्राम स्तर तक इसकी जानकारी पहुँचाने पर जोर दिया। प्रशिक्षण में व्यावहारिक प्रदर्शन (डेमो) के माध्यम से पोर्टल पर आवेदन करने की प्रक्रिया समझाई गई तथा प्रतिभागियों की जिज्ञासाओं का समाधान किया गया। कार्यक्रम के अंत में ई-दक्ष विदिशा के तहत जिले को डिजिटल रूप से सशक्त बनाने की प्रतिबद्धता दोहराई गई और निरंतर जागरूकता गतिविधियाँ संचालित करने के निर्देश दिए गए।

महिला सुरक्षा पर सेमिनार, छात्र-छात्राओं को किया गया जागरूक

विदिशा (निप्र)। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, विदिशा में आज सोमवार को महिला सुरक्षा विषय पर एक महत्वपूर्ण सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार का उद्देश्य महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं को महिला सुरक्षा, महिलाओं के अधिकारों तथा शासन द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के प्रति जागरूक करना रहा। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता श्रीमती आकांक्षा मरावी, सहायक संचालक, महिला एवं बाल विकास विभाग, विदिशा रहीं। उन्होंने अपने उद्बोधन में महिला सुरक्षा से जुड़े कानूनी प्रावधानों, महिलाओं के संरक्षण एवं सशक्तिकरण हेतु संचालित शासकीय योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि किसी भी प्रकार की हिंसा या उत्पीड़न की स्थिति में महिलाएं शासन द्वारा स्थापित वन स्टॉप सेंटर के माध्यम से तत्काल सहायता प्राप्त कर सकती हैं। साथ ही महिला सहायता के लिए उपलब्ध टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी भी साझा की। सेमिनार के दौरान विद्यार्थियों द्वारा पूछे गए प्रश्नों का उन्होंने सहज एवं विस्तारपूर्वक उत्तर दिया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. वनिता बाजपेई ने की। अपने अध्यक्षीय संबोधन में उन्होंने कहा कि महिला सुरक्षा केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे महिलाओं के प्रति सम्मान, संवेदनशीलता एवं जागरूकता को अपने व्यवहार में अपनाएं। कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय की ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट ऑफिसर श्रीमती श्वेता सोलंकी के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रोफेसर श्री भगवत सिंह पाल द्वारा कुशलतापूर्वक किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्रशासकीय अधिकारी डॉ. अजय सिंह हजारी सहित प्राध्यापकगण डॉ. राजकुमार भीमते, डॉ. प्रमोद सेन एवं डॉ. बृजेश कुमार साहू उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने सहभागिता की।

मुख्य आयोजन से पूर्व सभी व्यवस्थाएं जांचने के लिए करें टेस्टिंग शीघ्र जारी किये जाए उपार्जित स्कंद के स्वीकृती पत्रक

देशभक्ति और उमंग की भावना से सराबोर हो गणतंत्र दिवस समारोह का आयोजन : सोनिया मीना

नर्मदापुरम (निप्र)। देशभक्ति एवं राष्ट्र प्रेम से सराबोर हो गणतंत्र दिवस समारोह। सांस्कृतिक कार्यक्रमों, विभागीय प्रदर्शनियों सहित अन्य कार्यक्रम की समयबद्ध रिहर्सल की जाए सुनिश्चित। नर्मदा प्राकट्य उत्सव के दौरान होने वाले मुख्य कार्यक्रम के लिए शहर में हो बेहतर ट्राफिक प्रबंधन, प्रमुख घाटों पर सुरक्षा, स्वच्छता एवं सौन्दर्यीकरण की हो समुचित व्यवस्था। धान खरिदी केन्द्रों पर एसडीएम रखें सतत निगरानी, उपार्जन समिति भी करें नियमित भ्रमण। उक्त निर्देश सोमवार को आयोजित समय सीमा की बैठक के दौरान कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना ने संबंधित अधिकारियों को दिए।

गणतंत्र दिवस की तैयारियों के लिए सौपें गयें दायित्वों का सभी अधिकारी समयबद्ध एवं जिम्मेदारीपूर्वक निर्वहन करें : सोमवार को आयोजित समय-सीमा की बैठक के दौरान कलेक्टर सोनिया मीना ने निर्देश दिए कि 26 जनवरी को आयोजित होने वाले गणतंत्र दिवस समारोह को जिले में पूरे हर्षोल्लास, देशभक्ति एवं उमंग के साथ मनाया जाए। समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने कहा कि गणतंत्र दिवस देशभक्ति की भावना को सशक्त करने का अवसर है, इसलिए सभी कार्यक्रमों का आयोजन उसी भावना के अनुरूप किया जाए। उन्होंने समारोह के सफल आयोजन हेतु सभी संबंधित अधिकारियों के दायित्व सुनिश्चित करते हुए निर्देश दिए कि सौंपे गए कार्यों का समयबद्ध एवं जिम्मेदारी पूर्वक निर्वहन किया जाए। बैठक में कलेक्टर ने यह भी स्पष्ट किया कि जिलेभर में आयोजित होने वाले सभी कार्यक्रमों के दौरान ध्वज संहिता एवं निर्धारित प्रोटोकॉल का पूर्ण रूप से पालन किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि 23 जनवरी तक जिला स्तर पर आयोजित होने वाले गणतंत्र दिवस समारोह से संबंधित सभी तैयारियां पूर्ण कर ली जाएं तथा आयोजन से पूर्व आवश्यक रिहर्सल भी सुनिश्चित की जाए।

नर्मदा प्राकट्योत्सव एवं रामजी बाबा मेले में सुरक्षा, स्वास्थ एवं भीड़ प्रबंधन पर अधिकारी दें विशेष ध्यान : समय-सीमा की बैठक के दौरान कलेक्टर ने 25 जनवरी को आयोजित होने वाले नर्मदा प्राकट्य उत्सव की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि नर्मदा जयंती से पूर्व जल मंच की साज-सज्जा, विद्युतीकरण, साफ-सफाई सहित महोत्सव से जुड़ी सभी आवश्यक तैयारियों को समय रहते पूर्ण कर मूर्त रूप दिया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि जल मंच के समीप पर्याप्त संख्या में मोटर बोट तैनात की जाएं, ताकि किसी भी आपात स्थिति में त्वरित सहायता उपलब्ध कराई जा सके। बैठक के दौरान कलेक्टर ने सुरक्षा एवं स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को लेकर भी स्पष्ट निर्देश दिए। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को जिला अस्पताल में इमरजेंसी वार्ड पूरी तरह तैयार रखने तथा कार्यक्रम स्थल पर एंबुलेंस की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

साथ ही आपात स्थिति से निपटने के लिए सेठानी घाट स्थित तिलक भवन में अस्थायी अस्पताल स्थापित करने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर ने विद्युत विभाग को खुले एवं झूलते तारों को व्यवस्थित करने, आवश्यक स्थानों पर जांच कर इलेक्ट्रिकल सेफ्टी सर्टिफिकेट जारी करने के निर्देश दिए। होमगार्ड, नगरपालिका एवं पीडब्लूडी विभाग जलमंच की गहनता से जांच करनें के उपरांत संबंधित विभाग आवश्यक सुरक्षा प्रमाण पत्र जारी करें। डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट होमगार्ड को निर्देशित किया। गया कि घाट पर जल मंच पर बैठने वाले मुख्य अतिथि सहित अन्य जनप्रतिनिधियों की सुरक्षा के लिए पर्याप्त संख्या में लाइफ जैकेट की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। इसके अलावा मुख्य आयोजन के समय नदी मार्ग पर किसी भी प्रकार की बोट या डोंगे का संचालन न हो यह भी सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने सर्किट हाउस घाट पर पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था करने के निर्देश दिए। साथ ही शहर में मुख्य कार्यक्रम स्थल सेठानी घाट तक पहुंच मार्ग पर सुव्यवस्थित यातायात प्रबंधन, वाहनों की पार्किंग एवं आवश्यकतानुसार बैरीकेडिंग की व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए भी निर्देशित किया। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि आयोजन स्थल पर पीए सिस्टम एवं अनाउंसमेंट सिस्टम की समुचित व्यवस्था की जाए। साथ ही आयोजन से पूर्व आवश्यकता अनुसार प्रतिबंधात्मक आदेश जारी कर कानून-व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश भी दिए गए। संत शिरोमणि श्री राम जी बाबा मेले के आयोजन की तैयारियों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने निर्देश दिए कि मेले के दौरान यातायात व्यवस्था के लिए निर्धारित रूट तैयार करें। मेले के लिए दुकानों का आवंटन भी पारदर्शी एवं समयबद्ध तरीके से किया जाये। उन्होंने निर्देश दिए कि सिटी मजिस्ट्रेट पूरे कार्यक्रम की देखरेख नोडल अधिकारी के रूप में करेंगे। मेले में लगने वाले झूले एवं अन्य विद्युत कार्यों के लिए संबंधित विभाग सेफ्टी सर्टिफिकेट उपलब्ध कराए। मेडिकल टीम भी पूरे आयोजन के तहत एक्टिव मोड में रहे। कलेक्टर ने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए नर्मदा प्राकट्य उत्सव एवं अन्य आयोजनों को सुरक्षित, सुव्यवस्थित एवं सफल बनाने के निर्देश दिए।

किसानों की शिकायतों का जल संसाधन और एमपीईबी गंभीरता पूर्वक निराकरण कराएं: कलेक्टर

बैतूल (निप्र)। जिले में रबी सीजन के लिए सिंचाई सुविधा सुचारू रहे। किसानों की सिंचाई और बिजली से संबंधित शिकायत प्राप्त होने पर गंभीरतापूर्वक निराकरण किया जाएं। यह निर्देश कलेक्टर श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने सोमवार को कलेक्ट्रेट में आयोजित समय सीमा की बैठक में जल संसाधन और एमपीईबी के अधिकारियों को दिए। बैठक में कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों की विभागवार समीक्षा की। उन्होंने जल संसाधन, जनजातीय कार्य, श्रम, सामाजिक न्याय, वन और नगरीय प्रशासन को शिकायतों के निराकरण में विशेष ध्यान देकर निराकरण किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी विभागों को सख्त निर्देशित किया कि अपने अधीनस्थ अमले को फील्ड पर भेजकर विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन में गति लाएं। साथ ही विभाग से जुड़ी शिकायतों का भी संतुष्टि पूर्वक समाधान कराएं। बैठक में कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उन्नयन योजना, प्रधानमंत्री स्वनिधी योजना इत्यादि स्वरोजगार मूलक योजनाओं की समीक्षा कर सभी स्वरोजगार मूलक योजनाओं में शत प्रतिशत उपलब्धि हासिल करने के निर्देश दिए। उन्होंने मुख्यमंत्री सीखो कमाओ योजना की समीक्षा कर एमपीपीजीसीएल, एमपीईबी, स्वास्थ्य, पीएचई इतियादी विभागों को योजना में युवाओं के पंजीयन में सक्रिय भूमिका निभाने के निर्देश दिए। प्राचार्य आईटीआई ने बताया कि मुख्यमंत्री सीखो कमाओ योजना में अभी तक 51 प्रतिशत उपलब्धि हासिल की गई, जिसमें प्रगति निरंतर जारी हैं। उन्होंने वन विभाग से जुड़े सभी विभागों के समन्वय बिंदुओं की भी समीक्षा कर निराकरण के निर्देश दिए। संयुक्त कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री मकसूद अहमद ने बताया कि निर्वाचन आयोजन के निर्देशों के क्रम में जिले के 6995 नो मैप मतदाताओं की सुनवाई का कार्य आज से प्रारंभ हो गया हैं।

कलेक्टर श्री विश्वकर्मा की अध्यक्षता में जिला स्तरीय पोषण समिति की बैठक सम्पन्न

रायसेन जिले को कुपोषण मुक्त बनाने सुपोषित रायसेन अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के दिए निर्देश

रायसेन (निप्र)। जिला स्तरीय पोषण समिति की बैठक कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित की गई। जिसमें कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने जिले में सुपोषित रायसेन अभियान, साक्षा चूल्हा योजना, पूरक पोषण आहार वितरण आदि की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि रायसेन जिले को कुपोषण मुक्त जिला बनाने के लिए सभी अधिकारी गंभीरता से कार्य करें। बच्चों को गुणवत्तापूर्ण पोषण आहार मिले, नियमित स्वास्थ्य जांच और टीकाकरण सुनिश्चित कराएं। साथ ही कुपोषित बच्चों को जनसहयोग से पोषण आहार किट वितरण की भी जानकारी ली। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने रायसेन जिले को कुपोषण से मुक्त करने के लिए 01 नवम्बर 2025 से जनसहयोग से शुरू किए गए सुपोषित रायसेन अभियान की विस्तृत समीक्षा करते हुए अभियान के तहत जिले में सर्वेक्षण कर चिन्हित किए गए कुपोषित बच्चों की समुचित देखभाल हो, पर्याप्त पोषण आहार मिले जिससे कि वह शीघ्र कुपोषण की श्रेणी से बाहर आएं, इसके लिए व्यक्तिगत रूचि के साथ कार्य करें। उन्होंने नवीन चिन्हित बच्चों के उपरांत कुल सेम बच्चों की संख्यात्मक जानकारी लेते हुए दिशा-निर्देश दिए। बैठक में महिला बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री बृजेश जैन ने बताया कि अभियान के तहत पुनः सर्वेक्षण में 1021 सेम बच्चे चिन्हित किए गए तथा इन सभी सेम बच्चों के घर गृहभेंट की गई। उन्होंने बताया कि कुपोषित बच्चों के स्वास्थ्य परीक्षण कैम्प कुल 61 सेक्टरों में आयोजित किए गए जिसमें जनप्रतिनिधियों और जनसहयोग से फूड किट वितरित किए गए। घर गृहभेंट एवं स्वास्थ्य परीक्षण हो जाने से चिन्हिंत बच्चों को एनआरसी भिजवाने तथा कुपोषण रोकने में लाभ हुआ है और 462 बच्चों का श्रेणी परिवर्तन हुआ है। जिले में जनसहयोग के माध्यम से फूट किट वितरण किया जा रहा है तथा यह निरंतर जारी है। जिले में साझा चूल्हा योजना अंतर्गत कार्यरत स्व-सहायता समूहों की जानकारी देते हुए बताया कि जिले की सभी सातों परियोजनाओं के कुल 1858 केन्द्र में से ग्रामीण आंगनवाड़ी केन्द्रों की संख्या 1616 है और शहरी क्षेत्र में 242 आंगनवाड़ी केन्द्र है। ग्रामीण आंगनवाड़ी केन्द्रों में कार्यरत स्वसहायता समूहों की संख्या 1319 है तथा शहरी केन्द्रों में कार्यरत स्वसहायता समूहों की संख्या 53 है। इसी प्रकार जिले में 3 से 6 वर्ष के 58546 बच्चों को गर्भ पका भोजन वितरित किया जाता है तथा टीएचआर लाभार्थी की संख्या 56754 है। बैठक में स्वास्थ्य विभाग, स्कूल शिक्षा विभाग, पीएचई सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

भोपाल में एक नहीं 6 ईरानी गैंग सक्रिय

चोरी, ठगी, नकली सोना खपाना, लूट और प्रॉपर्टी कब्जाना मुख्य पेशा, सभी का सरगना राजू

भोपाल (नप्र)। भोपाल के ईरानी डेरे में एक नहीं 6 से अधिक गैंग सक्रिय हैं। इस बात का खुलासा पुलिस की अब तक की जांच में हुआ है। इन सभी गैंग में कई दर्जन गुर्गे शामिल हैं। सभी गैंग अपने-अपने तरीकों में माहिर हैं। इन सभी गैंग के लीडर्स अलग-अलग हैं। इन सब लीडर्स का

राजू ईरानी

एक ही सरगना है राजू ईरानी, जो अब भी पुलिस की गिरफ्त से बाहर है। पुलिस को ईरानी डेरे से दबिश में बड़ी संख्या में मोबाइल, लैपटॉप, सीपीयू, पैनड्राइव आदि मिले हैं। इन सभी का परीक्षण कराया जा रहा है। माना जा रहा है कि इन डिवाइस का इस्तेमाल कर ईरानी चोरी के मोबाइल का सिक्योरिटी लॉक तोड़ने का काम करते थे।

काला ईरानी के काले कारोबार पर नजरें

पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि काला ईरानी निशातपुरा इलाके में लंबे समय से प्रॉपर्टी कारोबार से जुड़ा है। जनता नगर कॉलोनी में उसने कई प्लॉटों को हेरफेर कर बेचा है। काला के करीबी रहीम पर भी पुलिस की नजरें हैं। करोड़ों की संपत्ति के असामी बन चुके काले ईरानी पुलिस बारीकी से तस्दीक करा रही है।

वारदातों के लिए महीनों का सफर- ईरानी डेरे में रहने वाले अपराधी चोरी, लूट, ठगी जैसी वारदातों के लिए महीनों कबीले से दूर दूसरे शहर और राज्यों में रहते हैं। इसे सफर में होना कहा जाता है। इस दौरान कबीले के युवक आपराधिक वारदातों को अंजाम देते हैं। पकड़े जाने पर भी माल को सुरक्षित कबीले तक पहुंचाने के लिए दो युवक होते हैं। सफर में जाने वाले युवकों के गिरोह के साथ हर समय दो युवक ऐसे होते हैं जो वारदात में सीधे तौर पर शामिल नहीं होते, लेकिन घटना के बाद मिले माल को लेकर सुरक्षित कबीले तक लाने की जिम्मेदारी इनकी होती है। इसके लिए कई बार आरोपी बाय रोड लग्जरी कार और बाइक से सैकड़ों किलोमीटर तक का सफर तय करते हैं।

मां पीतांबरा कॉलेज के छात्रों ने नेशनल हाईवे किया जाम

फीस लेकर परीक्षा न कराने का आरोप प्रशासन के आश्वासन पर प्रदर्शन खत्म

आगर मालवा (नप्र)। आगर मालवा में मां पीतांबरा नर्सिंग कॉलेज के जीएनएम छात्रों ने बुधवार को नेशनल हाईवे पर प्रदर्शन किया। छात्रों ने आरोप लगाया कि पिछले तीन वर्षों से उनकी परीक्षा आयोजित नहीं की गई है। इस विरोध प्रदर्शन के कारण करीब एक घंटे तक यातायात बाधित रहा।

छात्रों ने बताया कि उन्होंने वर्ष 2022 में जीएनएम पाठ्यक्रम में प्रवेश लिया था, लेकिन अभी तक उनकी कोई परीक्षा नहीं हुई है। उन्होंने कॉलेज प्रशासन पर मानसिक उत्पीड़न, धमकी देने और फीस

वापसी के लिए दिए गए चेक बाउंस होने का भी आरोप लगाया। छात्रों की मुख्य मांग है कि या तो तत्काल उनकी परीक्षाएं आयोजित की जाएं, या फिर उनकी जमा की गई फीस वापस की जाए। इससे वे किसी अन्य पाठ्यक्रम में प्रवेश ले सकेंगे।

सूचना मिलने पर एसडीओपी मोतीलाल कुशवाहा, तहसीलदार विजय सेनानी और पुलिस बल मौके पर पहुंचा। अधिकारियों ने छात्रों को समझाया और उनकी मांगों को लेकर तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा गया। प्रशासन ने मामले की जांच कर कॉलेज प्रबंधन के खिलाफ कार्रवाई करने और पांच दिन में समाधान का आश्वासन दिया, जिसके बाद छात्रों ने जाम समाप्त कर दिया।

प्रदेश में सबसे ठंडा उमरिया...तापमान 3.9 डिग्री

दिल्ली से आने वाली 1 दर्जन ट्रेनें कोहरे से लेट, इंदौर-ग्वालियर, नर्मदापुरम में स्कूलों की छुट्टी

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में तेज ठंड और कोहरे का असर है। प्रदेश में रात का तापमान 10 डिग्री से नीचे चल रहा है। उमरिया में सबसे कम 3.9 डिग्री रहा। राजगढ़-खजुराहो में 4.5 डिग्री, शिवपुरी में 5 डिग्री और रीवा में 5.8 डिग्री रहा।

बुधवार सुबह आधे से ज्यादा हिस्से में कहीं घना तो कहीं मध्यम कोहरा रहा। सतना, दतिया, गुना, रीवा, ग्वालियर, राजगढ़, खजुराहो, नौगांव और सीधी में कोहरे का सबसे ज्यादा असर रहा। इस वजह से दिल्ली से आने वाली एक दर्जन ट्रेनें लेट हैं।

इंदौर, रायसेन, ग्वालियर, मऊगंज, धार और नर्मदापुरम के स्कूलों की बुधवार को भी छुट्टी थी। मौसम विभाग ने बुधवार को भोपाल, सीहोर, राजगढ़ और शाजापुर में कोल्ड वेव चलने का अलर्ट जारी किया है। इससे पहले भी शाजापुर, शहडोल, सिवनी,

मंदसौर और सीहोर में शीतलहर का प्रभाव रहा। वहीं, भोपाल-राजगढ़ में तीव्र शीतलहर चली।

भोपाल, विदिशा, सीहोर, शाजापुर व नरसिंहपुर में कोल्ड डे जैसी स्थिति बनी रही।

इंदौर, रायसेन-नर्मदापुरम के स्कूलों में रही छुट्टी- पिछले 3 दिन से प्रदेश में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। इस वजह से इंदौर, उज्जैन, मंदसौर, शाजापुर, विदिशा, ग्वालियर, अशोकनगर, रायसेन, आगर-मालवा, भिंड, टीकमगढ़, हरदा, नीमच, रतलाम, राजगढ़, मंडला, जबलपुर, दमोह, डिंडौरी, नर्मदापुरम, झाबुआ, छतरपुर, सीधी, बैतूल समेत कई जिलों में स्कूलों की छुट्टी घोषित कर दी गई थी।

इंदौर, रायसेन, ग्वालियर और नर्मदापुरम के स्कूलों की बुधवार को भी छुट्टी रहेगी। वहीं, भोपाल, धार, सीहोर, अनूपपुर, बड़वानी, मुरैना और खरगोन में स्कूल सुबह 9 बजे के बाद ही खुले रहेंगे। हालांकि, तेज ठंड का असर बरकरार है।

शासकीय कार्यालयों में बगैर वैध दस्तावेज के वाहन नहीं चल सकेंगे

दुर्घटना में क्षतिपूर्ति सुनिश्चित करने सरकार का बड़ा फैसला

बीमा, फिटनेस व परमिट अनिवार्य, परिवहन विभाग ने जारी किए आदेश

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश शासन के परिवहन विभाग ने शासकीय विभागों, निगमों एवं निकायों द्वारा विभिन्न प्रयोजनों के लिए अनुबंधित किए जाने वाले वाहनों के संबंध में नवीन निर्देश जारी किए हैं। जारी आदेशानुसार अब बगैर वैध दस्तावेजों के किसी भी वाहन को शासकीय कार्यालयों में उपयोग में नहीं लिया जाएगा।

शासकीय विभागों द्वारा सीधे अथवा निजी एजेंसियों के माध्यम से उपयोग में लाए जाने वाले मालवाहक एवं यात्री वाहनों के सभी वैधानिक दस्तावेज अनुबंध से पूर्व और वाहन उपयोग की संपूर्ण अवधि के दौरान वैध होना अनिवार्य होगा। साथ ही, विभागों को भुगतान से पहले भी इन दस्तावेजों की नियमित जांच सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

परिवहन विभाग ने यह भी निर्देश दिये है कि खनिज अथवा अन्य सामग्री के परिवहन के लिये जारी की जाने वाली अनुमति संबंधित वाहन की निर्धारित क्षमता से अधिक नहीं होनी चाहिए। अनुबंधित वाहनों द्वारा नियमानुसार मोटरयान कर का भुगतान किया गया होना चाहिए।

ई-मेल से भी प्राप्त कर सकते हैं मार्गदर्शन

सभी विभागों, निगमों एवं निकायों को यह सुविधा प्रदान की गई है कि वे अपने यहां अनुबंधित अथवा एजेंसियों द्वारा उपयोग में लाए जा रहे वाहनों के संबंध में परिवहन आयुक्त कार्यालय, मध्यप्रदेश, ग्वालियर से मार्गदर्शन प्राप्त कर सकते हैं। इसके लिए ई-मेल आईडी commr.transpt@mp.gov.in पर पत्र प्रेषित किया जा सकता है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंत्रालय में मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक सहित वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर आवश्यक निर्देश दिये।

क्लर्क ने ट्रेन से कटकर दी जान

पत्नी से हुआ था विवाद, परिजनों को मोबाइल पर सुसाइड नोट भेजा और बंद कर लिया फोन

भोपाल (नप्र)। भोपाल के चेतक ब्रिज के नीचे रेलवे लाइन पर बैंक क्लर्क ने ट्रेन के सामने कूदकर आत्महत्या कर ली। आत्महत्या से पहले पत्नी से हुए विवाद के बाद वह यहां पहुंचा था। उसने परिजनों को व्हाट्सएप पर टाइप किया हुआ सुसाइड नोट भेजा, जिसमें खुदकुशी के लिए स्वयं को जिम्मेदार बताया है। यह घटना मंगलवार शाम की बताई जा रही है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्ट्मार्टम के लिए रखवा दिया है। बुधवार शव का पोस्ट्मार्टम कराया जाएगा।

सुसाइड नोट भेजने के बाद मोबाइल किया स्विच ऑफ- एएसआई अनूप ने बताया कि अभिनाष ने परिजनों को मैसेज भेजने के बाद अपना मोबाइल फोन बंद कर लिया था। सुसाइड नोट मिलने के बाद परिजन घबरा गए और तुरंत एमपी नगर पुलिस को इसकी सूचना दी। पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर अभिनाष की तलाश शुरू की, वहीं परिजन भी अपने स्तर पर उन्हें ढूंढने में जुट गए।

- **ऑफिस पहुंचने के बाद हुआ विवाद-** एमपी नगर थाना पुलिस के मुताबिक अभिनाष जैन (35), पुत्र विमल कुमार, लाला लाजपत राय कॉलोनी, पंजाबी बाग क्षेत्र के निवासी थे। अभिनाष जैन और उनकी पत्नी रोली जैन, दोनों मैदा मील रोड स्थित एसबीआई कार्यालय में क्लर्क के पद पर कार्यरत हैं। मंगलवार सुबह दोनों रोज की तरह घर से ऑफिस के लिए निकले थे। ऑफिस पहुंचने के बाद किसी बात को लेकर पति-पत्नी के बीच विवाद हो गया, जिसके बाद अभिनाष बैंक से बाहर निकल गए। इसके बाद उन्होंने परिजनों को मोबाइल पर सुसाइड नोट भेजा और आत्महत्या कर ली।

खंडवा में फ्लोराइड युक्त पानी से बच्चों के दांत पीले

युवाओं के हाथ नहीं मुड़ रहे, पीएचई ने हैंडपंपों पर लगाए लाल निशान

खंडवा (नप्र)। इंदौर में दूषित पानी से मौतों के बाद अब मध्य प्रदेश के खंडवा जिले का किल्लौद ब्लॉक चिंता का केंद्र बनता जा रहा है। यहां एक दर्जन से ज्यादा गांवों में लोग मजबूरी में फ्लोराइड युक्त पानी पी रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि इस पानी ने बच्चों और युवाओं की सेहत बिगाड़ दी है। कई गांवों में बच्चों के दांत पीले पड़ गए हैं, युवाओं के हाथ ठीक से नहीं मुड़ पा रहे, वहीं इंफेक्शन, जोड़ों में दर्द और कमजोरी की शिकायतें सामने आ रही हैं। ग्रामीणों ने इस गंभीर समस्या को लेकर कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा है। ग्रामीणों के अनुसार जांच के दौरान कई गांवों में पानी में फ्लोराइड की मात्रा 2.0 से 5.0 पार्ट्स पर मिलियन पाई गई है, जबकि सुरक्षित सीमा 1.0 पीपीएम से कम मानी जाती है। अधिक फ्लोराइड के कारण क्षेत्र में डेंटल और स्केलेटल फ्लोरोसिस के लक्षण दिखाई देने लगे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि कई लोगों को कम दिखने, दांत गिरने, बाल समय से पहले सफेद होने और लगातार जोड़ों में दर्द जैसी समस्याएं हो रही हैं।

नल-जल योजना का पानी भी दूषित- किल्लौद ब्लॉक के ग्राम गरबड़ी में हालात और भी गंभीर हैं। यहां नल-जल योजना के तहत जो पानी सप्लाई हो रहा है, उसमें भी फ्लोराइड की मात्रा अधिक बताई जा रही है। गांव की करीब 3 हजार की आबादी के लिए पीने के पानी का एकमात्र स्रोत एक ही बोरवेल है, जिससे पूरे गांव में सप्लाई की जाती है।

ग्रामीण बोले- इंदौर जैसी घटना न हो- ग्राम गरबड़ी के रहने वाले शिवराज सिंह सिसोदिया ने बताया कि, हमारे गांव में पानी पीने से बच्चों के दांत पीले हो रहे हैं। युवाओं के हाथों में दिक्कत है और लीवर इंफेक्शन जैसी बीमारियां बढ़ रही हैं। इंदौर जैसी घटना हमारे गांव में न हो, इसलिए कलेक्टर के पास शिकायत लेकर आए हैं। हमें साफ पानी चाहिए।

पीएचई ने लगाए लाल निशान, पानी न पीने की अपील- मामला सामने आने के बाद लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग (पीएचई) की टीम ने प्रभावित गांवों का निरीक्षण किया। जिन हैंडपंप और ट्यूबवेल (नलकूप) में फ्लोराइड की मात्रा अधिक पाई गई, वहां लाल निशान लगाकर ग्रामीणों से पानी का उपयोग न करने की अपील की गई है।

कलेक्टर बोले- ऑप्शनल व्यवस्था पर काम

खंडवा कलेक्टर ऋषव गुप्ता ने बताया कि, किल्लौद ब्लॉक के कुछ गांवों में पानी में फ्लोराइड की मात्रा अधिक पाई गई है। PHE द्वारा जांच कर दूषित जल स्रोतों पर लाल निशान लगाए गए हैं।

ग्राम पंचायतों को निर्देश दिए गए हैं कि रेन वाटर हार्वेस्टिंग, तालाब और वाटर टैंक जैसे कार्य कराए जाएं, ताकि लोगों को सुरक्षित पेयजल मिल सके।

ग्रामीणों का सवाल- चिह्नांकन हुआ, समाधान कब?- ग्रामीणों का आरोप है कि विभाग ने दूषित जल स्रोतों को चिह्नित तो कर दिया, लेकिन न तो उन्हें पूरी तरह बंद किया गया और न ही फिल्टर प्लांट या स्थायी शुद्ध पेयजल व्यवस्था शुरू की गई। लंबे समय से लोग फ्लोरोसिस और अन्य बीमारियों से जूझ रहे हैं, लेकिन समाधान अब तक सिर्फ कागजों तक सीमित है। यह गंभीर मामला इसलिए है कि, फ्लोराइड अधिक होने से हड्डियां कमजोर होती हैं। बच्चों की दंत संरचना प्रभावित होती हैं। लंबे समय में स्थायी अपंगता तक का खतरा।

नर्सिंग कॉलेजों में महिलाओं को नहीं मिलेगा 100 प्रतिशत आरक्षण

286 पदों पर भर्ती के लिए दोबारा बुलाने पड़े आवेदन

पुरुष कैंडिडेट 13 तक करें अप्लाई

जबलपुर (नप्र)। मध्य प्रदेश के नर्सिंग कॉलेजों में असिस्टेंट प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर और ट्यूटर के कुल 286 पदों पर अब महिला उम्मीदवारों को 100 प्रतिशत आरक्षण नहीं मिलेगा। एमपी हाईकोर्ट ने पुरुष उम्मीदवारों की याचिका पर बुधवार को सुनवाई की। मंगलवार को कर्मचारी चयन मंडल ने भर्ती के लिए संशोधित विज्ञापन जारी किया था।

सुनवाई के दौरान जस्टिस विशाल धगट की कोर्ट में बोर्ड की ओर से बताया गया कि विज्ञापन मंगलवार (6 जनवरी) रात को ही संशोधित कर दिया गया है। अब महिलाओं के साथ-साथ पुरुष उम्मीदवारों को भी आवेदन करने का मौका मिलेगा। पुरुष उम्मीदवार 13 जनवरी तक फॉर्म जमा कर सकते हैं।

सरकारी नर्सिंग कॉलेजों में 286 पदों पर सीधी भर्ती- वकील

विशाल बघेल ने कहा- 16 दिसंबर को प्रदेश के सरकारी नर्सिंग कॉलेजों में 286 अकादमिक पदों पर सीधी भर्ती के जरिए विज्ञापन जारी किया गया था। इसमें 40 एसोसिएट प्रोफेसर, 28 असिस्टेंट प्रोफेसर और 218 सिस्टर ट्यूटर के सभी पद महिलाओं के लिए आरक्षित किए गए थे। आवेदन की अंतिम तिथि 7 जनवरी थी।

पुरुष उम्मीदवारों को पूरी तरह बाहर किया गया था- बघेल ने बताया कि इस मामले में जितने भी पुरुष उम्मीदवार हैं, जो मध्य प्रदेश से डिग्रीधारी हैं और वो महिलाओं के बराबर ही योग्यता रखते हैं। उन्हें सिर्फ इस आधार पर पूरी भर्ती प्रक्रिया से बाहर किया गया था कि वह पुरुष हैं।

जबलपुर निवासी नौशाद अली और अन्य याचिकाकर्ताओं ने याचिका दाखिल की। कोर्ट को बताया गया कि प्रदेश के सरकारी नर्सिंग कॉलेजों में इन भर्तियों में पुरुष उम्मीदवारों को पूरी तरह बाहर कर दिया गया। जबकि भर्ती नियम और अपेक्स काउंसिल आईएनसी के सभी मापदंड लिंग भेद की अनुमति नहीं देते हैं।

इन सबके बाद भी लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की ओर से की जा रही भर्ती में संविधान के अनुच्छेद 14, 15, 16 (2) और भर्ती के नियमों की अनदेखी की जा रही है।

याचिका में आरोप- 50 प्रतिशत आरक्षण सीमा का उल्लंघन हुआ

याचिका में आरोप लगाया गया कि सरकार की इस भर्ती प्रक्रिया में सुप्रीम कोर्ट के इंद्रा साहनी मामले के 50 प्रतिशत आरक्षण सीमा का उल्लंघन किया गया है। संविधान के अनुच्छेद 16(2) के तहत यह सीधे-सीधे लिंग भेदभाव है।

इसके अलावा मध्य प्रदेश शासन ने आरक्षण नीति बनाई हुई है। महिलाओं को आरक्षण देने के लिए विशेष प्रावधान किए हैं। उसके साथ-साथ भर्ती नियम-2023 बनाया है। इनमें भी कहीं ये नहीं लिखा है कि पुरुषों को सिर्फ पुरुष होने के आधार पर भर्ती प्रक्रिया से बाहर किया जाएगा।

इस मामले में 29 दिसंबर को हाईकोर्ट ने सरकार से जवाब तलब किया था। मंगलवार को भी प्रिंसिपल बेंच में सुनवाई हुई। सरकार ने मौखिक रूप से कहा कि अब भर्ती प्रक्रिया में पुरुष उम्मीदवारों को भी शामिल किया जाएगा।

68 पदों पर भर्ती में पुरुषों को अपात्र करार दिया था- बता दें मामला सामने आने के बाद सरकार ने ट्यूटर के 218 विज्ञापित पदों को भर्ती प्रक्रिया से बाहर कर दिया था, लेकिन असिस्टेंट प्रोफेसर और एसोसिएट प्रोफेसर के कुल 68 पदों पर भर्ती में पुरुषों को अपात्र करार देते हुए भर्ती प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा रही थी।

मध्यप्रदेश स्टार्ट-अप समिट 11 और 12 जनवरी को

- **समिट से सशक्त स्टार्ट-अप ईको-सिस्टम में मिलेगी मदद**

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के 'विकसित एम.पी. @2047' विज़न को सकारात्मक गति देने और अधिक सुदृढ़ करने के साथ ही स्टार्ट-अप इको-सिस्टम को अगले स्तर तक ले जाने के उद्देश्य से 11 एवं 12 जनवरी 2026 को रवींद्र भवन, भोपाल में मध्यप्रदेश स्टार्ट-अप समिट 2026 का आयोजन होने जा रहा है।

सोमवार 12 जनवरी को मुख्यमंत्री डॉ. यादव इसमें सहभागिता करेंगे। समिट में राज्य एवं देश भर से स्टार्ट-अप्स, निवेशक, इनक्यूबेटर्स, उद्योग प्रतिनिधि, शैक्षणिक संस्थान एवं अन्य हितधारक सहभागिता करेंगे। यह समिट स्टार्ट-अप्स को निवेश, नेटवर्किंग, नीति संवाद एवं नवाचार प्रदर्शन का एक सशक्त मंच प्रदान करेगी।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने मध्यप्रदेश स्टार्ट-अप नीति 2025 का फ़रवरी 2025 में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट भोपाल में विमोचन के साथ राज्य में नवाचार एवं उद्यमिता को एक नई दिशा प्राप्त हुई। नीति के सफल क्रियान्वयन के परिणामस्वरूप प्रदेश के स्टार्ट-अप इको-सिस्टम को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान एवं तीव्र गति प्राप्त हुई है। नवीन नीति से स्टार्ट-अप्स के प्रत्येक चरण के लिए वित्तीय सहायता, इनक्यूबेशन, निवेश, पेटेंट सहयोग एवं बाजार से जुड़ाव जैसे अनेक सशक्त प्रावधान सुनिश्चित किए गए, जिससे प्रदेश में नवाचार-आधारित आर्थिक विकास को गति मिली है।